डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram Chhenal Search @rojgaraurnirman

मध्यप्रदेश को जरूरत के मुताबिक होगी वैक्सीन की आपूर्ति - मुख्यमंत्री

डेंगू और चिकनगुनिया का उपचार आयुष्मान योजना में शामिल

भोपाल, केंद्र सरकार से मध्यप्रदेश को आवश्यकता के अनुसार कोरोना से बचाव की वैक्सीन प्रदाय की जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वस्त किया है कि मध्यप्रदेश को अब तक जिस तरह जरूरत के अनुसार वैक्सीन डोज मिलते रहे हैं, आगे भी पर्याप्त डोज मिलेंगे। इस आपूर्ति से आगामी 17 सितम्बर को संचालित किए जा रहे वैक्सीनेशन महाअभियान को सफल बनाने में सहयोग मिलेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में हुई बैठक में कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में टीकाकरण महाअभियान की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रतिदिन राज्य में कम से कम 10 लाख लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य निर्धारित करें। आगामी 17 सितम्बर के पश्चात इसी माह आखिरी सप्ताह में भी प्रथम डोज शत-प्रतिशत पात्र लोगों को लगाने के लक्ष्य प्राप्ति के पूरे प्रयास हों। संभव हो तो मतदाता सूची को आधार बनाकर जन-सहयोग प्राप्त कर लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए केन्द्रों तक लाने का कार्य किया जाए, जिससे अभियान से शत-प्रतिशत वैक्सीन का लक्ष्य पूरा हो सके। श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीनेशन में जिन जिलों की उपलब्धि 70 प्रतिशत से कम है, वहां के कलेक्टर्स और जिला क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से चर्चा कर समीक्षा की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश में अब तक 5.49 करोड़ वैक्सीनेशन के पात्र व्यक्तियों में से 4.07 करोड़ को प्रथम डोज और 93 लाख व्यक्तियों को दूसरा डोज लगाया जा चुका है। जिन जिलों में प्रगति 80 प्रतिशत से अधिक है, उनमें इंदौर, आगर-मालवा, भोपाल, सीहोर, हरदा, शहडोल, रतलाम, उज्जैन, नीमच, शाजापुर, गुना और दतिया शामिल हैं। जो जिले अपेक्षित रफ्तार नहीं पकड़ सके हैं उनमें 56 से 64 प्रतिशत वैक्सीनेशन वाले जिले सतना, श्योपुर, भिण्ड, धार, रीवा, मण्डला, सीधी और खरगोन शामिल हैं। इसके अलावा बैतूल, अलीराजपुर, बड़वानी, सिंगरौली, शिवपुरी, कटनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट और मुरैना भी 65 से 70 प्रतिशत के मध्य वैक्सीनेशन करा सके हैं।

बताया गया कि प्रदेश में सितम्बर में कुल 120 कोरोना के पॉजिटिव प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें 65 प्रकरणों में रोगियों द्वारा वैक्सीनेशन नहीं करवाया गया था। इस तरह कुल रोगियों के 54 प्रतिशत रोगी वैक्सीनेशन के न होने एवं अन्य कारण से संक्रमण से प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जबलपुर और इंदौर में आ रहे प्रकरणों को भी गंभीरता से लेने और आवश्यक उपायों पर ध्यान देने के निर्देश दिए।

डेंगू और चिकनगुनिया नियंत्रण पर भी ध्यान दें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में कुछ जिलों में डेंगू और चिकनगुनिया के मामले सामने आए हैं। इन्हें नियंत्रित करने के लिए जनता को शिक्षित और जागरूक बनाया जाए। जल स्रोतों पर आवश्यक रसायनों जैसे टेमेफोस, बीटीआई के छिड़काव, लार्वा नष्ट करने और फॉगिंग का कार्य आवश्यक क्षेत्रों में मिशन मोड पर किया जाए। साथ ही अस्पतालों में इन रोगों के उपचार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिला अस्पतालों में 10 बिस्तरों के आइसोलेशन वार्ड की व्यवस्था और जिला मलेरिया अधिकारियों के माध्यम से आवश्यक समन्वय का कार्य किया जा रहा है।

प्रचार माध्यमों से नागरिकों को दें समझाइश

बैठक में कहा गया कि प्रदेश में डेंगू की जांच के लिए 57 प्रयोगशालाएं संचालित हैं। स्थानीय निकायों द्वारा प्रचार अभियान संचालित कर नागरिकों को डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के उपायों जैसे मच्छरदानी के उपयोग और फुल आस्तीन की शर्ट आदि के उपयोग की समझाइश भी दी जाए। अनावश्यक रूप से एकत्र पानी, विशेष रूप से पुराने टायरों और कूलरों की सफाई करते हुए लार्वा पनपने के कारणों को समाप्त किया जाए। कीटनाशक पाइरेथ्रम 2 प्रतिशत द्वारा स्पेस स्प्रे डेंगू पॉजिटिव रोगी के घर के आसपास 400 मीटर क्षेत्र में स्थित 50 घरों में स्पेस स्प्रे के साथ करने का कार्य भी किया जा रहा है।

रोज़गार के अवसर

ग्रामीण युवाओं को मिलेगा कौशल विकास प्रशिक्षण

भोपाल, जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक गांव में पाइप लाइन द्वारा जलापूर्ति के लिये नल-जल प्रदाय योजनाएं बनाने का कार्य किया जा रहा है। इन नल-जल योजनाओं का संचालन-संधारण ग्राम स्तर पर समुदाय की भागीदारी के साथ ग्राम/ग्राम पंचायत के अंतर्गत गठित की गयी ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति द्वारा किया जायेगा। संधारण कार्यों के लिए स्थानीय ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की अवधारणा में तकनीकी दक्षता में प्रशिक्षण उपरांत तैयार कुशल मानव संसाधन को रोज़गार के पर्याप्त एवं बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। इस प्रकार की गतिविधियों से जल आपूर्ति प्रणालियों का दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करते हुए समुदायों के बीच जिम्मेदारी और उत्तरदायी नेतृत्व विकसित करने में मदद मिलेगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा तकनीकी कौशल प्रशिक्षण के लिये प्रत्येक ग्राम से चयनित किये गये उपयुक्त व्यक्तियों को मोटरपंप-रिपेयरिंग, प्लम्बर, पम्प-ऑपरेटर, मेसन (राज मिस्त्री), फिटर एवं इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में लगभग 50 हजार व्यक्तियों को मध्यप्रदेश राज्य कौशल एवं रोज़गार निर्माण बोर्ड (MPSSDEGB) के माध्यम से ऑफलाइन प्रशिक्षण दिलाये जाने का प्रस्ताव निष्पादित किया गया है। प्रशिक्षण व्यय जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'सपोर्ट एक्टिविटी मद' में भारित किया जायेगा, जिसमें केन्द्रांश एवं राज्यांश का अनुपात 60:40 होगा। इस योजना की लागत 17.12 करोड़ रुपये है। प्रत्येक प्रशिक्षण-सत्र की अवधि तीन दिवस होगी। प्रशिक्षण-सत्र के उपरांत चौथे दिवस में प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन किया जायेगा तथा उन्हें प्रमाण-पत्र वितरित किये जायेंगे।

खास ख़बर

गृह विभाग ने जारी किया श्री विवेक सागर की विशेष नियुक्ति आदेश

भोपाल, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने ओलिंपियन श्री विवेक सागर को उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) बनने पर बधाई दी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने टोक्यो ओलिंपिक में कांस्य पदक विजेता हॉकी टीम के खिलाड़ी श्री सागर के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये एक करोड़ रुपये की राशि के साथ डीएसपी के पद पर नियुक्त करने घोषणा की थी। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने बताया है कि मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये निर्णय के क्रम में 6 सितम्बर को श्री विवेक सागर का डीएसपी के पद पर विशेष नियुक्ति का आदेश कर दिया है।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

पंद्रह सितम्बर से

मध्यप्रदेश में प्रारंभ होंगे सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय

भोपाल, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां 15 सितंबर 2021 से विद्यार्थियों की भौतिक रूप से उपस्थिति के साथ प्रारंभ होंगी। उन्होंने बताया कि सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक तथा अशैक्षणिक स्टाफ की शत-प्रतिशत उपस्थिति होगी। विद्यार्थियों की 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ कक्षाओं का संचालन होगा। डॉ. यादव ने बताया कि महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ तथा विद्यार्थियों को कोविड-19 प्रथम डोज टीकाकरण का प्रमाण-पत्र जमा कराना अनिवार्य होगा।

श्री यादव ने विद्यार्थी संख्या अधिक होने की स्थिति में प्रत्येक स्तर पर कोविड-19 के सुरक्षा मानकों के आधार पर पृथक-पृथक समूह बनाकर प्रायोगिक एवं शैक्षणिक कार्यों को संपादित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अधोसंरचना की उपलब्धता एवं स्थानीय परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में संबंधित संस्था प्रमुख निर्णय लेने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन भी जारी रहेगा। डॉ. यादव ने शिक्षण संस्थाओं द्वारा ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कक्षाओं के लिए अलग-अलग समय-सारणी बनाये जाने के निर्देश दिए हैं।

ग्रंथालय भी होंगे प्रारंभ

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि सभी शैक्षणिक संस्थाओं में विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए ग्रंथालय भी प्रारंभ होंगे। केवल पंजीकृत विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जायेगा। ग्रंथालय में प्रवेश के पूर्व कर्मचारियों/विद्यार्थियों का कोविड प्रोटोकॉल के तहत शारीरिक तापमान, आवश्यक रूप से मास्क का इस्तेमाल, हाथों को सेनेटाइज करने तथा पुस्तकालय में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। पुस्तकालय अध्ययन कक्ष में 50 प्रतिशत क्षमता के साथ उपस्थिति होगी।

छात्रावास और मैस भी होंगे प्रारंभ

विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रावास और मैस भी प्रारंभ होंगे। छात्रावास चरणबद्ध रूप से प्रारंभ किये जायेंगे। प्रथम चरण में स्नातक अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के लिये छात्रावास खोले जायेंगे। छात्रावास परिसर में सोशल डिस्टेंसिंग, सेनेटाइजेशन एवं सभी विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जायेगी।

धान एवं ज्वार-बाजरे के उपार्जन के लिये पंजीयन प्रारंभ होगा

भोपाल, प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण श्री फैज अहमद किदवई ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान एवं ज्वार-बाजरे के उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन 15 सितम्बर से 14 अक्टूबर 2021 तक किया जायेगा। समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिये धान का न्यूनतम मूल्य 1940 रुपये, ज्वार 2738 रुपये एवं बाजरा 2250 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जिला स्तर पर होने वाला पंजीयन विगत रबी एवं खरीफ की भांति इस वर्ष भी भू-अभिलेख के डाटाबेस के आधार पर किया जायेगा।

पंजीयन का सरलीकरण

श्री किदवई ने बताया कि किसानों को ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया को और अधिक सरल किया गया है। किसान अब अपना पंजीयन डाटा एंट्री के अलावा एमपी किसान एप, प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्थाओं एवं विगत खरीफ वर्ष में उपार्जन/पंजीयन करने वाले महिला स्व-सहायता समूह एवं एफपीओ द्वारा संचालित पंजीयन केंद्र से भी करा सकेंगे। इसके अलावा सिकमीदार एवं वनाधिकार पट्टाधारी अपना पंजीयन समिति/एफपीओ/महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित केंद्रों में ही करा सकेंगे।

पंजीयन के लिये दस्तावेज

प्रमुख सचिव खाद्य ने बताया कि पंजीकरण के लिये जिन किसानों ने खरीफ एवं रबी के मौसम में ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया था, उन्हें पुनः दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। किसान द्वारा विगत वर्ष दिये गये आधार कार्ड और बैंक पासबुक के आधार पर पंजीयन किया जा सकेगा। नये पंजीयन हेतु किसानों को यह दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। वनाधिकार पट्टाधारी/सिकमीदार किसानों को वन पट्टा एवं सिकमी अनुबंध की प्रति उपलब्ध कराना होगी। किसान से उपज के विक्रय के लिये 3 संभावित दिनांक प्राप्त की जायेंगी, जिसे पंजीयन के समय दर्ज किया जायेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भुगतान जेआईटी के माध्यम से सीधे उनके खाते में किया जायेगा। अतः केवल राष्ट्रीयकृत एवं जिला केंद्रीय बैंक की शाखाओं के एकल खाते ही मान्य होंगे। किसान को बोई गई फसल की किस्म, रकबा तथा विक्रय योग्य मात्रा, फसल के भंडारण स्थान की जानकारी भी आवेदन में दर्ज कराना होगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

4 सितम्बर

एंटी ड्रोन सिस्टम के लिये तीनों सेनाओं ने किया डीआरडीओ के साथ समझौता

● देश की सुरक्षा के लिये चुनौती बने ड्रोन हमलों से निपटने के लिये रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक एंटी ड्रोन सिस्टम विकसित किया है। भारत की तीनों सेनाओं- थल सेना, वायु सेना और नौ सेना ने मिलकर डीआरडीओ के साथ एंटी ड्रोन सिस्टम के लिये समझौता किया है। समझौते को 31 अगस्त को अंतिम रूप दिया गया है। डीआरडीओ द्वारा विकसित और भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड द्वारा बनाये गये ड्रोन डिटेक्ट, डिटर एंड डिस्ट्रॉय सिस्टम (डी4एस) भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने वाला पहला स्वदेशी एंटी ड्रोन सिस्टम है। डीआरडीओ ने बताया कि यह एंटी ड्रोन सिस्टम माइक्रो ड्रोन का तुरंत पता लगाने के बाद इसे जाम कर सकता है। यह अपने लक्ष्य को नष्ट करने के लिये एक लेजर आधारित तकनीक का उपयोग कर सकता है।

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के कक्षा बारहवीं की कंपार्टमेंट और प्राइवेट परीक्षा देने वाले विद्यार्थी अब परीक्षा परिणाम के बिना भी मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये आयोजित होने वाली नीट परीक्षा में बैठ सकेंगे। यह जानकारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में दी। एनटीए ने कहा कि इन विद्यार्थियों को नीट परीक्षा की काउंसलिंग के दौरान परीक्षा परिणाम देना जरूरी होगा।

5 सितम्बर

एनटीए ने यूजीसी नेट परीक्षा की तिथियों में किया बदलाव

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने दिसम्बर, 2020 तथा जून, 2021 सत्र के लिये आयोजित होने वाली यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) नेट परीक्षा के कार्यक्रम में बदलाव किया है। पहले यह परीक्षा 6 से 11 अक्टूबर तक आयोजित होनी थी, लेकिन अब यह परीक्षा 6 से 8 अक्टूबर तथा 17 से 19 अक्टूबर तक आयोजित की जायेगी। एनटीए ने परीक्षा की नई तिथियों के संबंध में एक आधिकारिक नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार कई विद्यार्थियों ने एनटीए से शिकायत की थी कि 10 अक्टूबर को कुछ प्रमुख परीक्षाओं के साथ यूजीसी नेट की परीक्षा की तिथि टकरा रही थी, ऐसे में विद्यार्थियों ने परीक्षा तिथि में बदलाव का आग्रह किया था। एनटीए ने कहा कि परीक्षा के लिये प्रवेश पत्र परीक्षा से काफी पहले जारी किये जायेंगे।

● विश्व के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन में 20 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित भारतीय सेनाओं के लिये फील्ड अस्पताल में हाइपर बेरिक ऑक्सीजन थैरेपी (एचबीओटी) सेंटर और डिजिटल रेडियोलॉजी (डीआर) सेंटर की स्थापना की गई है। इन सेंटर्स में जवानों को भीषण ठंड के बीच सभी तरह की जांच की सुविधा मिलेगी। इन सेंटर्स को अरविंद लाल वंदना लाल फाउंडेशन ने स्थापित किया है।

6 सितम्बर

आयकर विभाग ने वरिष्ठ नागरिकों को आयकर रिटर्न दाखिल करने से दी छूट

● आयकर विभाग ने 75 वर्ष या इससे अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों को मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 के लिये आयकर रिटर्न दाखिल करने से छूट प्रदान की है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर रिटर्न से छूट पाने के लिये नियम और डिक्लेरेशन फॉर्म को नोटिफाई कर दिया है। 75 वर्ष या इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को यह फॉर्म बैंक में जमा कराना होगा। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष बजट में पेंशन योजना और उसी बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज पाने वाले 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयकर रिटर्न दाखिल करने से छूट देने का प्रावधान किया गया था।

● भारतीय नौसेना और रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के बीच द्विपक्षीय अभ्यास ऑसिन्डेक्स का चौथा संस्करण शुरू हो गया है। भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल तरुण सोबती की कमान में नौसेना के जहाज शिवालिक और कदमत इस अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। इस अभ्यास में दोनों देशों की नौसेनाओं के जहाज, पनडुब्बी, हेलीकॉप्टर और लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान हिस्सा ले रहे हैं।

7 सितम्बर

यूएसएफडीए ने जायडस की मधुमेह की दवा को दी मंजूरी

● भारतीय दवा निर्माता कंपनी जायडस केडिला की मधुमेह की दवा 'सिटाग्लिप्टिन' को मार्केटिंग के लिये अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (यूएसएफडीए) ने अस्थाई मंजूरी प्रदान की है। जायडस केडिला ने बताया कि उसकी सहयोगी कंपनी को अमेरिका में 'सिटाग्लिप्टिन' दवा की 25, 50 और 100 मिलीग्राम टैबलेट के लिये अमेरिकी औषधि नियामक से अस्थाई मंजूरी मिली है। कंपनी ने बताया कि अमेरिकी औषधि नियामक के पास 31 अक्टूबर, 2020 को नई दवा के लिये आवेदन किया गया था। जायडस केडिला ने कहा कि दो सितम्बर, 2021 को समीक्षा का पहला चक्र पूरा होने के बाद अस्थाई मंजूरी मिली है।

● बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्री डॉ. हसन महमूद ने नई दिल्ली स्थित प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में बने बंग बंधु मीडिया सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. महमूद ने कहा कि यह सेंटर निश्चित रूप से बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करेगा। बांग्लादेश के उच्चायुक्त मुहम्मद इमरान ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंध 50 वर्ष पुराना और मजबूत है।

8 सितम्बर

आरबीआई ने ऑनलाइन कार्ड पेमेंट के लिये जारी किये नये नियम

● भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने ऑनलाइन कार्ड से पेमेंट करने के लिये नये नियम जारी किये हैं। ये नियम एक जनवरी 2022 से लागू होंगे। आरबीआई ने बताया कि ऑनलाइन कार्ड पेमेंट के लिये अब टोकनाइजेशन सिस्टम होगा। नये नियम के तहत कार्ड के जरिये ट्रांजेक्शन में कार्ड जारी करने वाले बैंक या कार्ड नेटवर्क के अलावा अन्य कोई वास्तविक डाटा स्टोर नहीं किया जा सकेगा। ट्रांजेक्शन ट्रैकिंग या विवाद की स्थिति में समझौते के लिये पेमेंट एग्रीगेटर सीमित डाटा स्टोर कर सकेंगे। आरबीआई ने बताया कि टोकनाइजेशन सिस्टम में ग्राहकों को अपने कार्ड की डिटेल्स शेयर नहीं करनी होगी। इसकी जगह एक यूनिक नंबर जनरेट होगा, जिसे टोकन कहा जायेगा और ये टोकन कार्ड से लिंक होगा। अब ऑनलाइन खरीददारी के समय कार्ड नंबर की जगह टोकन नंबर डालना होगा।

● अफगानिस्तान को अपनी जमीन का उपयोग किसी दूसरे देश में आतंकवाद फैलाने के लिये नहीं होना चाहिये। यह बात रूस के राजदूत निकोलाय कुदाशेव ने कही। कुदाशेव ने कहा कि भारत और रूस दोनों की अफगानिस्तान में बन रहे हालात की पृष्ठभूमि में साझा चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत और रूस आतंकवाद के किसी भी खतरे से निपटने के लिये काम करते रहेंगे। रूसी राजदूत ने कहा कि अफगानिस्तान पर भारत और रूस के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

9 सितम्बर

एनडीए के जरिये सेना में होगी महिलाओं की भर्ती

● सेना में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के जरिये पुरुषों की तरह महिलाओं की भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार ने महिलाओं को बराबरी दिलाने के लिये एतिहासिक निर्णय लेते हुये महिलाओं को भी एनडीए परीक्षा में शामिल होने और एनडीए के जरिये सेना में भर्ती करने का फैसला किया है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले की जानकारी दी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को 20 सितम्बर तक हलफनामा दाखिल कर पूरी प्रक्रिया बताने को कहा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2020 में केंद्र सरकार को सेना में महिलाओं को पुरुषों के समान स्थायी कमीशन देने का आदेश दिया था।

● केंद्र सरकार ने वायु सेना के पुराने जहाजों की जगह नये परिवहन विमान लाने का फैसला किया है। सरकार ने इसके लिये स्पेन की विमानन कंपनी एयरबस से 56 सी-295 एम.डब्ल्यू. विमान खरीदने का निर्णय लिया है। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी ने इस सौदे को मंजूरी प्रदान की है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयरबस कंपनी से 16 विमान खरीदे जायेंगे, जबकि 40 विमानों का निर्माण भारत में टाटा कंसोर्टियम द्वारा किया जायेगा। यह स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने की अनूठी पहल है, रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह अपनी तरह की पहली परियोजना है, जिसमें निजी कंपनी भारत में सैन्य विमान का निर्माण करेगी।

10 सितम्बर

आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 31 दिसम्बर तक बढ़ी

● केंद्र सरकार ने करदाताओं को बड़ी राहत देते हुये आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर, 2021 तक बढ़ा दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि आयकर दाताओं को रिटर्न जमा करने के लिये तीन महीने का अतिरिक्त समय देने का फैसला लिया गया है। अब वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिये 31 दिसम्बर तक बिना किसी पेनाल्टी के आयकर रिटर्न दाखिल किया जा सकता है। इससे पहले यह समय सीमा 30 सितम्बर, 2021 थी। सीबीडीटी के अनुसार जिन करदाताओं को ऑडिट करवाना होता है, उनके लिये ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी, 2022 होगी।

● केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क द्वारा तैयार की गई इंडिया रैंकिंग-2021 जारी की। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि एक मजबूत और रोल मॉडल रैंकिंग फ्रेमवर्क वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य में भारत के योगदान के रूप में काम करेगा। इसके लिये यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि रैंकिंग फ्रेमवर्क न केवल देश बल्कि दुनिया में विशेषकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिये एक बेंचमार्क के रूप में उभरे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गुगल से साभार)

MAHARISHI INSTITUTE OF MANAGEMENT, INDORE
CAT Road Rau, Behind Naidunia Press
Rau, Indore(M.P.) - 453331
(AFFILIATED TO DAVV, INDORE & APPROVED BY MP HIGHER EDUCATION, AICTE,NCTE)
Applications are Invited for Faculty Positions in
Director (Post- 01)

S. No.	Department	Professor	Associate Professor	Assistant Professor
1	Management	1	01	09
2	Computer Applications	1	01	02
3	Commerce	1	01	05
4	History	0	01	02
5	Political Science	0	01	02
6	Economics	0	01	02
7	Social Works	0	01	02
8	Education	0	01	04
9	Language	0	01	02

Last Date for applying: within the 10 Days of Advertisement publish Date
Eligibility as per UGC/AICTE and University norms.
Salary as per UGC and AICTE norms
Send your CV with all the relevant documents at
dirmimbhopal@gmail.com, mimindoreinfo@gmail.com
Contact No. 9826048223, 8518889535, 9893712482
R-45947/2021

प्रयासKSG
An institute for MPPSC Examination
Build Your Own Success Story
UPSC में 2000 से अधिक सलेक्शन देने के बाद MPPSC को समर्पित KSG का प्रतिबद्ध संस्थान
प्रयासKSG
Our Proud Achievers (MPPSC)
Rachna Sharma 2nd Rank
Gagan Bisen 7th Rank
Tanmay 15th Rank
FOUNDATION BATCH ADMISSION OPEN
FREE DEMO CLASSES AVAILABLE
BOTH ENGLISH AND HINDI MEDIUM
दिल्ली एवं म.प्र. के अनुभवी शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन
93029 63679, 72239 01339, 0755-4940022
Plot No. 43, S-1 & S-3, 2nd Floor, R.R. Arcade, Zone-II, M.P. Nagar, Bhopal
R-45940/2021

वर्ष 38, अंक 37 13.09.2021 से 19.09.2021
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

आने वाली चुनौतियों के लिये छात्रों को तैयार करना शिक्षक का कर्तव्य

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को ज्ञान, कौशल और संस्कार देना है। शिक्षक दिवस के रूप में 5 सितम्बर का दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को समर्पित है। डॉक्टर राधाकृष्णन शिक्षा और ज्ञान को जीवन का सबसे सशक्त आधार मानते थे। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने ट्वीट में लिखीं। उन्होंने लिखा कि डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के सपनों के शिक्षित, समर्थ और सशक्त भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश अपना हरसंभव योगदान देने के लिये संकल्पित है। डॉक्टर राधाकृष्णन का मत था कि शिक्षक वह नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूंसे, बल्कि वास्तविक शिक्षक तो वह है, जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिये तैयार करे। वास्तव में समाज को गढ़ने का काम शिक्षक ही करते हैं। प्रदेश में शालेय शिक्षक न केवल आने वाली पीढ़ी को चुनौतियों के लिये तैयार कर रहे हैं, अपितु स्वयं ही चुनौतियों का दृढ़तापूर्वक सामना कर रहे हैं। कोरोना संक्रमण ने शालेय शिक्षा व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। बच्चों के एक साथ होने, सीखने, खेलने-कूदने, अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों और परस्पर आपसी संवाद से ही स्कूल नामक संस्था जीवित थी और उसकी पहचान थी। वहां का आनंद एवं बच्चों में स्कूल के लिये रुचि इन्हीं कारणों से थी। कोरोना ने इन सब गतिविधियों को संक्रमण फैलने का कारण बना दिया। परिणामस्वरूप स्कूल लंबे समय तक बंद रहे। इस विपरीत परिस्थिति में भी विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल और संस्कार प्रदान करने के अपने कर्तव्य के प्रति शिक्षक प्रतिबद्ध रहे। शिक्षकों के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के अध्ययन का क्रम नहीं टूटा और वे शिक्षा में निरंतरता अनुभव करते रहे। प्रदेश के गुरूजन ने कोविड संक्रमण के दौरान दीक्षा, डिजि लैब, दूरदर्शन, रेडियो और वाट्सएप आदि माध्यमों से ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन कर शिक्षा व्यवस्था का संचालन किया। 'हमारा घर-हमारा विद्यालय' जैसी योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों तक निरंतर शिक्षा की पहुंच बनाये रखी। शिक्षा के साथ शिक्षकों ने कोरोना से ग्रसित लोगों के सर्वेक्षण, उनकी चिकित्सा तथा टीकाकरण में सहयोग जैसे कार्य भी किये। कोविड-19 की स्थिति के दृष्टिगत विद्यार्थियों की शिक्षा न रुके इसके लिये विगत वर्ष से ही प्रतिदिन ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। डिजिटल लर्निंग एनाउंसमेंट प्रोग्राम (डिजि लैब) के माध्यम से कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों के लिये वाट्सएप से शिक्षण सामग्री साझा की गईं। दूरदर्शन मध्यप्रदेश के माध्यम से कक्षा 6 से कक्षा 12 के लिये शैक्षिक प्रसारण और रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिदिन कक्षा 1 से कक्षा 8 के लिये शैक्षिक प्रसारण विगत वर्ष से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कक्षावार और विषयवार रोचक शैक्षिक सामग्री भी शिक्षकों और पालकों के लिये वाट्सएप ग्रुप बनाकर प्रेषित की गई।

हवा से चार्ज होंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

मनुष्य के जीवन में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग बहुत ज्यादा बढ़ गया है। मोबाइल, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बिना मनुष्य के दैनंदिनी की कल्पना आज बेमानी है। इन उपकरणों को उपयोग करने के साथ ही चार्ज भी करना होता है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की चार्जिंग के मद्देनजर अब शोधकर्ताओं ने एक खास तकनीक विकसित की है, जिसकी मदद से मोबाइल, लैपटॉप और दूसरे उपकरणों को चार्ज करने के लिये पारंपरिक चार्जर की जरूरत नहीं पड़ेगी। वैज्ञानिकों ने एक वायरलेस चार्जिंग रूम तैयार किया है। इसमें सभी तरह के इलेक्ट्रिक उपकरणों को चार्ज करने के लिये किसी चार्जर का उपयोग नहीं करना होगा, बल्कि ये उपकरण खुद हवा से ही चार्ज हो जायेंगे। यह चार्जिंग रूम प्लग या केबल लगाने की जरूरत के बिना किसी भी लैपटॉप, टैबलेट या फोन को हवा के जरिये बिजली पहुंचा सकता है। टोक्यो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की टीम के अनुसार नई तकनीक में विद्युत क्षेत्र का उत्पादन किये बिना लंबी दूरी पर चुंबकीय क्षेत्र को उत्पन्न करना शामिल है, जो कमरे में मौजूद इंसान या जानवरों को नुकसान पहुंचाये बिना काम करेगा। इसे विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के मुताबिक इस सिस्टम का परीक्षण एक ही कमरे में किया गया है, फिलहाल यह अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। फिलहाल चुंबकीय क्षेत्रों के मानव जोखिम के लिये कोई दिशा-निर्देश दिये बिना यह सिस्टम 50 वॉट तक बिजली प्रदान करने में सक्षम है, क्योंकि दीवारों में वायर क्वाइल फिट हैं। इनके साथ इस रूम का उपयोग किसी भी डिवाइस को चार्ज करने के लिये किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि यह वर्तमान में मौजूद वायरलेस चार्जिंग पैड के साथ उपयोग की जाने वाली प्रणाली के समान ही है, लेकिन इस नई तकनीक में चार्जिंग पैड नहीं है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अभियंता दिवस 15 सितम्बर

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की याद में देश मनाता है इंजीनियर्स डे

ईंट, पत्थर, लोहे और सीमेंट की सहायता से इमारत, पुल, बांध और दीगर उपयोगी निर्माण करने वाले इंजीनियर (अभियंता) शिल्पकार के तुल्य होते हैं, जो एक तय प्रारूप के साथ अपनी मेधा और कल्पनाशीलता को जोड़कर ऐसे रूपाकार गढ़ते हैं, जो सुदर्शन, टिकाऊ और अद्भुत होते हैं। ऐसे ही रूपाकार गढ़ने वाले इंजीनियर जब अपने विशिष्ट तकनीकी कौशल के साथ सामाजिक सरोकार को भी शामिल कर लेते हैं तो वह महान बन जाते हैं। औपनिवेशिक पराधीनता के दौर में अपनी प्रतिभा से भारत के विकास में योगदान देने वाले भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया एक ऐसे ही युगदृष्टा इंजीनियर थे। जिनके अवदान को याद करते हुए देश प्रतिवर्ष उनके जन्मदिन 15 सितम्बर को इंजीनियर्स डे (अभियंता दिवस) के रूप में मनाता है। एम. विश्वेश्वरैया भारत के महान इंजीनियरों में से एक थे, जिन्होंने आधुनिक भारत की रचना की और भारत को नया रूप दिया। उनकी दृष्टि और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनका समर्पण और उनके असाधारण अवदान ने उन्हें अतुल्य और अविस्मरणीय बना दिया। एक मेधावी इंजीनियर के साथ ही वे एक अध्येता, अन्वेषक और समय से आगे की सोचने वाले व्यक्ति थे और उनकी इसी अद्वितीय और अप्रतिम क्षमता के कारण वर्ष 1955 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था। सच तो यह है कि उन्होंने इंजीनियरिंग को सामाजिक सरोकार से सम्बद्ध कर एक आदर्श गढ़ा।

कृतज्ञता ज्ञापन और योगदान के आकलन का दिन है अभियंता दिवस

इंजीनियर्स डे (अभियंता दिवस) मनाने का सिलसिला भारत में 15 सितम्बर, 1967 से आरम्भ हुआ था। जब देश के महान इंजीनियर, स्वप्नदृष्टा और इस पेशे को गौरव प्रदान करने वाले भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को हमने इंजीनियर्स डे के रूप में अंगीकार किया था। इस दिन समूचे देश में राजकीय और निजी समारोह में इंजीनियर्स के अवदान को याद किया जाता है और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले इंजीनियर्स को सम्मानित भी किया जाता है। पिछले दो वर्ष से कोरोना संक्रमण के कारण सार्वजनिक सम्मान तो नहीं हो रहें हैं मगर वर्चुअल मीट, वेबिनार और सोशल मीडिया पर तो इंजीनियर्स की अमूल्य सेवाओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन और उनके योगदान का आकलन किया ही जा रहा है और उनके योगदान का यशगान भी हो रहा है। इसी दिन भारत की पहली महिला इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर तमिलनाडु की ए. ललिता और विश्व की पहली महिला इंजीनियर रोमानिया की एलिसा लियोनिडा जिमफैरिस्क्यू के अवदान को भी याद करते हैं। इस दिन इंजीनियरिंग व्यवसाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों यथा- भारतीय इजीनियरिंग की दक्षता को विश्व स्तरीय बनाने, सीमित संसाधन से अधिक उपलब्धि वाली मितव्ययी इंजीनियरिंग को बढ़ावा देने, विकासशील भारत में इंजीनियर की भूमिका को परिभाषित करने और बदलते समय की चुनौतियों के अनुरूप इंजीनियर के पेशे में बदलाव लाने पर व्यापक विचार-विमर्श होता है।

इंजीनियरिंग शिक्षण की गुणवत्ता और क्षमता में बढ़ोत्तरी पर मंथन जरूरी

इंजीनियरिंग विषयों के शिक्षण के गिरते स्तर और एक पेशेवर इकाई के रूप में कार्यरत इंजीनियर की क्षमता में बढ़ोत्तरी पर भी इस एक दिन गहन मंथन होना चाहिए। इंजीनियरिंग विषयों के शिक्षण के

गिरते स्तर से चिंतित होकर ही देश की अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) की एक समिति ने कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन के सुझाव सहित एक रिपोर्ट भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय को सौंपी थी। तकनीकी विषयों के अध्येता श्री बी.वी. आर. मोहन रेड्डी की अध्यक्षता वाली इस समिति ने 'तकनीकी शिक्षा के लिये लघु एवं मध्यम स्तरीय परिप्रेक्ष्य' को ध्यान में रखकर जो रिपोर्ट सौंपी थी उसमें नये इंजीनियरिंग कॉलेज न खोलने, प्रचलित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में और सीट न बढ़ाने और नियोजक की भूमिका निभाने वाले उद्योगों के साथ अकादमिक सम्पर्क बढ़ाने का व्यवस्थित पारिस्थितिक तंत्र (इको सिस्टम) तैयार करने के महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये थे। रिपोर्ट में इस बात का विशेष उल्लेख था कि देश के इंजीनियरिंग कॉलेज में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सिविल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे पारम्परिक संकायों में सीट नहीं भर पा रही हैं, जबकि कम्प्यूटर विज्ञान, मेकाट्रोनिक्स एवं एयरो स्पेस इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इससे स्पष्ट होता है कि उभरती हुई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इंजीनियर्स की मांग है। ऐसे ही सुझावों को गुण दोष के आधार पर स्वीकार कर इंजीनियरिंग के शिक्षा प्रबन्ध में परिवर्तन के लिए कुछ ऐसे निर्णय जरूरी है, जिससे इंजीनियरिंग विषयों के शिक्षण का स्तर बढ़े।

एम. विश्वेश्वरैया ने अपनी मेधा के बूते विकास का कल्याणधर्मी स्वरूप तय किया था

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने अपनी मेधा के बूते ही देश में अधोसंरचना विकास का कल्याणधर्मी स्वरूप तय किया था। विश्वेश्वरैया का जन्म 15 सितम्बर, 1860 को मैसूर रियासत में हुआ था। चिकबल्लापुर से इन्होंने प्रायमरी स्कूल की पढ़ाई पूरी की और आगे की पढ़ाई के लिए वे बेंगलुरु चले गए। वर्ष 1881 में विश्वेश्वरैया ने मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज, बेंगलुरु से बीए की परीक्षा पास की। इसके बाद मैसूर सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना के साइंस कॉलेज में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया। वर्ष 1883 में एल.सी.ई. और एफ.सी.ई. की परीक्षा में उन्होंने सर्वोच्च स्थान पाया था।

सिन्धु नदी के पानी के सुक्खू गांव तक ब्लॉक सिस्टम से प्रदाय, बांध में पानी का प्रवाह रोकने के लिये इस्पात के दरवाजों का उपयोग और मैसूर में कृष्णराज सागर बांध के निर्माण सहित अनेक प्रतिष्ठापूर्ण निर्माणों में आपका अवदान रहा। बाढ़ के दबाव को झेल सकने वाले खड़गवासला बांध का निर्माण, हैदराबाद सिटी बनाने और उस शहर के लिये बाढ़ नियंत्रण पद्धति विकसित करने और विशाखापट्टनम में समुद्र के कारण बंदरगाह के कटाव को रोकने जैसी कई उपलब्धियां उनके नाम हैं। विश्वेश्वरैया को आधुनिक मैसूर राज्य के पिता की संज्ञा भी दी जाती है। मैसूर में विभिन्न उद्योगों, पॉलिटेक्निक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, चैम्बर ऑफ कामर्स, सैंचुरी क्लब और स्टेट बैंक ऑफ मैसूर जैसे कई संस्थानों की स्थापना का श्रेय भी आपको है।

पेशे की गरिमा और उसके महत्व को परिभाषित करता है यह दिन

इंजीनियरिंग को विश्व के लगभग सभी देशों में एक गरिमापूर्ण पेशे के रूप में जाना जाता है। भारत में तो डॉक्टर, इंजीनियर और वकील बनने को गर्व के साथ उल्लेखित किया जाता है। वस्तुतः एक इंजीनियर अपने पेशे के कर्तव्य को निभाते हुए सामाजिक सरोकारों के अपने कर्तव्य को भी पूरा करता है, अतः इसे एक अपेक्षाकृत उत्कृष्ट पेशा माना जाता है। आज भी देश में दूसरे पेशों की अपेक्षा इससे जुड़ने वाले युवाओं की संख्या काफी अधिक है। एक अध्ययन के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग बीस लाख युवा इंजीनियर बन जाते हैं। यह आंकड़े इंजीनियरिंग की सभी शाखाओं सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक, केमीकल और कम्प्यूटर साइंस को मिलाकर है। इंजीनियरिंग की अपेक्षाकृत नई शाखा सूचना प्रौद्योगिकी में तो भारतीय युवाओं की दिलचस्पी चरम पर है और भारत विश्व के उन गिने-चुने अग्रणी देशों में से है, जहां बड़ी संख्या में आई.टी. प्रोफेशनल हैं। हमारे देश में इंजीनियर्स डे को इस प्रतिष्ठित पेशे के महत्व को परिभाषित करने वाले दिन के रूप में देखा जाता है। इंजीनियर दिवस पर तकनीकी शिक्षा के विषय विशेषज्ञ और शिक्षाविद् इस मुद्दे पर मंथन भी करते हैं कि इंजीनियरिंग की स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने वाले युवकों की संख्या की तुलना में रोज़गार के घटते अवसरों का तालमेल कैसे बैठाया जाये ? इस समस्या का समाधान इस पेशे की गरिमा और महत्व को बनाये रखने के लिये जरूरी है।

सामाजिक सरोकारों से जुड़ी नई भूमिका अब विकसित करनी होगी

एक पेशेवर इंजीनियर को केवल धनार्जन के लक्ष्य से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से जुड़ने की पारम्परिक भूमिका को लेकर अब पुनर्विचार जरूरी हो गया है। एक युवा और संभावनाओं से परिपूर्ण इंजीनियर को अब सामाजिक सरोकारों से जुड़ी नई भूमिका विकसित करनी होगी। इंजीनियर का पेशा वास्तव में एक तकनीकी पेशा है, जिसमें किसी भी इंजीनियर द्वारा विभिन्न फिजिकल और केमिकल विज्ञान की अवधारणाओं और सिद्धान्तों को अपनी ब्रांच के मुताबिक विभिन्न प्रोजेक्ट या प्रोडक्ट के रूपांकन और उत्पादन में प्रयुक्त किया जाता है। इस प्रतिस्पर्धा के युग में एक सफल इंजीनियर बनने के लिए आपको अपने काम को शत-प्रतिशत अंजाम देना होगा तभी एक इंजीनियर अपने औचित्य और उपादेयता को प्रमाणित कर पायेगा मगर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर पिछले दो वर्ष से कोरोना महामारी के कारण जो बड़े आर्थिक बदलाव आये हैं उसके बाद सभी ओद्यौगिक इकाइयों की प्राथमिकता बदली है और देश में 'आर्थिक आत्मनिर्भरता' के विचार ने ओद्यौगिक उत्पादन के क्षेत्र में देशी मशीनों, देशी प्रोद्यौगिकी और घरेलू कच्चे माल के साथ उत्पादन का जो संकल्प लिया है, उसमें उद्योगपति के साथ ही काम करने वाले कामगारों और इंजीनियर जैसे तकनीशियन की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है और उन्हें अनुसंधान के क्षेत्र में भी सक्रिय होना पड़ेगा। आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में इंजीनियर की भूमिका का नया भाष्य देश के सामने रखना होगा।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग रायसेन (म.प्र.)
ईमेल : eepwdraisen@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 07482-222051

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 12/व.ले.लि./रायसेन/2021-22 **रायसेन, दिनांक : 26.08.2021**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)
1.	2021_PWDRB_156998	रायसेन	पेंच मरम्मत कार्य	बेगमगंज से हैदरगढ मार्ग पर पेंच मरम्मत कार्य लंबाई 5.50 कि.मी.	प्रथम	15.00
2.	2021_PWDRB_156999	रायसेन	पेंच मरम्मत कार्य	हरदोट पाटन से नीलकण्ठेश्वर मार्ग पर पेंच मरम्मत कार्य लंबाई 3.00 कि.मी.	प्रथम	15.00
3.	2021_PWDRB_1	रायसेन	पेंच मरम्मत कार्य	सुनवाहा से सहजपुरी मार्ग पर पेंच मरम्मत कार्य लंबाई 5.00 कि.मी.	प्रथम	15.00
4.	2021_PWDRB_1	रायसेन	पेंच मरम्मत कार्य	आलमपुर से अगरिया मार्ग पर पेंच मरम्मत कार्य लंबाई 13.00 कि.मी.	प्रथम	12.00
5.	2021_PWDRB_157003	रायसेन	पेंच मरम्मत कार्य	बेगमगंज से सागर महुआखेड़ा राजाधर पडारिया रतनहारी सुल्तानगंज कि.मी. 10/4 से 21.00 कि.मी. मार्ग पर पेंच मरम्मत कार्य लंबाई 10.00 कि.मी.	प्रथम	12.00
6.	2021_PWDRB_1	रायसेन	पेंच मरम्मत कार्य	सिमारिया से गुन्नोठा मार्ग कि.मी. 10 से 21 कि.मी. मार्ग पर पेंच मरम्मत कार्य लंबाई 11.00 कि.मी.	प्रथम	10.00
7.	2021_PWDRB_1	रायसेन	पेंच मरम्मत कार्य	किन्नी गोरखपुर मार्ग कि.मी. 3/4 से 5/2 मार्ग पर बी.टी. नवीनीकरण कार्य	प्रथम	15.81
8.	2021_PWDRB_157006	रायसेन	मटेरियल एकत्रीकरण कार्य	बेगमगंज उपसंभाग अंतर्गत सेक्शन सुल्तानगंज के विभिन्न मार्गों पर पेंच मरम्मत हेतु मटेरियल एकत्रीकरण कार्य।	प्रथम	10.00
9.	2021_PWDRB_157007	रायसेन	मटेरियल एकत्रीकरण कार्य	बेगमगंज उपसंभाग अंतर्गत सेक्शन गैरतगंज एवं देहगांव के विभिन्न मार्गों पर पेंच मरम्मत हेतु मटेरियल एकत्रीकरण कार्य।	प्रथम	10.00
10.	2021_PWDRB_157008	रायसेन	मरम्मत कार्य	बेगमगंज उपसंभाग अंतर्गत सेक्शन बेगमगंज शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य।	प्रथम	10.00
11.	2021_PWDRB_157009	रायसेन	मरम्मत कार्य	बेगमगंज उपसंभाग अंतर्गत सेक्शन देहगांव शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य।	प्रथम	10.00
12.	2021_PWDRB_157010	रायसेन	मरम्मत कार्य	बेगमगंज उपसंभाग अंतर्गत सेक्शन गैरतगंज शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य।	प्रथम	10.00
				योग		**144.81**

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की 01.09.2021 से **17.09.2021**, (17.30) बजे अंतिम तिथि निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-16455/45916/2021 **लोक निर्माण विभाग, रायसेन संभाग रायसेन**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in
फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 816/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेण्डरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 27.08.2021**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 17.09.2021** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2021_WRD_157197	एस.डी.एम.एफ. मद अंतर्गत परतवाडा, पांडोला अपर, मोराई, कराहल, तालाबों का जीर्णोद्धार कार्य।	श्योपुर	117.51
2.	2021_WRD_157198	मौ ब्रान्च केनाल 0 से 45.50 कि.मी. के मध्य अधिक वर्षा से हुई क्षतिग्रस्त नहरों का मिट्टी कार्य, रेनकट फिलिंग, स्लोप प्रोटेक्शन कार्य, सर्विस रोड मरम्मत, बैंक रेजिंग कार्य इत्यादि।	भिण्ड	134.82
3.	2021_WRD_157199	भिण्ड मुख्य नहर 10.33 से 27.50 कि.मी. एवं भिण्ड मुख्य नहर 3 आर में 0 से 11.1 कि.मी. के मध्य नहरों का मिट्टी कार्य, रेनकट फिलिंग, स्लोप प्रोटेक्शन कार्य, सर्विस रोड मरम्मत, बैंक रेजिंग कार्य इत्यादि।	भिण्ड	134.54
4.	2021_WRD_157201	ककेटो बांध के वेस्ट वियर की गाइड वॉल का निर्माण कार्य।	ग्वालियर	556.20
5.	2021_WRD_157202	हरसी मुख्य नहर आर.डी. 0.00 से 25700 मी. के मध्य, आर.डी. 55504 से 57000 मी. एवं आर.डी. 59284 से 64994 मी. एवं इसकी वितरिकाओं का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	195.85

जी-16431/45911/2021 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1, इन्दौर
Email - eepwd1ind@mp.nic.in, Ph.no. - 0731-2490978

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 20/व.ले.लि.2021-22 **इन्दौर, दिनांक : 31.08.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	ऑनलाइन टेण्डर नं.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
1.	2021_PWDRB_157441_1	श्रीरामतलावली से सिन्दौड़ा मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 1.20 कि.मी.	210.73	210730/-	15000/-	300 दिन वर्षाकाल सहित
2.	2021_PWDRB_157442_1	बी.टी. रिनीवल देवगुराड़िया डबल चौकी मार्ग कंपेल पेडमी सिवनी कि.मी. 3/6 से 5/6, 6/8 से 7/10, 8/4 से 9/10, 10/4 से 13/10, 14/6 से 15/10, 21, 22, 23, 26/8 से 27/6, 28/2, 30/2, 32/2, 32/4, 33/4, 33/6 कुल 16.40 कि.मी.	329.18	329180/-	15000/-	180 दिन वर्षाकाल सहित
3.	2021_PWDRB_157443_1	कम्पेल उण्डेल सेमलिया रायमल कुराडिया खण्डेल मार्ग कि.मी. 1/8 से 3/4 कि.मी. 4 से 8 कुल 6.80 कि.मी. सेमलिया चाऊ पावर ग्रिड जलुद मार्ग 1.75 कि.मी. खेमाना आक्या गोगाखेड़ी मार्ग कि.मी. 1/8 से 1/10 2, 3, 5/6 से 6/6 3.40 कि.मी. कुल लंबाई 11.95 कि.मी. पर बी.टी. रिनीवल का कार्य।	93.66	93660/-	10000/-	120 दिन वर्षाकाल रहित
4.	2021_PWDRB_157444_1	रालामण्डल से तिल्लौर बुजुर्ग तिन्छा मार्ग कि.मी. 13/10 से 16/4 (150) 2.55 कि.मी. तिल्लौर खुर्द से लौहार पिपलिया रोड कि.मी. 2.00, तिल्लौर खुर्द से तिन्छा मार्ग 4.00 कि.मी. शिवनगर से लोहार पिपलिया 3.00 कि.मी. कुल लंबाई 11.55 कि.मी. पर बी.टी. रिनीवल का कार्य।	90.52	90520/-	10000/-	120 दिन वर्षाकाल रहित
5.	2021_PWDRB_157445_1	बिचौली हप्सी से बिचौली मर्दाना रोड (मयंक ब्लू वाटर पार्क) कि.मी. 2/8 से 3/4 (100 मीटर) 0.70 कि.मी. बिचौली हप्सी अम्बामोलिया रोड कि.मी. 1/6 (100 मीटर) से 3/4 (100 मीटर) 1.80 कि.मी. सहारा सिटी बायपास दुधिया 3.10 कि.मी. कुल लंबाई 5.60 कि.मी. पर बी.टी. रिनीवल का कार्य।	46.10	50000/-	5000/-	120 दिन वर्षाकाल रहित
6.	2021_PWDRB_157446_1	बी.टी. रिनीवल कोदरिया चौरड़िया आशापुरा पातालपानी रोड रिनीवल लंबाई 6.00 कि.मी., कनाड़ गोकन्या मार्ग रिनीवल लंबाई 1.00 कि.मी., महू भगोरा कालाकुण्ड रिनीवल मार्ग लंबाई 6.70 कि.मी., भाटखेड़ी पहुंच मार्ग रिनीवल लंबाई 2.00 कि.मी., बेका रसकुण्डिया कुल्थाना मार्ग रिनीवल लंबाई 7.70 कि.मी. सिमरोल तलाई नाका वालदा फार्म रोड रिनीवल लंबाई 1.70 कि.मी. सिमरोल जगजीवन रामनगर रोड शिवनगर से बरदरी रोड रिनीवल लंबाई 0.30 कि.मी.।	271.04	271040/-	15000/-	180 दिन वर्षाकाल रहित
		कुल योग	**1041.23**			

1. उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन पेमेंट करने के पश्चात बिड डाक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है।
   1. बिड डाक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अरनेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, 3. चेक लिस्ट, 4. एफिडेविट
   विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की तिथि **दिनांक 01.09.2021** सुबह 10.30 से **दिनांक 13.09.2021** सायं 17.30 बजे तक निर्धारित है।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन पेपर पब्लिकेशन में नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाइट पर ही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-16434/45912/2021 **लो.नि.वि. संभाग क्र. 1 इन्दौर**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in
फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 818/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेण्डरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 01.09.2021**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 17.09.2021** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2021_WRD_157911	अतिवृष्टि एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त सिरसा बांध का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	258.89

जी-16476/45923/2021 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कोरोना को मारने के तीन हथियार, हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी, (म.प्र.)

एनआईटी नं. - 21/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/... जबलपुर, दिनांक : 31.08.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. वि.ख. बजाग जिला डिण्डौरी में 50 सीटर डिग्री कॉलेज भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2021_PWPIU_157639_1	डिण्डौरी	378.07	378070/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित	केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीयन	-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत अपूर्ण/निरस्त किये हुये कार्यों हेतु जोनल टेण्डर (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_157685_1	डिण्डौरी	139.98	139980/-	12500/-	12 माह वर्षाऋतु सहित	केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीयन	-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लो.नि.वि., पी.आई.यू. डिण्डौरी के अंतर्गत विभिन्न प्रस्तावित एवं स्वीकृत कार्यों के आर्किटेक्चरल डिजाइन एवं डी.पी.आर. कन्सलटेन्सी सर्विस संबंधी डी.पी.आर. कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_157714_1	डिण्डौरी	50.02	50020/-	10000/-	12 माह वर्षाऋतु सहित	केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीयन	-

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **https://mpeproc.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 02.09.2021 समय 09.00 से **दिनांक 18.09.2021** समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-16474/45922/2021 लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.) डिण्डौरी (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मन्दसौर

दूरभाष क्रमांक - 07422-256284, फैक्स - 07422-255215
महू नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मन्दसौर
E-mail : eephedmas@mp.nic.in

NIT No. 21/2021-22

क्रमांक 2604/च.ले.लि./का.यं./2021 मन्दसौर, दिनांक : 27.08.2021

निम्नलिखित कार्य की निविदा आमंत्रण सूचना वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

टेंडर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्ट मनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्र.	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2021_PHED_157336_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड सीतामऊ समूह क्र. - एक** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157340_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड सीतामऊ समूह क्र. - दो** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157341_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड सीतामऊ समूह क्र. - तीन** के ग्रामों की 40 नग स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157342_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड सीतामऊ समूह क्र. - चार** के ग्रामों की 40 नग स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157347_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड सीतामऊ समूह क्र. - पांच** के ग्रामों में 40 नग स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157349_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड सीतामऊ समूह क्र. - छः** के ग्रामों की 40 नग स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157354_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड गरोठ समूह क्र. - सात** के ग्रामों की 21 नग आंगनवाड़ियों में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	49,04,729/-	1) 50000/- 2) प्रथम आमंत्रण	45 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157429_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड मंदसौर समूह क्र. - एक** के ग्रामों की 40 नग आंगनवाड़ियों में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157430_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड गरोठ मंदसौर क्र. - दो** के ग्रामों की 40 नग स्कूलों में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157431_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड मंदसौर समूह क्र. - तीन** के ग्रामों की 13 नग स्कूलों में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	30,36,261/-	1) 50000/- 2) प्रथम आमंत्रण	30 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157432_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड मल्हारगढ़ समूह क्र. - एक** के ग्रामों की 40 नग स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1) 93423/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_157433_1	मंदसौर जिले के **विकासखण्ड मल्हारगढ़ समूह क्र. - दो** के ग्रामों की 43 नग स्कूल एवं आंगनवाड़ियों में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	100,43,017/-	1) 100430/- 2) प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	14.09.2021 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाइन उक्त वेबसाइट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नोट :- निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाइट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-16446/45913/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मन्दसौर, फोन नं. 07422232190

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road,
INDORE- 452007 (M.P.), Phone : (O) 2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629
E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website: www.invest.mp.gov.in
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850

No. MPIDC/R.O./IND/2021/11522 Date : 09.09.2021

NOTICE INVITING TENDER (First Call)

Tender for the following work have been proceeded on the e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in & www.mpakvnindore.com** as mention below :

S. No.	Name of work	PAC (Rs. in Lacs)	Cost of tender form	EMD	Last date of submission
1.	Construction of four lane cement concrete approach road, entrance plaza & administrative building at new Industrial Area Mohna, Tehsil Depalpur, Distt. Indore.	Rs. 441.24 Lacs	Rs. 17700/- i/c GST	Rs. 441240/-	11.10.2021

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
M.P. Madhyam/101897/45942/2021 EXECUTIVE ENGINEER

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road,
INDORE- 452007 (M.P.), Phone : (O) 2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629
E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website: www.invest.mp.gov.in
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850

No. MPIDC/R.O./IND/Tech/2021/11524 Date : 09.09.2021

NOTICE INVITING TENDER (Second Call)

Tender for the following work have been proceeded on the e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in & www.mpakvnindore.com** as mention below :

S. No.	Name of work	PAC (Rs. in Lacs)	Cost of tender form	EMD	Last date of submission
1.	Cleaning and Excavation of drain and cleaning and grubbing road land including up rooting rank vegetation grass, bushes shrubs, saplings etc at I/A Electronic Complex Pardeshipura Indore. (Second call)	Rs. 3.05 Lacs	Rs. 2360/- i/c GST	Rs. 6100/-	20.09.2021

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
M.P. Madhyam/101898/45943/2021 EXECUTIVE ENGINEER

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड - नरसिंहपुर (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)

प्रकाशन क्र. 06/2021-22 नरसिंहपुर, दिनांक : 02.09.2021

म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से नरसिंहपुर जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नलजल योजनाओं में पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन के कार्यों हेतु निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित है। विस्तृत निविदा प्रपत्र एवं भविष्य में होने वाले समस्त संशोधन केवल ऑनलाइन पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** ही देखे जा सकेंगे। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है -

स. क्र.	निविदा सूचना क्र./ दिनांक	ई-निविदा क्रमांक	विकास खण्ड	ग्रामों की संख्या	कुल अनुमानित लागत (रु. लाख में)	कुल अमानती राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ऑनलाइन निविदा क्रय/ प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	समय अवधि
1.	025/ 01.09.2021	2021_PHED_157780_1	चीचली	4	152.06	152060/-	12500/-	**17.09.2021**	180 दिवस वर्षाऋतु सहित
2.	026/ 01.09.2021	2021_PHED_157782_1	चीचली	7	122.17	122170/-	12500/-	17.09.2021	180 दिवस वर्षाऋतु सहित
3.	027/ 01.09.2021	2021_PHED_157783_1	चीचली	4	146.73	146730/-	12500/-	17.09.2021	180 दिवस वर्षाऋतु सहित
4.	028/ 01.09.2021	2021_PHED_157784_1	चीचली	7	163.89	163890/-	12500/-	17.09.2021	180 दिवस वर्षाऋतु सहित

कार्यपालन यंत्री
जी-16467/45921/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड - नरसिंहपुर

कार्यालय प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर बाग जिला- धार (म.प्र.)
विज्ञप्ति वर्ष 2021-22

आदिम जाति कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित म.प्र. स्पेशल एण्ड रेसिडेंसियल एकेडमिक सोसायटी भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश में संचालित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बाग जिला धार में शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु CBSE पाठ्यक्रम के शिक्षण हेतु रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि शिक्षक व्यवस्था की जाना है। पूर्णतः अनुबंधित मासिक मानदेय के आधार पर निम्नांकित पदों हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	पद का नाम	विषय एवं संस्था	शैक्षणिक योग्यता
1.	अतिथि PGT	जीव-विज्ञान-01	पीजीटी हेतु संबंधित विषय में न्यूनतम 50%
2.	अतिथि PGT	रसायन शास्त्र-01	अंकों से स्नातकोत्तर उपाधि के साथ किसी भी
3.	अतिथि PGT	अंग्रेजी-01	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से B.ed. द्वितीय
4.	अतिथि PGT	हिन्दी-01	श्रेणी में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
5.	अतिथि TGT	संगीत शिक्षक-01	टीजीटी हेतु संबंधित विषय में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त किये तथा
6.	अतिथि TGT	सा. विज्ञान-01	स्नातक में भी 50% अंक अनिवार्य हैं। किसी भी मान्यता प्राप्त
7.	अतिथि TGT	अंग्रेजी-02	विश्वविद्यालय से B.ed. द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
8.	अतिथि लायब्रेरियन (महिला)	01	स्नातक 50% अंकों के साथ बी. लिब. अनिवार्य है।
9.	लैब असिस्टेन्ट (महिला)	01	50% अंकों के साथ बीएससी (बीएससी गणित भी आवेदन कर सकते हैं।)
10.	व्यायाम अनुदेश TGT (महिला)	01	स्नातक 50% अंकों के साथ B.P.ed. अनिवार्य कम से कम किसी भी एक विद्यालय में विशेष उपलब्धि।

नियम एवं शर्तें निम्नानुसार रहेगी :-

1. इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में समस्त प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति दो सेट में आवेदन पत्र के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में **दिनांक 19.09.2021 तक** कार्यालय समय में जमा करावें।
2. अतिथि शिक्षकों का साक्षात्कार दिनांक 21.09.2021 को दोपहर 01:00 से रखा जावेगा। इस हेतु किसी प्रकार का यात्रा देय नहीं होगा।
3. समस्त ओरिजनल डॉक्यूमेंट के वेरिफिकेशन हेतु आवेदकों को प्रातः 11:00 बजे संस्था में प्रस्तुत होना होगा।
4. संस्था आवासीय होने से हॉस्टल ड्यूटी, अतिरिक्त कक्षाएं एवं निदानात्मक कक्षाओं की ड्यूटी भी आवश्यकता अनुसार देना होगी।
5. अतिथि शिक्षक को अवकाश की पात्रता नहीं रहेगी।
6. सत्र 2021-22 के दौरान कार्य संतोषप्रद नहीं पाये जाने की स्थिति में संस्था आपको अतिथि शिक्षक से मुक्त कर सकती है।
7. हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों ही माध्यम में अध्यापन कार्य करना होगा।
8. वेतन एवं अन्य शर्तें जो समिति भोपाल द्वारा निर्धारित कि जावेगी, वो मान्य करना होगा।
9. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा शिक्षक अर्हता परीक्षा (CTET) पात्र आवेदक को विशेष लाभ दिया जा सकता है।

प्राचार्य

जी-16451/45914/2021 **शा. कन्या शिक्षा परिसर बाग, जिला-धार**

कार्यालय आयुक्त
पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण
द्वितीय तल, सतपुड़ा भवन, खण्ड-ध, भोपाल - 462004 (म.प्र.)
शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्राओं के लिये पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना

प्रदेश के मूल निवासी अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को भारत में अध्ययन करने के लिये शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अल्पसंख्यक अंतर्गत मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध, सिख, पारसी एवं जैन समुदायों के छात्र/छात्राओं से भारत सरकार की अल्पसंख्यक पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत भारत सरकार के पत्र क्रमांक एसएस-15/4/2021-स्कॉलरशिप-मोमा दिनांक 25.08.2021 के आधार पर कक्षा 11 से 12, आई.टी.आई. डिप्लोमा, बी-एड, एमफिल, पीएचडी, स्नातक, स्नातकोत्तर (तकनीकी एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर) में अध्ययनरत नवीन एवं नवीनीकरण विद्यार्थियों के लिये दिनांक **30 नवम्बर 2021 तक** ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। छात्रवृत्ति के आवेदन हेतु विद्यार्थी को भारत सरकार की National Scholarship Portal (NSP) URL-**www.scholarships.gov.in** पर जिसकी लिंक भारत सरकार की वेबसाइट **www.minorityaffairs.gov.in** पर भी उपलब्ध है ऑनलाइन आवेदन भरना होगा। योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया National Scholarship Portal (NSP) पर उपलब्ध है।

2. छात्रवृत्ति हेतु केवल ऑनलाईन आवेदन ही स्वीकार किये जायेंगे, ऑफलाइन आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के लिए प्रति वर्ष पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीन प्रकरणों हेतु समुदायवार लक्ष्य निर्धारित किये जाते हैं। इससे अधिक प्रकरणों में स्वीकृति सामान्यतः भारत सरकार द्वारा नहीं दी जाती है। नवीनीकरण प्रकरणों के लक्ष्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित नहीं किए जाते हैं।
4. छात्रवृत्ति के आवेदन ऑनलाइन भरते समय विद्यार्थियों द्वारा वेबसाइट के होम पेज पर उपलब्ध Frequntly Asked Questions (FAQs) पर विशेष ध्यान दिया जाये जिससे आवेदन भरते समय गलती न हो।
5. विद्यार्थियों द्वारा 12 अंकों का आधार नम्बर भरना जरूरी है। जिन विद्यार्थियों द्वारा आधार नम्बर हेतु पंजीयन किया गया है तो उनके द्वारा 10 अंकों का आधार पंजीयन क्रमांक (EID) भरा जाए। यदि विद्यार्थी के नाम से 12 अंकों का आधार नम्बर जारी न हुआ हो तो पहचान संबंधी निम्न दस्तावेजों जिसमें विद्यार्थी की फोटोग्राफ हो, की जानकारी भरी जाये :

i बैंक पासबुक फोटोग्राफ सहित ii राशन कार्ड, iii इनकम टैक्स डिपार्टमेन्ट द्वारा जारी परमानेंट एकाउन्ट नम्बर (पैन कार्ड), iv पासपोर्ट, v स्कूल के हेडमास्टर/प्राचार्य द्वारा जारी एवं प्रमाणित विद्यार्थी का फोटोयुक्त आईडेन्टी कार्ड, vi मोटर व्हीकल एक्ट 1988 (59 ऑफ 1988) अंतर्गत जारी ड्राइविंग लायसेंस।

6. जिन विद्यार्थियों द्वारा 12 अंकों का आधार नम्बर भरा गया है उनकी छात्रवृत्ति राशि का भुगतान भारत सरकार द्वारा सीधे विद्यार्थी के आधार सीडेड बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी चाहे विद्यार्थी ने अपने ऑनलाइन आवेदन में अन्य बैंक खाते की जानकारी क्यों न भरी हो। विद्यार्थी का बैंक खाता सक्रिय मोड में होना अनिवार्य है ताकि छात्रवृत्ति का भुगतान विफल न हो।
7. हितग्राही/विद्यार्थी के आधार कार्ड में उल्लेखित नाम, लिंग, जन्म तिथि के आधार डेमोग्राफिक सत्यापन को एनएसपी पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है।
8. विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने के पश्चात् भरे गये पूर्ण आवेदन का एक प्रिन्टआउट अनिवार्य रूप से निकालकर अपने पास सुरक्षित रखा जाए।
9. आवेदन पत्र की प्रत्येक कण्डिकाओं की जानकारी पूर्ण नहीं देने एवं योजना में दिए गए निर्देशानुसार आवश्यक प्रमाण पत्र अपलोड नहीं करने पर छात्रवृत्ति की पात्रता नहीं होगी।
10. प्रत्येक विद्यार्थी अपना एक ही आवेदन भरें, एक से अधिक बार आवेदन करने पर समस्त आवेदनों को निरस्त माना जायेगा।
11. नवीनीकरण के विद्यार्थी जिन्हें वित्तीय वर्ष 2020-21 में राशि प्राप्त हुई है द्वारा नवीनीकरण का आवेदन भरते समय गत वर्ष 2020-21 में प्रदत्त एप्लीकेशन आई.डी. का उपयोग किया जाए।
12. एल-1 (शैक्षणिक संस्था द्वारा अधिकृत नोडल अधिकारी) एवं एल-2 (जिले में पदस्थ सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग) अधिकारियों जिनके द्वारा एनएसपी पोर्टल पर विद्यार्थियों के आवेदनों का परीक्षण उपरांत सत्यापन किया जाता है के आधार नम्बर एनएसपी पोर्टल पर दर्ज किया जाना भारत सरकार द्वारा अनिवार्य किया गया है।

एल-1 एवं एल-2 स्तर के अधिकारियों के आधार नम्बर पोर्टल पर दर्ज करने एवं सत्यापन की प्रक्रिया को पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है, जिसे पंजीयन हेतु अधिकृत नोडल अधिकारी के आधार नम्बर से लिंक मोबाइल नम्बर पर भारत सरकार द्वारा ओटीपी के माध्यम से भेजा जाएगा। भविष्य में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति संबंधित समस्त सभी जानकारियों एवं निर्देशों का आदान-प्रदान पोर्टल पर पंजीकृत नोडल अधिकारी के मोबाइल नम्बर के माध्यम से किया जाएगा।

13. शैक्षणिक संस्थाओं के KYC रजिस्ट्रेशन की विस्तृत प्रक्रिया एनएसपी पोर्टल पर दी गई है साथ ही जिन शैक्षणिक संस्थाओं का KYC रजिस्ट्रेशन लंबित है, की जिलेवार सूची भी दी गई है। पोर्टल पर के.वाई.सी. पंजीकरण उपरांत ही शैक्षणिक संस्था के नोडल अधिकारी को पोर्टल पर अपना आधार नम्बर पंजीकरण उपरांत लॉगइन आई-डी आधार से लिंक मोबाइल पर दी जाएगी।
14. जिन शैक्षणिक संस्थाओं के KYC रजिस्ट्रेशन लंबित हैं, उनके द्वारा एनएसपी पोर्टल पर दी गई KYC रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
15. छात्रों को पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपने पाठ्यक्रम का शुल्क विवरण (प्रवेश शुल्क, शिक्षण शुल्क और विविध शुल्क) भरने का विकल्प नहीं है। इसके स्थान पर पाठ्यक्रम का शुल्क विवरण संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा भरा जाना अनिवार्य किया गया है। पोर्टल पर शैक्षणिक संस्थाओं के लिए पाठ्यक्रम-वार शुल्क (प्रवेश शुल्क शिक्षण शुल्क और विविध शुल्क) का विवरण संस्था के प्रोफाइल पर दर्ज करने का प्रावधान भारत सरकार द्वारा किया गया है। संस्था स्तर पर विद्यार्थी के आवेदन का ऑनलाइन सत्यापन के दौरान, छात्रों के आवेदन पत्र में पाठ्यक्रम शुल्क आदि का विवरण स्वतः संस्था द्वारा अपने प्रोफाइल में दर्ज किए गए विवरण अनुसार प्रदर्शित होगा। यदि विद्यार्थी को शिक्षण शुल्क आदि में कोई विशेष छूट प्राप्त हुई हो तो उस विद्यार्थी विशेष के संबंध में संस्था द्वारा विद्यार्थी के शुल्क विवरण में सुधार किया जा सकेगा।
16. शैक्षणिक संस्था की यह जिम्मेदारी है कि वह आवेदक का ऑनलाइन आवेदन पूर्ण रूप से निरीक्षण/परीक्षण करने के उपरांत ही नियमानुसार पात्र विद्यार्थियों के आवेदन ऑनलाइन अपने सत्यापन उपरान्त अग्रिम स्तर के लिये अंतिम दिनांक 15 दिसम्बर 2021 तक फॉरवर्ड करें। यदि अधूरे आवेदन अग्रेषित किये जाते हैं तो उनके निरस्त होने की पूर्ण जवाबदारी संस्था की होगी तथा इन प्रकरणों पर पुनः विचार नहीं किया जायेगा।

आयुक्त

जी-16459/45918/2021 **पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मध्यप्रदेश**

कार्यालय आयुक्त
पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण
द्वितीय तल, सतपुड़ा भवन, खण्ड-ध, भोपाल - 462004 (म.प्र.)
शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्राओं के लिये प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना

प्रदेश के मूल निवासी अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को भारत में अध्ययन करने के लिये शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अल्पसंख्यक अंतर्गत मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध, सिख, पारसी एवं जैन समुदायों के छात्र/छात्राओं से भारत सरकार की अल्पसंख्यक प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत भारत सरकार के पत्र क्रमांक एसएस-15/4/2021-स्कॉलरशिप-मोमा दिनांक 25.08.2021 के आधार पर कक्षा 1 से 10 तक नवीन एवं नवीनीकरण विद्यार्थियों के लिये दिनांक **15 नवम्बर 2021 तक** ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। छात्रवृत्ति के आवेदन हेतु विद्यार्थी को भारत सरकार की National Scholarship Portal (NSP) URL-**www.scholarships.gov.in** पर जिसकी लिंक भारत सरकार की वेबसाइट **www.minorityaffairs.gov.in** पर भी उपलब्ध है या मोबाइल एप National Scholarship (NSP) पर ऑनलाइन आवेदन भरना होगा। योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया National Scholarship Portal (NSP) पर उपलब्ध है।

2. छात्रवृत्ति हेतु केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किये जायेंगे, ऑफलाइन आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के लिए प्रति वर्ष प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीन प्रकरणों हेतु समुदायवार लक्ष्य निर्धारित किये जाते हैं। इससे अधिक प्रकरणों में स्वीकृति सामान्यतः भारत सरकार द्वारा नहीं दी जाती है। नवीनीकरण प्रकरणों के लक्ष्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित नहीं किए जाते हैं।
4. छात्रवृत्ति के आवेदन ऑनलाइन भरते समय विद्यार्थियों द्वारा वेबसाइट के होम पेज पर उपलब्ध Frequntly Asked Questions (FAQs) पर विशेष ध्यान दिया जाये जिससे आवेदन भरते समय गलती न हो।
5. विद्यार्थियों द्वारा 12 अंकों का आधार नम्बर भरना जरूरी है। जिन विद्यार्थियों द्वारा आधार नम्बर हेतु पंजीयन किया गया है तो उनके द्वारा 10 अंकों का आधार पंजीयन क्रमांक (EID) भरा जाए। यदि विद्यार्थी के नाम से 12 अंकों का आधार नम्बर जारी न हुआ हो तो पहचान संबंधी निम्न दस्तावेजों जिसमें विद्यार्थी की फोटोग्राफ हो, की जानकारी भरी जाये :

i बैंक पासबुक फोटोग्राफ सहित ii राशन कार्ड, iii इनकम टैक्स डिपार्टमेन्ट द्वारा जारी परमानेंट एकाउन्ट नम्बर (पैन कार्ड), iv पासपोर्ट, v स्कूल के हेडमास्टर/प्राचार्य द्वारा जारी एवं प्रमाणित विद्यार्थी का फोटोयुक्त आईडेन्टी कार्ड, vi मोटर व्हीकल एक्ट 1988 (59 ऑफ 1988) अंतर्गत जारी ड्राइविंग लायसेंस।

6. जिन विद्यार्थियों द्वारा 12 अंकों का आधार नम्बर भरा गया है उनकी छात्रवृत्ति राशि का भुगतान भारत सरकार द्वारा सीधे विद्यार्थी के आधार सीडेड बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी चाहे विद्यार्थी ने अपने ऑनलाइन आवेदन में अन्य बैंक खाते की जानकारी क्यों न भरी हो। विद्यार्थी का बैंक खाता सक्रिय मोड में होना अनिवार्य है ताकि छात्रवृत्ति का भुगतान विफल न हो।
7. हितग्राही/विद्यार्थी के आधार कार्ड में उल्लेखित नाम, लिंग, जन्म तिथि के आधार डेमोग्राफिक सत्यापन को एनएसपी पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है।
8. विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने के पश्चात् भरे गये पूर्ण आवेदन का एक प्रिन्टआउट अनिवार्य रूप से निकालकर अपने पास सुरक्षित रखा जाए।
9. आवेदन पत्र की प्रत्येक कण्डिकाओं की जानकारी पूर्ण नहीं देने एवं योजना में दिए गए निर्देशानुसार आवश्यक प्रमाण पत्र अपलोड नहीं करने पर छात्रवृत्ति की पात्रता नहीं होगी।
10. प्रत्येक विद्यार्थी अपना एक ही आवेदन भरें, एक से अधिक बार आवेदन करने पर समस्त आवेदनों को निरस्त माना जायेगा।
11. नवीनीकरण के विद्यार्थी जिन्हें वित्तीय वर्ष 2020-21 में राशि प्राप्त हुई है द्वारा नवीनीकरण का आवेदन भरते समय गत वर्ष 2020-21 में प्रदत्त एप्लीकेशन आई.डी. का उपयोग किया जाए।
12. एल-1 (शैक्षणिक संस्था द्वारा अधिकृत नोडल अधिकारी) एवं एल-2 (जिले में पदस्थ सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग) अधिकारियों जिनके द्वारा एनएसपी पोर्टल पर विद्यार्थियों के आवेदनों का परीक्षण उपरांत सत्यापन किया जाता है के आधार नम्बर एनएसपी पोर्टल पर दर्ज किया जाना भारत सरकार द्वारा अनिवार्य किया गया है। एल-1 एवं एल-2 स्तर के अधिकारियों के आधार नम्बर पोर्टल पर दर्ज करने एवं सत्यापन की प्रक्रिया को पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है, जिसे पंजीयन हेतु अधिकृत नोडल अधिकारी के आधार नम्बर से लिंक मोबाइल नम्बर पर भारत सरकार द्वारा ओटीपी के माध्यम से भेजा जाएगा। भविष्य में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति संबंधित समस्त सभी जानकारियों एवं निर्देशों का आदान-प्रदान पोर्टल पर पंजीकृत नोडल अधिकारी के मोबाइल नम्बर के माध्यम से किया जाएगा।
13. शैक्षणिक संस्थाओं के KYC रजिस्ट्रेशन की विस्तृत प्रक्रिया एनएसपी पोर्टल पर दी गई है साथ ही जिन शैक्षणिक संस्थाओं का KYC रजिस्ट्रेशन लंबित है, की जिलेवार सूची भी दी गई है। पोर्टल पर के.वाई.सी. पंजीकरण उपरांत ही शैक्षणिक संस्था के नोडल अधिकारी को पोर्टल पर अपना आधार नम्बर पंजीकरण उपरांत लॉगइन आई-डी आधार से लिंक मोबाइल पर दी जाएगी।
14. जिन शैक्षणिक संस्थाओं के KYC रजिस्ट्रेशन लंबित हैं, उनके द्वारा एनएसपी पोर्टल पर दी गई KYC रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
15. छात्रों को पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपने पाठ्यक्रम का शुल्क विवरण (प्रवेश शुल्क, शिक्षण शुल्क और विविध शुल्क) भरने का विकल्प नहीं है। इसके स्थान पर पाठ्यक्रम का शुल्क विवरण संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा भरा जाना अनिवार्य किया गया है। पोर्टल पर शैक्षणिक संस्थाओं के लिए पाठ्यक्रम-वार शुल्क (प्रवेश शुल्क शिक्षण शुल्क और विविध शुल्क) का विवरण संस्था के प्रोफाइल पर दर्ज करने का प्रावधान भारत सरकार द्वारा किया गया है। संस्था स्तर पर विद्यार्थी के आवेदन का ऑनलाइन सत्यापन के दौरान, छात्रों के आवेदन पत्र में पाठ्यक्रम शुल्क आदि का विवरण स्वतः संस्था द्वारा अपने प्रोफाइल में दर्ज किए गए विवरण अनुसार प्रदर्शित होगा। यदि विद्यार्थी को शिक्षण शुल्क आदि में कोई विशेष छूट प्राप्त हुई हो तो उस विद्यार्थी विशेष के संबंध में संस्था द्वारा विद्यार्थी के शुल्क विवरण में सुधार किया जा सकेगा।
16. शैक्षणिक संस्था की यह जिम्मेदारी है कि वह आवेदक का ऑनलाइन आवेदन पूर्ण रूप से निरीक्षण/परीक्षण करने के उपरांत ही नियमानुसार पात्र विद्यार्थियों के आवेदन ऑनलाइन अपने सत्यापन उपरान्त अग्रिम स्तर के लिये अंतिम दिनांक 15 दिसम्बर 2021 तक फॉरवर्ड करें। यदि अधूरे आवेदन अग्रेषित किये जाते हैं तो उनके निरस्त होने की पूर्ण जवाबदारी संस्था की होगी तथा इन प्रकरणों पर पुनः विचार नहीं किया जायेगा।

आयुक्त

जी-16461/45919/2021 **पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मध्यप्रदेश**

कार्यालय आयुक्त, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण

द्वितीय तल, सतपुड़ा भवन, खण्ड-घ, भोपाल - 462004 (म.प्र.)

शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्राओं के लिये मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना

प्रदेश के मूल निवासी अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को भारत में अध्ययन करने के लिये शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अल्पसंख्यक अंतर्गत मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध, सिख, पारसी एवं जैन समुदायों के छात्र/छात्राओं से भारत सरकार की अल्पसंख्यक मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत भारत सरकार के पत्र क्रमांक एसएस-15/4/2021-स्कॉलरशिप-मोमा दिनांक 25.08.2021 के आधार पर **तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत नवीन एवं नवीनीकरण विद्यार्थियों के लिये दिनांक 30 नवम्बर 2021 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।** छात्रवृत्ति के आवेदन हेतु विद्यार्थी को भारत सरकार की National Scholarship Portal (NSP) URL **www.scholarships.gov.in** पर जिसकी लिंक भारत सरकार की वेबसाइट **www.minorityaffairs.gov.in** पर भी उपलब्ध है ऑनलाइन आवेदन भरना होगा। योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया National Scholarship Portal (NSP) पर उपलब्ध है।

2. छात्रवृत्ति हेतु केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किये जायेंगे, ऑफलाइन आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के लिए प्रति वर्ष मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति के नवीन प्रकरणों हेतु समुदायवार लक्ष्य निर्धारित किये जाते हैं। इससे अधिक प्रकरणों में स्वीकृति सामान्यतः भारत सरकार द्वारा नहीं दी जाती है। नवीनीकरण प्रकरणों के लक्ष्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित नहीं किए जाते हैं।
4. छात्रवृत्ति के आवेदन ऑनलाइन भरते समय विद्यार्थियों द्वारा वेबसाइट के होम पेज पर उपलब्ध Frequntly Asked Questions (FAQs) पर विशेष ध्यान दिया जाये जिससे आवेदन भरते समय गलती न हो।
5. विद्यार्थियों द्वारा 12 अंकों का आधार नम्बर भरना जरूरी है। जिन विद्यार्थियों द्वारा आधार नम्बर हेतु पंजीयन किया गया है तो उनके द्वारा 10 अंकों का आधार पंजीयन क्रमांक (EID) भरा जाए। यदि विद्यार्थी के नाम से 12 अंकों का आधार नम्बर जारी न हुआ हो तो पहचान संबंधी निम्न दस्तावेजों जिसमें विद्यार्थी की फोटोग्राफ हो, की जानकारी भरी जाये :

i बैंक पासबुक फोटोग्राफ सहित ii राशन कार्ड, iii इनकम टैक्स डिपार्टमेन्ट द्वारा जारी परमानेंट एकाउन्ट नम्बर (पैन कार्ड), iv पासपोर्ट, v स्कूल के हेडमास्टर/प्राचार्य द्वारा जारी एवं प्रमाणित विद्यार्थी का फोटोयुक्त आईडेन्टी कार्ड, vi मोटर व्हीकल एक्ट 1988 (59 ऑफ 1988) अंतर्गत जारी ड्राइविंग लायसेंस।

6. जिन विद्यार्थियों द्वारा 12 अंकों का आधार नम्बर भरा गया है, उनकी छात्रवृत्ति राशि का भुगतान भारत सरकार द्वारा सीधे विद्यार्थी के आधार सीडेड बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी चाहे विद्यार्थी ने अपने ऑनलाइन आवेदन में अन्य बैंक खाते की जानकारी क्यों न भरी हो। विद्यार्थी का बैंक खाता सक्रिय मोड में होना अनिवार्य है, ताकि छात्रवृत्ति का भुगतान विफल न हो।
7. हितग्राही/विद्यार्थी के आधार कार्ड में उल्लेखित नाम, लिंग, जन्म तिथि के आधार डेमोग्राफिक सत्यापन को एनएसपी पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है।
8. विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने के पश्चात् भरे गये पूर्ण आवेदन का एक प्रिन्टआउट अनिवार्य रूप से निकालकर अपने पास सुरक्षित रखा जाए।
9. आवेदन पत्र की प्रत्येक कण्डिकाओं की जानकारी पूर्ण नहीं देने एवं योजना में दिए गए निर्देशानुसार आवश्यक प्रमाण पत्र अपलोड नहीं करने पर छात्रवृत्ति की पात्रता नहीं होगी।
10. प्रत्येक विद्यार्थी अपना एक ही आवेदन भरे, एक से अधिक बार आवेदन करने पर समस्त आवेदनों को निरस्त माना जायेगा।
11. नवीनीकरण के विद्यार्थी जिन्हें वित्तीय वर्ष 2020-21 में राशि प्राप्त हुई है द्वारा नवीनीकरण का आवेदन भरते समय गत वर्ष 2020-21 में प्रदत्त एप्लीकेशन आई.डी. का उपयोग किया जाए।
12. एल-1 (शैक्षणिक संस्था द्वारा अधिकृत नोडल अधिकारी) एवं एल-2 (जिले में पदस्थ सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग) अधिकारियों जिनके द्वारा एनएसपी पोर्टल पर विद्यार्थियों के आवेदनों का परीक्षण उपरांत सत्यापन किया जाता है के आधार नम्बर एनएसपी पोर्टल पर दर्ज किया जाना भारत सरकार द्वारा अनिवार्य किया गया है।

एल-1 एवं एल-2 स्तर के अधिकारियों के आधार नम्बर पोर्टल पर दर्ज करने एवं सत्यापन की प्रक्रिया को पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है, जिसे पंजीयन हेतु अधिकृत नोडल अधिकारी के आधार नम्बर से लिंक मोबाइल नम्बर पर भारत सरकार द्वारा ओटीपी के माध्यम से भेजा जाएगा। भविष्य में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति संबंधित समस्त सभी जानकारियों एवं निर्देशों का आदान-प्रदान पोर्टल पर पंजीकृत नोडल अधिकारी के मोबाइल नम्बर के माध्यम से किया जाएगा।

13. शैक्षणिक संस्थाओं के KYC रजिस्ट्रेशन की विस्तृत प्रक्रिया एनएसपी पोर्टल पर दी गई है साथ ही जिन शैक्षणिक संस्थाओं का KYC रजिस्ट्रेशन लंबित है, की जिलेवार सुची भी दी गई है। पोर्टल पर के.वाई.सी. पंजीकरण उपरांत ही शैक्षणिक संस्था के नोडल अधिकारी को पोर्टल पर अपना आधार नम्बर पंजीकरण उपरांत लॉगइन आई-डी आधार से लिंक मोबाइल पर दी जाएगी।
14. जिन शैक्षणिक संस्थाओं के KYC रजिस्ट्रेशन लंबित हैं, उनके द्वारा एनएसपी पोर्टल पर दी गई KYC रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
15. छात्रों को पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपने पाठ्यक्रम का शुल्क विवरण (प्रवेश शुल्क, शिक्षण शुल्क और विविध शुल्क) भरने का विकल्प नहीं है। इसके स्थान पर पाठ्यक्रम का शुल्क विवरण संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा भरा जाना अनिवार्य किया गया है। पोर्टल पर शैक्षणिक संस्थाओं के लिए पाठ्यक्रम-वार शुल्क (प्रवेश शुल्क शिक्षण शुल्क और विविध शुल्क) का विवरण संस्था के प्रोफाइल पर दर्ज करने का प्रावधान भारत सरकार द्वारा किया गया है। संस्था स्तर पर विद्यार्थी के आवेदन का ऑनलाइन सत्यापन के दौरान, छात्रों के आवेदन पत्र में पाठ्यक्रम शुल्क आदि का विवरण स्वतः संस्था द्वारा अपने प्रोफाइल में दर्ज किए गए विवरण अनुसार प्रदर्शित होगा। यदि विद्यार्थी को शिक्षण शुल्क आदि में कोई विशेष छूट प्राप्त हुई हो तो उस विद्यार्थी विशेष के संबंध में संस्था द्वारा विद्यार्थी के शुल्क विवरण में सुधार किया जा सकेगा।
16. शैक्षणिक संस्था की यह जिम्मेदारी है कि वह आवेदक का ऑनलाइन आवेदन पूर्ण रूप से निरीक्षण/परीक्षण करने के उपरांत ही नियमानुसार पात्र विद्यार्थियों के आवेदन ऑनलाइन अपने सत्यापन उपरान्त अग्रिम स्तर के लिये अंतिम **दिनांक 15 दिसम्बर 2021 तक** फॉरवर्ड करें। यदि अधूरे आवेदन अग्रेषित किये जाते हैं तो उनके निरस्त होने की पूर्ण जवाबदारी संस्था की होगी तथा इन प्रकरणों पर पुनः विचार नहीं किया जायेगा।

आयुक्त

जी-16462/45920/2021 पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मध्यप्रदेश

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
कला मंदिर रोड स्वागत भवन, रीवा (म.प्र.)

एनआईटी नं. 26/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पी.आई.यू./1539 रीवा, दिनांक : 26.08.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

स. क्र.	पोर्टल टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2021_PWPIU_158088_1	जिला रीवा में लोक निर्माण विभाग रीवा परियोजना क्रियान्वयन इकाई रीवा के कार्य क्षेत्रान्तर्गत अधूरे भवनों का शेष निर्माण कार्य एवं परफारमेंस गारंटी के अंतर्गत आने वाले भवनों के मरम्मत का कार्य (प्रथम आमंत्रण)।	रीवा	50.00	50000/-	5000/-	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित विड डाक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 31.08.2021 समय 09.00 AM से **दिनांक 14.09.2021** समय 6.00 PM तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-16508/45928/2021 लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., रीवा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश

एन.एच.एम. भवन लिंक रोड नं. 3, पत्रकार कॉलोनी भोपाल (462003)

क्र./एन.एच.एम./एच.आर./सेल-1/2021/13099 भोपाल, दिनांक : 23.08.2021

शुद्धिपत्र (Corrigendum)

समाचार-पत्रों में प्रकाशित विज्ञप्ति क्र.-जी-20623/21 के तहत मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा संविदा जिला क्वालिटी मॉनिटर के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु सेम्स लिमिटेड के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किये गये थे एवं संशोधित सूचना पत्र क्रमांक एनएचएम/एचआर/सेल-1/2021/4681 दिनांक 12.03.2021 के द्वारा संशोधित सूचना पत्र जारी कर अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता में पब्लिक हेल्थ/हॉस्पिटल प्रबंधक में 3 वर्ष का अनुभव एम.एस. ऑफिस के ज्ञान के अनुभव की अनिवार्यता को विलोपित किया गया था। उपरोक्त पत्र समाचार पत्रों में विज्ञप्ति क्रमांक-जी-21234/21 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

उपरोक्त प्रकाशित जिला क्वालिटी मॉनिटर के विज्ञापन में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :-

1. जिला क्वालिटी मॉनिटर के संविदा पद पर भारत के नागरिकों से आवेदन मंगाये जाते हैं। आरक्षण एवं आयु सीमा में छूट की पात्रता मात्र म.प्र. राज्य के मूल निवासी को ही होगी।
2. इस हेतु आवेदकों को सेम्स लिमिटेड की वेबसाइट (www.sams.co.in) पर आवेदन पत्र अपलोड करने हेतु **दिनांक 25.08.2021 से 25.09.2021 तक** का समय दिया जावेगा।
3. उपरोक्त संविदा सेवा 31 मार्च, 2022 तक के लिये होगी, जिसे आगामी वर्षों की वार्षिक कार्ययोजना में स्वीकृति अनुसार बढ़ाया जा सकेगा।
4. ऐसे अभ्यार्थी जो कि म.प्र. राज्य के मूल निवासी (Domicile) है, जो कि अनारक्षित वर्ग में आते हैं, उन्हें शैक्षणिक प्रतिशत में किसी भी छूट की पात्रता नहीं होगी।
5. ऐसे अभ्यार्थी जो म.प्र. राज्य के मूल निवासी (Domicile) नहीं है, उन्हें ना तो आरक्षण, ना तो आयु सीमा में और ना ही शैक्षणिक प्रतिशत में किसी भी छूट की पात्रता होगी। अन्य राज्यों के अभ्यार्थियों के मामले में समान पर का पब्लिक हेल्थ सेक्टर में एक वर्ष का कार्यानुभव वाले अभ्यार्थी ही आवेदन कर सकेंगे।
6. संविदा जिला क्वालिटी मॉनिटर के पद हेतु मासिक मानदेय 30,000/- रुपये प्रतिमाह के स्थान पर 40,000/- रुपये प्रतिमाह मासिक मानेदय स्थापित किया जाता है।
7. नियम-पुस्तिका (2020-2021) की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

(मिशन संचालक, एन.एच.एम. द्वारा अनुमोदित)

संचालक

जी-16674/45946/2021 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57/2021-22/एस.ए.सी./का.यं./लो.स्वा.यां.वि./राजगढ़ दिनांक : 01.09.2021

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर आमंत्रित की गई है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के निम्नलिखित ग्रामों में रेट्रोफिटिंग एवं नवीन कार्य की निविदा निम्नानुसार आमंत्रित है।

ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम उमरिया, पीपल्या रसोडा, आंखखेडीकला

निविदा क्र./दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	निविदा की कुल लागत रु. लाख में	धरोहर राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	रिमार्क
48/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157566	नरसिंहगढ़	307.68	307680/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम बिहार, खानपुरा, पाडल्यावना							
49/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157568	नरसिंहगढ़	255.15	255150/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम चापाखेड़ा, चाठा, कडियासासी							
50/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157569	नरसिंहगढ़	214.19	214190/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम बोकडी, परसुखेड़ी, महुआ							
51/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157571	नरसिंहगढ़	273.65	273650/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम लूलाखाल, मोतीपुरा, ताजीपुर							
52/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157573	नरसिंहगढ़	218.11	218110/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम धर्माखेड़ी, खजुरिया, सोनकच्छ							
53/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157574	नरसिंहगढ़	206.43	206430/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम बरनावद, सरसखेड़ी, पाडल्यादान							
54/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157575	नरसिंहगढ़	226.71	226710/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम कडाराकोठरी, हिनोत्या, गागर							
55/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157576	नरसिंहगढ़	215.81	215810/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम मेंगलादीप, निपान्याचेतन, सेमलागोगा							
56/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157577	नरसिंहगढ़	224.52	224520/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-
ग्राम का नाम :- राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम आंवली, कुराडियाखेड़ी, खजुरी, कांकरवाल							
57/21-22 दि. 31.08.2021	2021_PHED_157578	नरसिंहगढ़	251.57	251570/-	15000/-	9 माह (वर्षाकाल सहित)	-

ऑनलाइन निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि - 20.09.2021
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि - **22.09.2021**

कार्यपालन यंत्री

जी-16533/45930/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

मेयो ग्रुप ऑफ कॉलेज

सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल–462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर, इंडियन नर्सिंग कांउसिल, नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग काउंसिल एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश प्रारंभ सत्र 2021-22

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ नर्सिंग (एम.एस.सी नर्सिंग)– योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग	2 वर्ष
2.	मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (एम.पी.टी.) योग्यता बी.पी.टी.	2 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन (एम.एम.एल.टी.) योग्यता बी.एम.एल.टी.	2 वर्ष
4.	पोस्ट बैसिक बी.एस.सी नर्सिंग–योग्यता जी.एन.एम.	2 वर्ष
5.	बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बी.पी.टी.) 6 माह इंटर्नशिप	4 वर्ष
6.	बी.एस.सी. इन एक्स–रे	3 वर्ष
7.	डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्निशियन (डी.एम.एल.टी.)	2 वर्ष
8.	सर्टिफिकेट इन एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन	1 वर्ष
9.	ओ.टी. टेक्निशियन (ऑपरेशन थ्रीएटर)	1 वर्ष
10.	एम.बी.ए.	2 वर्ष

क्रमांक 5 से लेकर क्रमांक 9 तक के लिए योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। तथा क्र. 10 के लिए स्नातक किसी भी विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। छात्राओं के लिए उत्तम भोजन युक्त छात्रावास की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

संचालक

LAXECITY

R-45939/2021

BM Group of Institutions

Recognized and approved by AICTE/ BCI/NCTE (New Delhi) & DTE /DHE (Bhopal)
Affiliated To Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

REQUIREMENTS

(Under College Code 28)

Principal / Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Librarian / Sports Officer

REQUIRED FOR COURSES

MBA, MSW, BBA, B.Com., B.Sc., B.Ed., B.A. LL.B.,

Eligibility as per UGC / BCI / AICTE / NCTE and State Govt. norms

BM College of Technology (MBA Deptt.)	BM College of Management & Research	BM Institute of Professional Studies

Apply within 5 days at: **info@bmcollege.ac.in**
Campus : Near Chokhi Dhani, Khandwa Road, Indore

R-45938/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
ईमेल : eervskvv@gmail.com, फोन: 0751-2467680

क्र./जनसं/का.यं./2021/1330 दिनांक : 06-09-2021

//प्रेस विज्ञप्ति//

निविदा सूचना क्रमांक/1247/31.08.2021 रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत विद्युत कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा 2021_RVSKV_158113_1, 2021_RVSKV_158112_1, 2021_RVSKV_158100_1, 2021_RVSKV_158114_1, 2021_RVSKV_158121_1, 2021_RVSKV_158122_1 एवं 2021_RVSKV_158123_1 आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि 22.09.2021 तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल https:www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

R-45937/2021

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan,
Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011

NOTICE INVITING TENDER FROM CONSULTANTS FOR CONDUCTING TRAFFIC SURVEY FOR DPR PREPARATION

(E-PROCUREMENT NOTICE)
No./12623/22/D-12/DPR-Cons./PMGSY-III/MPRRDA/21
Bhopal, Date : 06.09.2021

Online Bids are invited from the reputed Consultants for Conducting Traffic Survey by installing automatic traffic counter and classifier (ATCC) with or without axle load survey for preparation of Detailed project reports of Roads under MPRRDA :

- District – Bhopal
- Package-02
  Total – No. of Locations -150

1. RFP document may be seen and downloaded from e-procurement system portal from **17:30 hrs on 07.09.2021.**
2. Last date for Bid Submission is 04.10.2021 upto 17:30 hrs.
3. Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT, RFP Document (May 2021) for Conducting Traffic survey in selected location on specified Roads is available on E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Madhyam/101861/45932//2021 **CHIEF GENERAL MANAGER**

प्रतिष्ठित सहकारी बैंक को आवश्यकता है वरिष्ठ पदों की नियुक्ति हेतु उम्मीदवार

CEO / पूर्णकालिक संचालक एंव वरिष्ठ प्रबंधक

शैक्षणिक योग्यता – स्नातकोत्तर /स्नातक
(लेखा / वित्त / अर्थशास्त्र / बैंकिंग / वाणिज्य / सहकारिता)
आयु – न्यूनतम आयु 35 वर्ष एवं अधिकतम 65 वर्ष,
अनुभव – उम्मीदवार को लेखा, बैंकिंग, सहकारिता, अर्थशास्त्र, वित्त या विधि विषयों का न्यूनतम आठ वर्ष का व्यवहारिक अनुभव होना आवश्यक है।
आवेदन की अंतिम तिथि – 16 सितम्बर 2021 सायं 5 बजे तक ।
पता–रविशंकर नगर पोस्ट आफिस, पोस्ट बॉक्स नं. 512, अरेरा कॉलोनी, भोपाल–462016 म.प्र.

Shail

R-45945/2021

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, आयुक्त, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल - 462004

फार्म-डी (Pharm-D) (पूर्णकालिक 6 वर्ष)
एकीकृत एम.बी.ए. (IIMBA) (पूर्णकालिक 5 वर्ष)
एकीकृत एम.सी.ए. (IIMCA) (पूर्णकालिक 5 वर्ष)
बैचलर इन होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (BHMCT) (पूर्णकालिक 4 वर्ष)

पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में अर्हकारी (हायर सेकेण्डरी स्कूल 12वीं) परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु (मध्यप्रदेश में स्थित निजी संस्थान)

ऑनलाइन काउंसलिंग, सत्र 2021-22 संशोधित समय-सारणी

	द्वितीय चरण	
गतिविधियां	**पूर्व घोषित दिनांक/समय**	**संशोधित दिनांक/समय**
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन (Registration)	14.09.2021 से 20.09.2021	14.09.2021 से 22.09.2021
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)	21.09.2021 से 22.09.2021	23.09.2021 से 24.09.2021
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना **प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।**	16.09.2020 से 24.09.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	16.09.2020 से 26.09.2021 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	25.09.2021 दोपहर 3:00 बजे तक	27.09.2021 दोपहर 3:00 बजे तक
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।	29.09.2021 से 08.10.2021 सायं 5:00 बजे तक	01.10.2021 से 08.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)		
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये		
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	**इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना।**	
पूर्व घोषित दिनांक/समय		
09.10.2021 से 10.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	12.10.2021 प्रातः 10:30 बजे	
संशोधित दिनांक/समय		
09.10.2021 से 11.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	12.10.2021 प्रातः 10:30 बजे	
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये		
पूर्व घोषित दिनांक/समय		
13.10.2021 से 14.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	16.10.2021 प्रातः 10:30 बजे	
संशोधित दिनांक/समय		
13.10.2021 से 15.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	16.10.2021 प्रातः 10:30 बजे	

नोट :- अन्य जानकारियां एवं शेष समय-सारणी पूर्वानुसार ही रहेगी।

(कोविड-19 के कारण, सहायता केन्द्रों पर किसी भी अभ्यर्थी को जाने की आवश्यकता नहीं)

संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति
म.प्र. माध्यम/101892/45936/2021 **एवं आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश**

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, आयुक्त, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल - 462004

इंजीनियरिंग डिप्लोमा

पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु (मध्यप्रदेश के शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी क्षेत्र के पॉलीटेक्निक संस्थान)

ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र 2021-22 संशोधित समय सारणी

द्वितीय चरण

अर्हकारी परीक्षा (हाई स्कूल 10वीं विज्ञान/गणित विषय सहित उत्तीर्ण) की मेरिट पर आधारित सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित (प्रथम चरण की काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये)

गतिविधियां	पूर्व घोषित दिनांक/समय	संशोधित दिनांक/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त	12.09.2021 से 21.09.2021 सायं 5:00 बजे तक	12.09.2021 से 23.09.2021 सायं 5:00 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के उपरान्त, ऑनलाइन सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो केवल एक बार के लिये ही रहेगी।	22.09.2021 से 23.09.2021 सायं 5:00 बजे तक	24.09.2021 से 25.09.2021 सायं 5:00 बजे तक
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना प्राथमिकता-क्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।	14.09.2021 से 25.09.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	14.09.2021 से 27.09.2021 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	26.09.2021 सायं 5:00 बजे तक	28.09.2021 सायं 5:00 बजे तक
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आंवटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।	29.09.2021 से 04.10.2021 सायं 5:00 बजे तक	02.10.2021 से 08.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)		
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	**इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना।**	
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये		
पूर्व घोषित दिनांक/समय		
05.10.2021 से 07.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	09.10.2021 प्रातः 10:30 बजे	
संशोधित दिनांक/समय		
07.10.2021 से 09.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	11.10.2021 प्रातः 10:30 बजे	
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये		
दिनांक/समय निम्नानुसार पूर्व घोषित अनुसार यथावत रहेगी		
11.10.2021 से 14.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक	14.10.2021 प्रातः 10:30 बजे	16.10.2021 प्रातः 10:30 बजे

नोट : अन्य जानकारियां एवं शेष समय-सारणी पूर्वानुसार ही रहेगी।

(कोविड-19 के कारण सहायता केन्द्रों पर किसी भी अभ्यर्थी को जाने की आवश्यकता नहीं)

संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति
म.प्र. माध्यम/101891/45935/2021 **एवं आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश**

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश ऊर्जा सरंक्षण भवन संहिता क्रियान्वयन समिति गठित

भोपाल, राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता क्रियान्वयन समिति गठित की है। समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, नगरीय विकास एवं आवास, लोक निर्माण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पर्यावरण, संचालक नगर तथा ग्राम निवेश, परियोजना निदेशक या मुख्य अभियंता, मुख्य वास्तुविद लोक निर्माण, सचिव मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग, प्रत्येक विद्युत वितरण कम्पनी से एक प्रतिनिधि, ऊर्जा कार्यकुशलता ब्यूरो भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय के प्रतिनिधि, चयनित तीन तकनीकी विशेषज्ञ सदस्य होंगे। प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड समिति के सदस्य सचिव होंगे।

अफवाहों पर न दें ध्यान, कोरोना से बचने का टीका ही समाधान

मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन में तेजी से काम जारी - मुख्यमंत्री

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के मूल मंत्र पर मध्यप्रदेश में तेजी से काम किया जा रहा है। प्रदेश के हर वर्ग की चिंता कर उसकी जरूरतों की पूर्ति के लिए योजनाएं बना कर मैदानी स्तर पर अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इन्हीं योजनाओं में एक महती योजना 'जल जीवन मिशन' भी है, जिसके माध्यम से हर घर में नल से शुद्ध जल देना सुनिश्चित किया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन के क्रियान्वयन से अब तक प्रदेश के 3236 ग्रामों में हर घर में सरल, सुगम और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जा चुकी है। इस काम को सभी जिलों में तेजी से अंजाम दिया जा रहा है। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ग्रामीण आबादी, विशेषकर महिलाओं, जिन्हें पेयजल के लिए सिर पर मटका रखकर लंबी दूरी तय करना पड़ती थी, को परेशानियों से निजात दिलाने के लिए 15 अगस्त 2019 को जल मिशन की घोषणा की थी। यह मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। अब महिलाओं को घर पर ही नल के माध्यम से पेयजल मिलने लगा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। प्रकृति ने हमें नदी और तालाब जैसे पेयजल स्रोत दिये। कुओं से भी हमने पेयजल प्राप्त किया है। समय के साथ हमने नलकूप और हैंडपम्प स्थापित कर भू-जल का उपयोग पेयजल के लिए किया। इससे हमारी आधी-आबादी के परिश्रम में कुछ कमी तो आई लेकिन उन्हें पेयजल की समस्या से पूरी तरह मुक्ति नहीं मिल सकी।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री के प्राथमिकता वाले इस मिशन के लिए केंद्र सरकार पर्याप्त मात्रा में आवंटन भी उपलब्ध करवा रही है। मिशन में जून 2020 से गांवों के हर घर में नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ। मिशन में ग्रामीण आबादी के घरों सहित स्कूल एवं आंगनवाड़ियों में भी पेयजल के लिए नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। लक्ष्य, प्रत्येक ग्रामीण परिवार, आंगनवाड़ी और स्कूल में गुणवत्तापूर्ण और पर्याप्त जल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना है। अब तक 25 हजार 840 आंगनवाड़ी और 43 हजार 629 स्कूलों में नल से पेयजल की व्यवस्था की जा चुकी है।

मध्यप्रदेश के स्कूलों में छठवीं कक्षा से दी जायेगी व्यावसायिक शिक्षा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जबलपुर में तिलवारा घाट स्थित दयोदय तीर्थ स्थल का अवलोकन करते हुये।

भोपाल, ज्ञान देने वाली, कौशल का विकास करने वाली और चरित्र निर्माण कर बेहतर नागरिक बनाने वाली शिक्षा व्यवस्था पर जोर देते नई शिक्षा नीति के तहत प्रदेश के स्कूलों में छठवीं कक्षा से व्यावसायिक शिक्षा दी जायेगी। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर में पुण्य सलिला मां नर्मदा के तिलवाराघाट स्थित दयोदय तीर्थ स्थल परिसर में कही। इसके पहले मुख्यमंत्री ने यहां सपत्नीक आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

विद्यासागर जी के जनकल्याणकारी कार्यों का करना होगा अनुसरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से बड़ा शिक्षक कौन हो सकता है, हम सबको उनके जीवन दर्शन और जनकल्याण कार्यों का अनुसरण करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां संचालित प्रतिभास्थली विद्यालय के माध्यम से छात्रों को सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा दी जा रही है।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति में कौशल विकास को प्रमुखता से शामिल किया गया है।

हाथकरघा के माध्यम से आर्थिक स्वावलंबन

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य श्री ने हाथकरघा के माध्यम से आर्थिक स्वावलंबन का नया मार्ग दिखाया है। हाथकरघा से वस्त्र निर्माण कर अनेकों जनजातीय व आदिवासी बहनें रोज़गार प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश में महात्मा गांधी के बाद आचार्य श्री ने ही हाथकरघा को स्वावलंबन का प्रतीक बनाया है।

पूर्णायु आयुर्वेद चिकित्सालय का निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने यहां संचालित पूर्णायु आयुर्वेद चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ का अवलोकन किया। यहां आयुर्वेद का सौ बिस्तरों का अस्पताल चल रहा है और इसे बढ़ाकर जल्दी ही 800 बिस्तरों की क्षमता की जावेगी। साथ ही गरीब और असहाय व्यक्तियों की यहां निःशुल्क उपचार की व्यवस्था रहेगी। राज्य शासन ने इसी शैक्षणिक सत्र से यहां सौ बालिकाओं के अध्ययन के लिये बी.ए.एम.एस. पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए महाविद्यालय शुरू करने की अनुमति प्रदान की है। इस महाविद्यालय का संचालन गुरुकुल पद्धति से होगा।

मुख्यमंत्री ने किया चल-चरखा केंद्र का निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने यहां दयोदय तीर्थ परिसर में संचालित हाथकरघा वस्त्र निर्माण इकाई चल-चरखा केंद्र का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री को ब्रह्मचारिणी दीदीयों ने यहां हाथकरघा से वस्त्र निर्माण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। श्री चौहान ने यहां के निर्मित वस्त्रों के गुणवत्ता की जमकर सराहना की।

मुख्यमंत्री ने प्रकल्पों को सराहा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आचार्य श्री की प्रेरणा से यहां संचालित गौ-शाला, छात्र शिक्षा के लिए प्रतिभास्थली और हाथकरघा वस्त्र निर्माण सहित पीड़ित मानवता की सेवा और गरीब व असहायों के इलाज हेतु संचालित पूर्णायु चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ जैसे सभी प्रकल्पों की सराहना की।

खरगोन जिले के ग्राम बेड़िया में खुलेगी आईटीआई

खरगोन, जिले के बड़वाह विकासखण्ड के ग्राम बेड़िया में पहली आईटीआई की स्थापना की जा रही है। इस संबंध में भोपाल में तथा संचालक कौशल विकास श्री जितेन्द्र सिंह राजे और एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक श्री संजय मदान ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एनटीपीसी द्वारा बड़वाह ब्लाक में लगभग 13.70 करोड़ रुपये से स्थापित होने वाली आईटीआई में इंफ्रास्ट्रक्चर, बिल्डिंग, वर्कशॉप, हॉस्टल, स्टॉफ क्वार्टर, फर्नीचर, लैब उपकरण एवं मशीनरी, लैंडस्केपिंग आदि पर खर्च किया जायेगा।

संचालक श्री जितेन्द्र सिंह राजे ने बताया कि कौशल विकास द्वारा संचालित इस शासकीय आईटीआई की क्षमता 240 प्रशिक्षणार्थियों की होगी। इसमें इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, मोटर मैकानिक, रेफ्रिजरेशन और एसी एवं सीओपीए जैसे छह ट्रेड सम्मिलित होंगे।

श्री जितेन्द्र सिंह राजे ने कहा कि एनटीपीसी की यह पहल स्थानीय युवाओं के कौशल विकास एवं उन्हें रोज़गारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायक होगी। श्री राजे ने बताया कि बड़वाह विकासखंड में पूर्व में कोई भी शासकीय आईटीआई संचालित नहीं थी। इस विकासखंड में यह पहला आईटीआई होगी।

शोध कार्यों को प्रोत्साहित करें निजी विश्वविद्यालय - उच्च शिक्षा मंत्री

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पर्यावरण परिचर्चा को संबोधित करते हुये।

इन्दौर, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में निजी विश्व-विद्यालयों की स्थापना के पीछे परिकल्पना यह है कि अपने संसाधनों से श्रेष्ठता सिद्ध करें, अन्य संस्थान उन्हें फॉलो करेंगे। निजी विश्वविद्यालय रिसर्च को भी प्रोत्साहित करें। डॉ. यादव ने आरकेडीएफ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण परिचर्चा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि नए प्रयोग करने में कई बार कठिनाई आती है। बहुत सी परेशानियां भी आती हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कर्म योग को आगे बढ़ाया। उनका मानना था कि समूची मानवता की सेवा करते हुए ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है, यही सच्चा कर्म योग है।

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरत शरण सिंह ने कहा कि प्रकृति हमें दोहन की अनुमति तो देती है लेकिन शोषण की नहीं। हम पेड़-पौधों को अपने परिवार का अंग मांनते थे, बाग-बगीचे हमारे मांगलिक कार्य में शामिल थे, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह प्रवृत्ति समाप्त होती जा रही है।

इस अवसर पर पर्यावरणविद श्री अशोक पांडे ने कहा कि पर्यावरण के प्रति आस्था और आग्रह हमारी जीवन शैली का अंग रहा है। पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवन का भाग था। हमारा जीवन पूरी सृष्टि को समग्रता के साथ देखता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसा हुआ कि हमें पर्यावरण की चिंता सताने लगी, हमें इस पर विचार करना चाहिए।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पर्यावरण संरक्षण समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री गोपाल आर्य ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने आगामी 10 वर्ष तक पर्यावरणीय संतुलन के लिए कार्य करने का निश्चय किया है। उन्होंने कहा कि जन, जंगल, जमीन, जानवर और जल को मिलाकर पर्यावरण बनता है। सभी से पर्यावरण संरक्षण का आव्हान करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण को देखने का दृष्टिकोण बदलना चाहिए। साथ ही पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना पड़ेगा।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

बड़वानी में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन पर किसानों की कार्यशाला

बड़वानी, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश अभियान के तहत बड़वानी में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन पर किसानों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने भी किसानों को ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से संबोधित किया। विभिन्न उद्यानिकी विशेषज्ञों ने वर्चुअल तरीके से उपस्थित किसानों को आय दोगुनी करने के लिए उन्नत तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। किसानों के प्रश्नों-जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यशाला में एक जिला-एक उत्पाद में चयनित अदरक उत्पादन के लिए किये जाने वाले प्रयासों एवं विभिन्न प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए मिलने वाले अनुदानों के बारे में विस्तार से बताया।

बड़वानी के जलसा रिसोर्ट में आयोजित संगोष्ठी को वेबिनार के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री ने बताया कि राज्य शासन का प्रयास है कि किसानों की आय दोगुनी हो। इसके लिए एक जिला-एक उत्पाद में स्थानीय स्तर पर उत्पादित फसलों को बढ़ावा देने एवं उससे संबंधित प्रोसेस यूनिट स्थापित करने की योजना बनाई है। बड़वानी जिले के लिए अदरक का चयन किया गया है। उन्होंने जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित वेबिनार कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि अदरक के क्षेत्र में बड़वानी जिला नये कीर्तिमान स्थापित करेगा।

वेबिनार में ग्लोबल फूड के सीईओ श्री रामनाथ सूर्यवंशी ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शासन ने किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। इन योजनाओं का लाभ लेते हुए किसान बंधु अपना एवं अपने क्षेत्र का विकास कर सकते हैं।

किसानों को दिये स्वीकृति पत्र

आयोजित कृषक संगोष्ठी में 15 किसानों को उद्यानिकी विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति पत्र वितरित किये। किसानों को प्याज भण्डारगृह, मिर्च फसल, ड्रिप सिंचाई, पैक हाउस और लो-एनर्जी कूल चैंबर योजना के स्वीकृति पत्र दिये गये।

लगाई गई प्रदर्शनी

संगोष्ठी स्थल पर ही किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों की जानकारी देने देश की अग्रणी कंपनियों के द्वारा अपने स्टाल लगाकर विभिन्न संयंत्र एवं जैविक खाद, दवाई, प्रदर्शित की गई। विभिन्न शासकीय विभागों ने भी अपने स्टाल के माध्यम से किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कोरोना का टीका लगवाने का रखें ध्यान, समझो सुरक्षित कर ली अपनी जान

योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक सोच जरूरी - राज्यपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भोपाल में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास जरूरी हैं। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में ग्राम सभाओं में जानकारी दी जाए। हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक सोच और संवेदनशील व्यवहार जरूरी है। लक्ष्य हो कि एक भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित नहीं रहे। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल स्थित राजभवन में अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

राज्यपाल ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास प्रयासों में समाज की मूलभूत आवश्यकताओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं के कौशल उन्नयन के प्रयासों में स्थानीय उद्योगों और व्यवसाय में रोज़गार की संभावनाओं के अनुसार प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों को रोज़गार में प्राथमिकता मिले, इसके प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण में ग्राम सभा की सहभागिता के साथ प्रयास किए जाने पर बल दिया। ग्राम सभा में गांव के बुजुर्गों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने वन विभाग द्वारा पौधरोपण कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि मिट्टी की जांच कराकर, उसके अनुकूल पौधों का रोपण किया जाए। पौधरोपण की उत्तरजीविता को बढ़ाने के लिए बड़े पौधों को लगाने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने उड़ीसा के बांसों का उल्लेख करते हुए प्रदेश में उनके उत्पादन की संभावनाओं को तलाशने के लिए भी कहा है।

प्रमुख सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल ने विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण देहरादून के आकलन में वर्ष 2005 से 2019 के दौरान प्रदेश का कुल वन क्षेत्र 1,469 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। प्रमुख सचिव आदिम जाति कल्याण तथा अनुसूचित जाति कल्याण डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने बताया कि पर्यटन विभाग के साथ समन्वय कर स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर पर्यटन उद्योग से संबंधित विभिन्न कार्यों में रोज़गार उपलब्ध कराने की पहल शुरू की गई है। बैठक में राज्यपाल के अपर सचिव श्री मनोज खत्री, आयुक्त अनुसूचित जनजाति कार्य श्री संजीव सिंह और संचालक ट्रायबल एरिया डेवलपमेंट एंड प्लानिंग सुश्री शैलबाला मार्टिन भी मौजूद थीं।

मध्यप्रदेश में 88 ऑक्सीजन प्लांट्स शुरू - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना की दूसरी लहर में स्वास्थ्य अधोसंरचना में दिखी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जा रहा है। इन कमियों में सबसे महत्वपूर्ण थी मेडिकल ऑक्सीजन। हमने यह तय कर लिया था कि जो भी हो अब भविष्य में प्रदेशवासियों को उपचार में ऑक्सीजन की कमी नहीं आने देंगे। इसी उद्देश्य से अभियान चलाकर प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया गया। मध्यप्रदेश में स्थापित किये जा रहे 190 ऑक्सीजन प्लांट में से 88 प्लांट कार्यशील हो गये हैं। इन 88 प्लांट्स की ऑक्सीजन क्षमता 44 हजार 590 लीटर प्रति मिनट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के समय मध्यप्रदेश में अन्य प्रांतों से ऑक्सीजन लाकर कमी को दूर किया गया था। इसमें भारतीय सेना के वायुयान, हैलीकाप्टर, रेल के साथ सड़क मार्ग से टैंकरों द्वारा ऑक्सीजन प्रदेश में लाई गई। यह बहुत मुश्किल परिस्थितियां थीं। इन परिस्थितियों का दोबारा सामना न करना पड़े, इसके लिए प्रदेश सरकार ने क्रियेटिव सोच और बेहतर प्लानिंग के साथ मेडिकल ऑक्सीजन के मामले में आत्मनिर्भर बनने का जो सपना संजोया, वह अब मूर्त रूप ले रहा है। श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश की स्वास्थ्य संस्थाओं में ऑक्सीजन प्लांट लग जाने से रोगियों को अब बिना विलंब ऑक्सीजन उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ही ऑक्सीजन उत्पादन शुरू हो जाने से अब ऑक्सीजन आयात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हमारा प्रयास है कि सभी जिला मुख्यालयों सहित तहसील स्तर पर भी ऑक्सीजन प्लांट्स लग जाएं। जहां ऑक्सीजन प्लांटस नहीं लगे हैं वहां ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध करवाये गये हैं।

केंद्र सरकार का मिला सहयोग

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित केंद्रीय मंत्रियों के सहयोग से मध्यप्रदेश को समय पर ऑक्सीजन की उपलब्धता होती रही। इससे हम प्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर में बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाने में सफल रहे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्थापित हो रहे 190 ऑक्सीजन प्लांट में से 102 प्लांट केंद्र सरकार के सहयोग से लग रहे हैं। सितम्बर माह के अंत तक सभी 190 प्लांट्स काम करना शुरू कर देंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी के मिले-जुले प्रयासों से वर्ष 2021 मध्यप्रदेश के ऑक्सीजन उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए भी याद किया जाएगा। प्रदेश में 7 सितम्बर की स्थिति में 190 ऑक्सीजन प्लांट्स स्थापित होना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने के अभियान में बड़े पैमाने पर जन-सहयोग भी मिला है। अनेक कम्पनियों, संस्थाओं के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं और जन-प्रतिनिधियों ने अपनी स्वैच्छा निधि से इस काम में आगे आकर सहयोगी की भूमिका निभाई है। अनेक संस्थाओं ने स्वास्थ्य केंद्रों पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स भी दान किये हैं।

कोविड वैक्सीनेशन प्रदेश में पांच करोड़ के हुआ पार

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना नियंत्रण एवं बचाव के लिए वैक्सीनेशन का कार्य लगातार जारी है। 8 सितम्बर तक प्रदेश में वैक्सीनेशन का आंकड़ा 5 करोड़ को पार कर गया है। इस उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य विभाग का पूरा अमला और टीकाकरण कार्य से जुड़े सभी वर्ग बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि कोरोना महामारी पर नियंत्रण बनाये रखने और महामारी को पूरी तरह से समाप्त करने में सभी लोगों का टीकाकरण बहुत जरूरी है। इसके मद्देनजर प्रदेश में टीकाकरण अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। उन्होंने 17 सितम्बर के टीकाकरण महाअभियान में सभी वर्गों से पहले की तरह सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया है।

श्री चौहान ने कहा है कि प्रदेश के 18 वर्ष से अधिक आयु के शत-प्रतिशत लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज सितम्बर अंत तक लगाने के लक्ष्य को पाने के बाद दूसरी डोज कम से कम समय में लगाने का हमारा प्रयास जारी रहेगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की प्रबंध संचालक श्रीमती प्रियंका दास ने बताया कि टीकाकरण महाअभियान में सभी वर्गों के समन्वित प्रयासों से आई जन-जागरूकता और स्वास्थ्य विभाग के राज्य-स्तर से लेकर टीकाकरण केंद्र तक कार्य करने वाले चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफ के अथक प्रयासों से 5 करोड़ से अधिक कोरोना टीके लगाने का रिकॉर्ड बना है। 8 सितम्बर शाम 5 बजे तक कुल 5 करोड़ 69 हजार 857 वैक्सीन डोज लगाये गये हैं। इनमें 4 करोड़ 6 लाख 90 हजार 4 लोगों को पहली डोज और 93 लाख 79 हजार 853 लोगों को पहली और दूसरी डोज लगाई गई है।

मेडिकल कॉलेज को शोध एवं अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनाया जाये

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की सामान्य परिषद् की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मेडिकल कॉलेज को अस्पताल तक सीमित न रहने दें, उसको शोध एवं अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनाया जाना चाहिये। विभिन्न विषयों के शोध एवं अनुसंधान के लिये कमेटी बने और निर्धारण हो कि कॉलेज विषय विशेषज्ञता हासिल करें। इसके लिये अन्य राज्यों से भी सलाह-मशवरा किया जा सकता है। एम्स से भी नॉलेज शेयरिंग के लिये एम.ओ.यू. हुआ है, उसकी गतिविधियों को भी बढ़ाया जाये। ये बातें चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंत्रालय में गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल की सामान्य परिषद् की बैठक की अध्यक्षता करते हुये कहीं।

महाविद्यालय को बनायें शोध एवं अनुसंधान का केंद्र

श्री सारंग ने चिकित्सकीय प्रशिक्षण में शोध एवं अनुसंधान का मेडिकल कॉलेज का केंद्र बनाये जाने तथा राष्ट्रीय एवं विश्व-स्तर की संस्थानों के साथ शोध के लिये कोलैबोरेशन करने की आवश्यकता को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट की स्थापना की जाये। साथ ही डर्मेटोलॉजी विभाग में पीजी कोर्स शुरू करने के निर्देश भी दिये।

श्री सारंग ने लोक निर्माण विभाग और पी.आई.यू. के कार्यों पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि लोक निर्माण विभाग अस्पताल का रख-रखाव ठीक ढंग से करे। पी.आई.यू. समय-सीमा में दिये गये कार्यों को पूर्ण करे। उन्होंने प्रमुख सचिव लोक निर्माण को पत्र भेजने के निर्देश दिए।

दवाओं के रख-रखाव की व्यवस्था की जाये दुरुस्त

श्री सारंग ने कहा कि दवाओं के रख-रखाव एवं रिकॉर्ड संधारण की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने कहा। उन्होंने गुणवत्तायुक्त कैन्टीन की स्थापना को भी कहा। बताया गया कि छात्रों और स्टॉफ के लिये दो अच्छी क्वालिटी की कैन्टीन शुरू करवाई जा चुकी हैं।

श्री सारंग ने सामग्री क्रय प्रभारी की लगातार शिकायत प्राप्त होने के कारण उसे तत्काल हटाने के और जांच रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिये कि ऑनलाइन बिल ट्रैकर मॉड्यूल के तहत महाविद्यालय में आने वाले सभी बिल की ट्रैकिंग ऑनलाइन की जाए। श्री सारंग ने कहा कि परीक्षा कक्ष में जैमर लगवाये जाएं। बैठक में संभागायुक्त श्री कविन्द्र कियावत, सचिव चिकित्सा शिक्षा श्रीमती अलका श्रीवास्तव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री निशांत बरबड़े, संचालक डॉ. उल्का श्रीवास्त्व, डीन डॉ. जितेन्द्र शुक्ला, अधीक्षक डॉ. लोकेंद्र दवे उपस्थित थे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

आरटीई के तहत निःशुल्क प्रवेश के लिए संशोधित समय सारणी जारी

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में ऑनलाइन निःशुल्क प्रवेश प्रक्रिया की संशोधित समय सारणी जारी की है। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस. ने बताया कि 6 सितंबर से 16 सितंबर 2021 तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन और त्रुटि सुधार के लिए विकल्प उपलब्ध रहेगा। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात अभिभावक 7 सितंबर से 17 सितंबर 2021 तक पावती डाउनलोड और मूल दस्तावेजों का सत्यापन केंद्रों में सत्यापन करा सकेंगे।

श्री धनराजू ने बताया कि 23 सितंबर 2021 को पारदर्शी रैंडम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी खोली जायेगी। ऑनलाइन लॉटरी से आवेदकों को स्कूल का आवंटन किया जायेगा और चयनित आवेदकों को एस.एम.एस. से भी सूचित किया जाएगा। लॉटरी में चयनित आवेदक 24 सितंबर से 30 सितंबर 2021 के बीच आवंटन पत्र डाउनलोड करके आवंटित स्कूल में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। प्रवेश लेते समय ही संबंधित प्राइवेट स्कूल द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्ट भी दर्ज की जाएगी। सभी जिलों के कलेक्टर को नियम अनुसार नियत समय अवधि में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कार्यवाही संपादित करने संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं।

भीड़-भाड़ से रहेंगे दूर, कोरोना भागने को हो जायेगा मजबूर

स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार और आम आदमी तक पहुंच बनाना प्राथमिकता

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और उनकी पहुंच आम आदमी तक बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। स्वास्थ्य संस्थाओं में जरूरी अधोसंरचना की उपलब्धता पर तेजी से काम हो रहा है। जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 190 ऑक्सीजन प्लांट लगाये जा रहे हैं। इनमें से अब तक 88 ऑक्सीजन प्लांट कार्यशील हो गये हैं। शेष इसी माह के अंत तक कार्यशील कर दिए जाएंगे। ये बातें लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने भोपाल में मंच प्रोजेक्ट का शुभारंभ करते हुये कहीं।

गंभीर और क्रिटिकल प्रकरणों की जानकारी आरसीएच पोर्टल पर होगी

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 'मंच' प्रोजेक्ट के माध्यम से आरसीएच पोर्टल पर गंभीर और क्रिटिकल प्रकरणों की जानकारी दर्ज हो सकेगी। इस जानकारी के आधार पर मां और बच्चों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा सकेगी। उन्हें बेहतर उपचार दिया जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा है कि परियोजना के क्रियान्वयन से शहडोल जिले में मातृ नवजात और बाल स्वास्थ्य में सुधार होगा। मातृ मृत्यु और शिशु मृत्यु दर में कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में माँ और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आमजन को मिलें इसके लिये सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार ने आयुष्मान योजना में निजी अस्पतालों को जोड़ा है और इस योजना में 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज कराने की पात्रता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने प्रोजेक्ट के अंतर्गत एएनएम को दिये जाने वाले किट भी शहडोल जिले की एएनएम को प्रदान किये। डॉ. चौधरी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट (आईहैट) के संयुक्त तत्वावधान में मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य के लिये मंच प्रोजेक्ट को शहडोल जिले में शुरू किया जा रहा है।

प्रदेश में बाढ़ प्रभावितों को 109.89 करोड़ रूपये की राशि वितरित

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नौ जिलों में बाढ़ प्रभावितों को राहत राशि का अंतरण करते हुये।

भोपाल, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों और विदिशा जिले में बाढ़ प्रभावितों को सर्वोच्च प्राथमिकता से राहत राशि और अन्य सहायता प्रदान की गई है। संबंधित कलेक्टर्स सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र हितग्राही सहायता प्राप्त करने से वंचित न हों। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 9 जिलों के 24 हजार 529 हितग्राहियों को 31 करोड़ 51 लाख रुपये की राहत राशि का अंतरण करते हुये कही। प्रदेश में अब तक एक लाख 27 हजार बाढ़ प्रभावित नागरिकों को 109 करोड़ 89 लाख रुपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गत दो माह संकट के रहे हैं। एक तरफ बाढ़ की स्थिति थी, वहीं दूसरी तरफ करीब डेढ़ दर्जन जिले कम बारिश से प्रभावित हुए हैं। कोरोना का संकट भी रहा। हम नागरिकों और सरकार के लिए परीक्षा की घड़ी थी। सरकार ने प्रयास किया कि हर परिस्थिति में जनता को संकट से निकालें। श्री चौहान ने कहा कि विशेष योजना बनाकर बाढ़ प्रभावितों को विभिन्न तरह की क्षति के लिए राशि प्रदान करने का कार्य किया गया है। लोगों को हुए नुकसान से जिंदगी की गाड़ी पटरी से न उतरे, इसके लिए पूरी तत्परता और पारदर्शिता से राहत राशि प्रदान की गई है। पंचायत भवन पर हितग्राही सूची चस्पा कर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने से किसी भी तरह की अनियमितता नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राशि प्रदान करने के पूर्व हितग्राहियों के संबंध में दावे-आपत्ति का विकल्प भी दिया गया। कृषि फसलों की हानि के लिए अलग से राजस्व पुस्तक परिपत्र के अंतर्गत कार्यवाही हो रही है। श्री चौहान ने कहा कि राशि वितरण में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार न हो, इसके लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। विद्युत उप केंद्रों और सड़कों आदि की बाढ़ से हुई क्षति के पश्चात पुनर्निर्माण के कार्यों को भी समय पर करना आवश्यक है। इसके लिए सभी कलेक्टर, जनप्रतिनिधि और क्राइसिस मैनेजमेंट समूह के सदस्यों से परामर्श कर पूर्ण करें। नहरों की मरम्मत का कार्य भी युद्ध स्तर पर किया जाए।

मुख्यमंत्री के निर्देश

- **कोई भी पात्र हितग्राही सहायता से वंचित न रहे।**
- **हितग्राहियों की सूची पंचायत भवन में प्रदर्शित की जाए।**
- **खेतों में हुई क्षति से संबंधित राहत प्रदान करने की प्रक्रिया भी पूर्ण की जाए।**
- **नहरों की मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाए।**
- **कोरोना अनुकूल व्यवहार पर ध्यान देते हुए वैक्सीनेशन कार्य को गति दी जाए।**

ग्वालियर-चंबल संभाग में वैक्सीनेशन की गति बढ़ाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों में कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन का कार्य कुछ कम हुआ है। अब इस कार्य को तेज करना आवश्यक है। आगामी 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस पर वैक्सीनेशन महाअभियान संचालित होगा। इसमें ग्वालियर और चंबल संभाग में वैक्सीनेशन कार्य की गति बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रयास यह है कि इस माह के अंत तक प्रदेश के सभी पात्र लोगों को वैक्सीन का प्रथम डोज अनिवार्य रूप से लग जाए। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका को जन-सहयोग और सावधानी से समाप्त करना होगा।

निवेशकों के हितों को ध्यान में रखकर बनाएंगे समग्र नीति

इथेनॉल और जैव ईंधन उत्पादन के लिये आदर्श राज्य है मध्यप्रदेश

भोपाल, निवेशकों के हितों को ध्यान में रखकर ही इथेनॉल और जैव ईंधन निर्माण के लिये समग्र नीति बनाई जाएगी। यह आश्वासन उद्योग नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने निवेशकों से मंत्रालय में विस्तृत चर्चा के बाद दिया। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा एवं प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला भी उपस्थित थे।

श्री दत्तीगांव ने कहा कि प्राप्त अच्छे सुझावों का मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से विस्तृत चर्चा कर नीति बनाते समय ध्यान रखा जाएगा। नीति इस प्रकार बनाई जाएगी जिससे मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करने निवेशक आकर्षित करने तथा मध्यप्रदेश में आसानी से उद्योग स्थापित करना आसान हो।

इथेनॉल और जैव ईंधन उत्पादन के लिये मध्यप्रदेश आदर्श राज्य है। यहां इथेनॉल उत्पादन के लिये कच्चा माल बहुतायत में उपलब्ध है, साथ ही उद्योग स्थापित करने के लिये सभी अनुमतियों के लिये सिंगल विंडो सिस्टम के साथ 'ईज ऑफ डूइंग' नीति को फॉलो किया जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीति एवं तकनीकी अपडेट के साथ कच्चा माल लेने से लेकर उत्पाद बेचने तक सभी बातों को ध्यान में रखकर समग्र दृष्टिकोण के साथ नीति बनाई जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि केन्द्र सरकार की नीति से साम्यता रखते हुए तकनीक परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए आसान और बेहतर नीति लाएंगे। ज्यादा से ज्यादा उद्योग इस क्षेत्र में आएंगे तो रोज़गार के अवसर बढ़ने के साथ-साथ पर्यावरण में भी सुधार होगा।

नई शिक्षा नीति लागू करने से प्रदेश के जी.ई.आर. में वृद्धि निश्चित है

भोपाल, नई शिक्षा नीति के लागू होने से प्रदेश के सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में वृद्धि निश्चित है। वर्ष 2019-20 में मध्यप्रदेश का सफल नामांकन अनुपात 24.2 प्रतिशत था जो राष्ट्रीय 27.1 प्रतिशत के आसपास है। यह बात उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में मध्यप्रदेश के 39 निजी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग में कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुये कही।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निजी विश्वविद्यालय की स्थापना के पीछे परिकल्पना है कि वे अपने संसाधनों की श्रेष्ठता सिद्ध करें अन्य संस्थान उनका अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति नए भारत की नई उम्मीदों तथा नई आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गर्व की बात रही है कि कोरोना काल में जहां विश्व में शैक्षणिक गतिविधियां भी रुक गई थीं, वहीं मध्यप्रदेश द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन, ओपन बुक परीक्षा से समय पर परिणाम घोषित कर अनूठा कार्य किया गया है, जो देश में एक मॉडल रहा है, जिसकी अन्य प्रदेशों द्वारा प्रशंसा की गई। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति शासकीय विश्वविद्यालयों में क्रियान्वित हो गई है। इस नीति की सफलता में निजी विश्वविद्यालयों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला जिलों एवं संभाग स्तर पर भी आयोजित करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रचार अधिक से अधिक करें।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग की कार्यशाला में सम्मिलित हुये।

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर भरत शरण सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर हमें ध्यान देना है। श्री सिंह ने नीति का क्रियान्वयन कैसे हो, कौन से क्षेत्र को ज्यादा केन्द्रित करना है, कैसे शिक्षा गुणवत्ता को बढ़ाना है, मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग आदि को गति देने पर जोर देने की बात कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने और वर्ष 2030 तक शत-प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात को हासिल करने के लिए हर स्तर पर अप्रोच करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 39 निजी विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव सदस्य (अकादमिक) डॉ. विश्वास चौहान सदस्य (प्रशासकीय), मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग तथा विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मध्यप्रदेश को जारी की जाये राशि

नई दिल्ली, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी से भेंट की। श्री सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में अंतर्गत तीनों किश्तों की 639 करोड़ 47 लाख रुपये आवंटित करने का आग्रह किया। उन्होंने अमृत योजना में केंद्रांश की शेष राशि 130 करोड़ रुपये और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी-एक) में केंद्रांश की राशि 104 करोड़ रुपये आवंटित करने का भी अनुरोध किया।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने श्री पुरी को बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में भोपाल और ग्वालियर शहरों ने भी वाटर प्लस के सभी मानदंड पूरे किये हैं। इन शहरों को वाटर प्लस प्रमाणन के लिए फिर से सत्यापन का अवसर देने का आग्रह किया।

श्री सिंह ने कहा कि आपके सहयोग एवं मार्गदर्शन में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं में मध्यप्रदेश आज देश में अग्रणी राज्य है। उन्होंने कहा कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 के बजट में घोषित जल जीवन मिशन (शहरी) और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी-2) शहरों में स्वच्छ जल, सीवेज ट्रीटमेंट और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्रियान्वयन में अत्यधिक महत्वपूर्ण साबित होंगी।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रथम चरण में मध्यप्रदेश देश में द्वितीय स्थान पर है तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि के द्वितीय चरण के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। स्मार्ट सिटी मिशन अंतर्गत 'इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्टेस्ट 2020' में राज्य को देश में द्वितीय स्थान का गौरव प्राप्त हुआ तथा मध्यप्रदेश के 5 शहरों को विभिन्न श्रेणियों में कुल 11 अवॉर्ड प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश के द्वारा 8 लाख से अधिक आवासों को स्वीकृत कर 4 लाख से अधिक आवासों का निर्माण अल्प समय में पूरा किया है। अमृत योजना में मध्यप्रदेश में 199 परियोजनाओं में से 135 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं तथा शेष 64 परियोजनाओं में से 57 परियोजनाएं भी मार्च 2022 तक पूर्ण कर ली जायेंगी। केवल 7 परियोजनाओं को पूरा करने में मार्च 2023 तक का समय लगेगा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में मध्यप्रदेश को तृतीय स्थान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

महमूद एल. कोमी

हवा से पानी बनाने वाला रोबोट बनाया

इजिप्ट के 28 वर्षीय इंजीनियर महमूद एल. कोमी ने

रेगिस्तान में हवा से पानी बनाने वाला रोबोट तैयार किया है। इस रोबोट का नाम इलू रखा गया है। यह हवा में मौजूद नमी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से पानी में बदलता है। इसे रिमोट से कंट्रोल किया जा सकता है। इसे ऐसी तकनीक से तैयार किया गया है, जिसमें खर्च कम आता है और ज्यादा पानी तैयार किया जा सकता है। इंजीनियर के अनुसार रोबोट मंगल ग्रह पर भी नमी को एब्जॉर्ब करके पानी बना सकता है।

फुयुकि कोनो

इंडोर स्काई डाइविंग में विश्व रिकॉर्ड बनाया

जापान के सौतामा में 13 साल की फुयुकि कोनो ने इंडोर

स्काई डाइविंग में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने एक मिनट में हवा में 78 फ्रंट स्पिलिट और 60 क्षैतिज चक्कर लगाकर दो रिकॉर्ड बनाए हैं। रिकॉर्ड बनाने के बाद फुयुकि का कहना है कि तीन महीने की लगातार ट्रेनिंग और अभ्यास के बाद उन्हें यह सफलता मिली। उन्होंने दो साल पहले पढ़ाई के दौरान इंडोर स्काई डाइविंग शुरू की थी।

बिलीमोरा-वघई ट्रेन

आठ माह बाद दोबारा शुरू

गुजरात की 114 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बिलीमोरा-

वघई ट्रेन 8 महीने बाद एक बार फिर पटरी पर दौड़ने लगी। कमाई कम होने के चलते इसे पिछले दिसंबर में बंद कर दिया गया था। इस बार इसमें एक एसी कोच भी जोड़ा गया है। वारली पेंटिंग्स से एसी कोच को अंदर और बाहर सजाया गया है। बिलीमोरा से वघई को जोड़ने वाली यह ट्रेन सयाजी गायकवाड़ शासनकाल में 1892 में आरंभ की गई थी।

श्रीलंका में

अस्सी साल बाद हाथी के जुड़वां बच्चे जन्मे

श्रीलंका में हाथियों के संरक्षण के लिए बने एक केंद्र में

80 साल बाद सुरांगी नाम की हथिनी ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। साल 1941 के बाद पहली बार श्रीलंका के किसी केंद्र में जुड़वा हाथियों का जन्म हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार मादा हाथियों में जुड़वा बच्चे होने की संभावना एक प्रतिशत से भी कम होती है। इसके साथ ही दोनों बच्चों के जिंदा रहने की संभावना भी बहुत कम रहती है।

टिम कुक

दुनिया के सबसे सफल सीईओ बने

एपल के सीईओ टिम कुक दुनिया के सबसे सफल सीईओ बन गए हैं। एपल में 10 साल तक सीईओ रहने वाले टिम कुक ने कंपनी को 2 ट्रिलियन वैल्यू वाली

सबसे मूल्यवान कंपनी बनाने में मदद की। अभी कंपनी का मार्केट कैप 190.18 लाख करोड़ रुपये है। दुनिया की किसी भी कंपनी के सीईओ ने उनके जैसा प्रदर्शन नहीं किया। कंपनी के प्रति समर्पण, विस्तार और उसे पूरे संयम के साथ चलाने के लिए नित नए इनोवेशन ने उन्हें इस बुलंदियों तक पहुंचाया।

राजकुमार

सितार वादन में बनाया विश्व रिकॉर्ड

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर के रहने वाले संगीत शिक्षक

राजकुमार ने सितार वादन में विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने लगातार 32 घंटे 34 मिनट तक सितार बजाया। इससे पहले केरल के राधाकृष्णनन मनोहरन ने अक्टूबर, 2017 में 29 घंटे आठ मिनट तक सितार वादन कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया था। राजकुमार वर्तमान में दिल्ली के सरकारी प्रतिभा विकास स्कूल में संगीत शिक्षक हैं।

भारतीय वैज्ञानिकों ने

तीन महाविशाल ब्लैक होल खोजे

भारतीय वैज्ञानिकों ने तीन महाविशाल ब्लैक होल खोजे

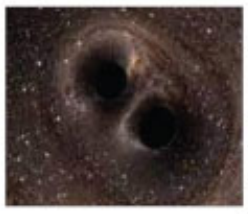

हैं। ये सभी आपस में जुड़ी गैलेक्सीज में पाए गए हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ऐस्ट्रोफिजिक्स के रिसर्चर्स की टीम ने फ्रांस के रिसर्चर्स के साथ मिलकर यह स्टडी की। इसमें ज्योति यादव, मौसुमी दास और सुधांशु बार्वे शामिल थे। महाविशाल ब्लैक होल डिटेक्ट करना मुश्किल होता है, क्योंकि इनसे कोई रोशनी नहीं निकलती, लेकिन आसपास के ब्रह्मांड पर इनके असर से इन्हें डिटेक्ट किया जा सकता है।

तमन्ना भाटिया

पुस्तक बैक टू द रूट्स लॉन्च की

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी किताब 'बैक टू द

रूट्स' लॉन्च की। तमन्ना भाटिया ने इस किताब को सेलिब्रिटी लाइफस्टाइल कोच ल्यूक कॉटिन्हो के साथ लिखा है। इस किताब में भारत के स्वास्थ्य और कल्याण के प्राचीन रहस्यों के बारे में जानकारी मिलती है। तमन्ना भाटिया का इस पर कहना है कि भारत स्वस्थ जीवन पर सदियों पुराने ज्ञान से भरा पुस्तकालय है। अब समय आ गया है कि हम स्वस्थ रहने के अपने पारंपरिक तरीकों पर दोबारा गौर करें और इस ज्ञान का इस्तेमाल करें।

आयुष मंत्रालय ने

आयुष आपके द्वार अभियान शुरू किया

आयुष मंत्रालय ने आजादी के अमृत महोत्सव समारोह

के एक हिस्से के रूप में 'आयुष आपके द्वार' नामक एक अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य एक वर्ष में 75 लाख घरों में औषधीय पौधों को वितरित करना है। इस अभियान का उद्घाटन केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मुंबई में किया। इस दौरान नागरिकों को औषधीय पौधे वितरित किए गए। नागरिकों को तेजपत्ता, स्टीविया, अशोक, गिलोय, अश्वगंधा, लेमनग्रास, तुलसी, सर्पगंधा और आंवला के पौधे दिए गए।

अतुल भट्ट

आरआईएनएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त

अतुल भट्ट को राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल) का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति उनके पदभार संभालने की तारीख से उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख

30 नवंबर, 2024 तक की गई है। भट्ट इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की सलाहकार कंपनी मेकॉन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक थे। 25 जून को लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने आरआईएनएल के सीएमडी पद के लिए भट्ट के नाम की सिफारिश की थी।

हर्षा भूपेंद्र बंगारी

एक्जिम बैंक की प्रबंध निदेशक नियुक्त

सरकार ने हर्षा भूपेंद्र बंगारी को भारतीय निर्यात-

आयात बैंक (एक्जिम बैंक) का प्रबंध निदेशक (MD) नियुक्त किया है। इससे पहले बंगारी एक्जिम बैंक में उपप्रबंध निदेशक के पद पर तैनात थीं। उन्हें तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। वह मौजूदा एमडी डेविड रसकिन्हा की जगह लेंगी, जिन्हें 20 जुलाई 2014 को पांच साल के लिए नियुक्त किया गया था।

एस.एल. त्रिपाठी

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त

सरकार ने एस.एल. त्रिपाठी को यूनाइटेड इंडिया

इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। वह वर्तमान में द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी में महाप्रबंधक और निदेशक हैं। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का मुख्यालय चेन्नई में स्थित है। इसकी स्थापना 18 फरवरी 1938 को की गई थी।

तमिलनाडु

देश का पहला डुगोंग संरक्षण रिजर्व बनेगा

तमिलनाडु में भारत का पहला डुगोंग संरक्षण रिजर्व

स्थापित किया जाएगा। डुगोंग को सी काउ अर्थात् समुद्री गाय कहा जाता है। यह एक लुप्तप्राय समुद्री स्तनपायी है। समुद्री प्रदूषण और समुद्री घास में होने वाली कमी के कारण यह विलुप्त होने की कगार पर है। सामुदायिक भागीदारी से सरकार इस प्रजाति की रक्षा के लिए 500 किमी. क्षेत्र में डुगोंग समुद्री संरक्षण रिजर्व स्थापित करेगी।

डॉ. पी.पी.के. रामाचार्युलु

राज्य सभा के महासचिव नियुक्त

डॉ. पी.पी.के. रामाचार्युलु को राज्य सभा का महासचिव

नियुक्त किया गया है। राज्य सभा के सभापति श्री एम. वेंकैया नायडू ने डॉ. रामाचार्युलु को सर्वोच्च पद पर अगले आदेश तक नियुक्त किया। डॉ. रामाचार्युलु 2018 से राज्य सभा सचिवालय में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। वह दीपक वर्मा का स्थान लेंगे। वर्मा ने चार साल की सेवा के बाद महासचिव के पद से त्यागपत्र दे दिया था। डॉ. रामाचार्युलु को संसद के कामकाज के विभिन्न पहलुओं को संभालने का लगभग 40 वर्षों का अनुभव है।

कोयला मंत्रालय

टास्क फोर्स और विशेषज्ञ समिति गठित की

कोयला मंत्रालय ने कोयला आधारित हाइड्रोजन

उत्पादन के लिए रोड मैप तैयार करने के लिए टास्क फोर्स और विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। एक समिति कार्यक्रम की देखरेख करेगी, वहीं दूसरी विशेषज्ञों द्वारा मंत्रालय का मार्गदर्शन करने के लिए गठित की गई है। 75वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की थी। इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से प्राकृतिक गैस (ग्रे हाइड्रोजन) और नवीकरणीय ऊर्जा (ग्रीन हाइड्रोजन) के अलावा कोयला हाइड्रोजन बनाने (ब्राउन हाइड्रोजन) के महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक है।

राष्ट्रपति

नेवल एविएशन को ध्वज प्रदान किया

राष्ट्रपति और भारतीय सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर

श्री राम नाथ कोविंद ने आईएनएस हंस, गोवा में भारतीय नेवल एविएशन को ध्वज प्रदान किया। शांति और युद्ध दोनों में राष्ट्र को दी गई असाधारण सेवा के सम्मान में, एक सैन्य इकाई को राष्ट्रपति का ध्वज प्रदान किया जाता है। नेवल एविएशन ने पिछले सात दशकों में हमारे राष्ट्र के लिए उल्लेखनीय और वीरतापूर्ण सेवा के साथ खुद को प्रतिष्ठित किया है। भारतीय नौसेना 27 मई 1951 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद से ध्वज प्राप्त करने वाली पहली भारतीय सशस्त्र सेना थी।

कोल इंडिया लिमिटेड ने

स्पेक्ट्रल एंहासमेंट सॉफ्टवेयर किया शुरू

कोयला मंत्रालय के तहत कोल इंडिया लिमिटेड

(सीआईएल) ने 'स्पेक्ट्रल एंहासमेंट' (एसपीई) नाम का एक नया सॉफ्टवेयर शुरू किया है। यह कोयला अन्वेषण प्रक्रिया के दौरान भूकंपीय सर्वेक्षण का उपयोग करके पृथ्वी की सबसे ऊपरी सतह (क्रस्ट) के नीचे पतले कोयले के निशानों की पहचान करने और कोयला संसाधनों के मूल्यांकन में सुधार करने में सहायता करेगा। सीआईएल की अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) शाखा सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) ने गुजरात एनर्जी रिसर्च एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (जीईआरएमआई) के सहयोग से यह सॉफ्टवेयर विकसित किया है।

स्मृति शेष

फ्रांस के पूर्व फुटबॉलर जीन पियरे एडम्स का निधन

फ्रांस के पूर्व फुटबॉलर जीन पियरे एडम्स का

73 साल की उम्र में निधन हो गया। एडम्स पिछले 39 साल से कोमा में थे। साल 1982 में घुटने के ऑपरेशन से पहले उन्हें एनेस्थेटिक दिया गया था। इससे वे कोमा में चले गए और फिर होश में नहीं आ पाए। एडम्स डिफेंडर की पोजीशन में खेला करते थे। वे नीस और पेरिस सेंट जर्मन जैसे क्लब के लिए भी खेले। उन्होंने 1972 से 1976 के बीच 22 बार फ्रांस का प्रतिनिधित्व किया था। नीस क्लब के लिए उन्होंने सबसे ज्यादा 140 मैच खेले।

पूर्व सांसद और पत्रकार श्री चन्दन मित्रा का निधन

पूर्व राज्य सभा सांसद और पत्रकार श्री चंदन

मित्रा का निधन हो गया है। मित्रा पायनियर के संपादक भी रहे। उनके निधन पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट करके लिखा है, "श्री चंदन मित्र जी को उनकी बुद्धि और अंतर्दृष्टि के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने मीडिया के साथ-साथ राजनीति की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई उनके निधन से आहत हूं। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना शांति।"

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

COMPUTER PROFICIENCY CERTIFICATION TEST

Madhya Pradesh Agency for Promotion of Information Technology
State IT Center, 47-A, Arera Hill, Bhopal-462011
EXAM REGISTRATION OPENS

MAP_IT/CPCT/Exam/2021

म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु **संविदा/नियमित नियुक्तियों** के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि :17 अक्टूबर 2021, रविवार | **पंजीयन तिथि:08 सितम्बर 2021 से 28 सितम्बर 2021**

आवेदन-पत्र में संशोधन करने की तिथि : 30 सितम्बर 2021 से 02 अक्टूबर 2021

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- अभ्यर्थियों को सुचित हो कि CPCT पंजीयन आधार क्रमांक (UIDAI) से किया जाये।
- जिन अभ्यर्थियों का आधार क्रमांक CPCT में पंजीबद्ध नहीं है, वह CPCT पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर अपना आधार क्रमांक पंजीबद्ध कराएं।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल (**www.cpct.mp.gov.in**) पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।
- CPCT परीक्षा का संचालन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान परीक्षा कराने के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जायेगा।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए **आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे।** आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/101870/45934/2021 — अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी

Note : MAPIT द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, Indore, 1st Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE - 452001 (M.P.)
E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in

No. MPIDC/R.O.-INDORE/TECH/2021/11409 — **Date : 06.09.2021**

NOTICE INVITING TENDER

MPIDC Regional Office Indore (formerly known as MPAKVN(I) Ltd., Indore) invites online percentage rate tenders from eligible contractors registered in MPPWD and having relevant experience individually through e-portal : **https://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** as mentioned below :-

S. No.	Name of work	PAC	Cost of tender form	EMD	Last date of submission
1.	Laying of 1200 mm dia Storm Water pipeline at I/A Dewas No. 2 & 3, Distt. Dewas.	Rs. 20,30,293/- + GST	Rs. 5900/- (i/c GST)	Rs. 40,606/-	22.09.2021
2.	Jungle Clearance along the all roads of I/A Sector-2 & 3 Dewas.	Rs. 7,97,349/- + GST	Rs. 2360/- (i/c GST)	Rs. 15947/-	22.09.2021

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
Note : The NIT will be uploaded on website of e-procurement system - **http://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** within **3 days** from publication in news paper.

M.P. Madhyam/101858/45931/2021 — **EXECUTIVE ENGINEER**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. – 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 956 (PMGSY-B.W)

No./12732/22/D-12/MPRRDA/2021 — **Bhopal, Dated : 08.09.2021**

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **Name of Work :** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction
- **Table 1 - SSR Applicable :** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from **05.11.2019** and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Sagar	1	32426000/-

1. Bid document may be purchase online from **13.09.2021 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **29.09.2021 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/101896/45941/2021 — **(T & E-G)**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

(मध्यप्रदेश शासन द्वारा अधिनियम 2006, (क्र. 15 सन् 2008) द्वारा स्थापित), वेबसाइट : www.mpsvv.ac.in, फोन नं. : 0734-2922039

प्रवेश अधिसूचना 2021-22 नवीन शिक्षा नीति के अनुसार

विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों में संचालित निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

आचार्य- द्विवर्षीय स्नातकोत्तर (PG) पाठ्यक्रम, **विषय-** शुक्लयजुर्वेद/नव्यव्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/सिद्धान्त ज्योतिष/अद्वैत वेदान्त दर्शन

M.A.- द्विवर्षीय स्नातकोत्तर (PG) पाठ्यक्रम, **विषय-** संस्कृत/ज्योतिर्विज्ञान/योग/वास्तु-शास्त्र

शास्त्री- चतुर्वर्षीय स्नातक (UG) पाठ्यक्रम, **विषय- Core-1 :** शुक्लयजुर्वेद/नव्यव्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/न्यायदर्शन/सिद्धान्त ज्योतिष
Core-2 : हिन्दी साहित्य/अंग्रेजी साहित्य/योग/कर्मकाण्ड/संगीत गायन/कम्प्यूटर एप्लीकेशन/प्राचीन इतिहास/समाजशास्त्र/राजनीतिशास्त्र/अर्थशास्त्र

B.A. ऑनर्स Core-1 : संस्कृत - चतुर्वर्षीय स्नातक (UG) पाठ्यक्रम
Core-2 : हिन्दी साहित्य/अंग्रेजी साहित्य/योग/कर्मकाण्ड/संगीत गायन/कम्प्यूटर एप्लीकेशन/प्राचीन इतिहास/समाजशास्त्र/राजनीतिशास्त्र/अर्थशास्त्र

B.A. B.Ed. & Core-1 : चार वर्षीय स्नातक (UG) पाठ्यक्रम
Core-2 : हिन्दी साहित्य/अंग्रेजी साहित्य/योग/कर्मकाण्ड/संगीत गायन/कम्प्यूटर एप्लीकेशन/प्राचीन इतिहास/समाजशास्त्र/राजनीतिशास्त्र/अर्थशास्त्र

एक वर्षीय (PG) डिप्लोमा पाठ्यक्रम, **विषय-** योग/पौरोहित्य/पीजीडीसीए

एक वर्षीय (UG) डिप्लोमा पाठ्यक्रम, **विषय-** योग/ज्योतिष/वास्तु/संस्कृत सम्भाषण/वैदिक गणित/मन्दिर प्रबन्धन/पर्यटक मार्गदर्शन

मासिक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, विषय-संस्कृतवाग्व्यवहार/हस्तरेखाविज्ञान/प्रश्नशास्त्र/शकुनविज्ञान/रत्नज्योतिष/विवाहविमर्श/मुहूर्तविज्ञान/रूद्राभिषेकविधान/दुर्गासप्तशती पाठविधि/महामृत्युंजयजपविधान/गृहप्रवेशवास्तुशान्ति/अवन्तीजनपद का सांस्कृतिक अध्ययन/श्रीमद्भगवद्गीतापाठविधान।

प्रवेश से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखें- www.mpsvv.ac.in

सम्पर्क करें : 9737793210, 9425464550, 9479479986, 9407832142, 8827087772, 9893926689

म.प्र. माध्यम/101863/45933/45933/2021 — **कुलसचिव**

एम.पी. इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

क्षेत्रीय कार्यालय, टी.व्ही. टावर के पास, उद्योग भवन कटंगा जबलपुर (म.प्र.)

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

क्र.-एमपी आईडीसी/क्षे.का.ज./तक./2021/2103 जबलपुर, दिनांक 09.09.2021 निम्नलिखित कार्य हेतु सक्षम निविदाकारों से ऑनलाइन निविदा **mptender.gov.in** के द्वारा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 01.10.2021 समय अपरान्ह 5.30 बजे** तथा ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की **अंतिम दिनांक 05.10.2021 समय सायं 5.30 बजे तक** है। निविदा से संबंधित जानकारी निगम मुख्यालय जबलपुर से कार्यालयीन दिवसों में **दिनांक 01.10.2021 तक** प्राप्त की जा सकती है।

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु.	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य की अनुमानित राशि
औद्योगिक पार्क लमतरा जिला कटनी में अधोसंरचना विकास का कार्य।	रुपये 4.08 लाख	रुपये 17700.00	रुपये 407.23 लाख

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। कंडीशनल निविदायें निरस्त समझी जावेंगी। दिनांक 05.10.2021 ऑनलाइन निविदा लिफाफा "अ" तथा "ब" उपरोक्त पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है।

म.प्र. माध्यम/101902/45944/2021 — **कार्यपालन यंत्री**

वन्य जीवों की प्रचुरता के लिए मशहूर कान्हा नेशनल पार्क

भोपाल, मध्यप्रदेश में स्थापित नेशनल पार्कों के प्रति देशी पर्यटकों के साथ विदेशी पर्यटक बहुत तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इनमें से एक है कान्हा नेशनल पार्क। यह पार्क वन सम्पदा, वन्य जीवों की प्रचुरता और जैविकी विविधताओं से लबरेज है।

कान्हा नेशनल पार्क विलक्षण और अद्वितीय प्राकृतिक आवास के लिए जाना जाता है। कान्हा का संपूर्ण वन क्षेत्र वैभवशाली अतीत को आज भी संजोए हुए है, जिसकी वजह से यह पार्क देशी-विदेशी पर्यटकों को बरबस अपनी ओर खींचता है।

मण्डला और बालाघाट जिले की सीमा से लगा यह पार्क प्राकृतिक और पर्यावरणीय गौरव के लिए जाना जाता है। क्षेत्रफल के लिहाज से यह देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय पार्कों में शुमार है।

कोर वन मण्डल (राष्ट्रीय उद्यान) एवं बफर जोन वन मण्डल कान्हा टाइगर रिज़र्व के अन्तर्गत आते हैं। इन दोनों वन मण्डल का क्षेत्रफल क्रमशः 940 और 1134 वर्ग किलोमीटर है। राष्ट्रीय उद्यान में 91 हजार 743 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल क्रिटिकल टाइगर हेबीटेट के रूप में अधिसूचित है। इसके अलावा टाइगर रिज़र्व के अधीन एक वन्य-प्राणी अभ्यारण्य सेटेलाइट मिनी कोर-फेन अभ्यारण्य है, जो 110.74 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है।

बाघ और तेंदुए सहित अनेक वन्य-जीव हैं मौजूद

टाइगर रिज़र्व में वन्य-प्राणी गणना आकलन 2020 के अनुसार 118 बाघ और 146 तेंदुए मौजूद हैं। बाघों में 83 वयस्क और 35 शावक बाघ हैं। इसके अलावा जंगली कुत्ता, लकड़बग्घा, सियार, भेड़िया, भालू (रीछ), लोमड़ी, जंगली बिल्ली, जंगली सुअर, गौर, चीतल, बारासिंघा, सांभर, मेंढक-मेढ़की, चौसिंघा, नीलगाय, नेवला, पानी कुत्ता (ऊद बिलाव), सेही, लंगूर, बंदर और मोर प्रजाति के वन्य-जीव उपलब्ध हैं। साथ ही स्तनधारियों की तकरीबन 43 प्रजाति, पक्षियों की 325, सरीसृप की 39, कीट की 500, मकड़ी की 114 और पतंगों और तितलियों की भी अनेक प्रजाति पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं।

पार्क के यह स्थल हैं बेहद खास

फेन अभ्यारण्य - टाइगर रिज़र्व की विशेष इकाई फेन अभ्यारण्य है। वर्ष 1983 में 110 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र फेन अभ्यारण्य घोषित हुआ। यह क्षेत्र वन्य-जीव के आवासीय स्थल के रूप में पिछले वर्षों से काफी विकसित हुआ है। इस क्षेत्र में पूर्व में 38 मवेशी गाय, भैंस रहकर वन क्षेत्र को नष्ट किया करती थी। वर्ष 1997-98 के मध्य यहां से सभी शिविरों को विशेष मुहिम से हटा दिया, तब से यहां के वन काफी अच्छे हो गए हैं, जिससे अब यहां बाघ, तेंदुआ, बायसन, चीतल, सांभर, जंगली कुत्ता आदि विचरण करते दिखाई देते हैं।

श्रवणताल - कान्हा से 4 किलोमीटर की दूरी पर श्रवणताल है। पौराणिक मान्यता अनुसार राजा दशरथ के तीर से मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार की मृत्यु इसी स्थान पर होना माना जाता है। यहां कई साल पहले तक मकर संक्रांति का मेला लगता था। श्रवणताल में वर्ष भर पानी रहता है, जिसके कारण नीचे स्थित मेन्हरनाला और देशीनाला क्षेत्र में पानी रिसने से हमेशा नमी बनी रहती है, जो बाघ के लिए उपयुक्त आवास है। बारासिंघा पानी में घुसकर यहां जलीय पौधों को अपना भोजन बनाते हैं।

किसली मैदान (चुप्पे मैदान) - पार्क का यह मुख्य प्रवेश द्वार है। वर्ष 1986-87 में यहां बसे लोगों को पार्क के बाहर कपोट बहरा में विस्थापित किया गया था। ढाई दशक पहले यहां आरा मिल का ऑफिस लगा करता था।

डिगडोला - किसली परिक्षेत्र के उत्तर पूर्व पहाड़ी में एक बैलेंसिंग रॉक संतुलित चट्टान पर अपना संतुलन बनाये रखी है। इस क्षेत्र को डिगडोला कहते हैं। आदिवासियों के लिए यह पूजा स्थल के रूप में विख्यात है।

कान्हा मैदान - कान्हा के चारों ओर घास के मैदान स्थित हैं। यहां पहले खेती हुआ करती थी। विस्थापन में 26 परिवारों को वर्ष 1998-99 में मानेगांव में बसाया गया। इसके बाद खेत घास के मैदान में परिवर्तित हो गये, जिसके कारण शाकाहारी वन्य-प्राणियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई।

कान्हा एनीकट - देशीनाला में बना एनीकट जल संवर्धन के साथ वन्य जीवों के लिये बहु-उपयोगी माना जाता है। इस एनीकट का निर्माण 72 साल पहले हुआ था।

चुहरी - कान्हा से 3 किलोमीटर की दूरी पर चुहरी क्षेत्र है। पानी वाली जगह का चुहरी कहा जाता है। यह क्षेत्र बाघों के आवास के लिए उपयुक्त माना जाता है।

बारासिंघा फेंसिंग - इसका निर्माण पचास साल पहले हुआ था। बारासिंघा का संवर्धन इसी क्षेत्र में ही किया जाता है। इनके संबंध में अनुसंधान/अनुश्रवण आदि के कार्नीवोरस प्रूफ फेंसिंग के अंदर कुछ बारासिंघा को आवश्यकतानुसार यहाँ पर रखा जाता है। बारासिंघा की संख्या में वृद्धि होने पर उन्हें बाद में मुक्त कर दिया जाता है।

बिसनपुरा - कान्हा-मुक्की मार्ग में बिसनपुरा मैदान स्थित है। पहले इस स्थान में छोटा गांव हुआ करता था। वर्ष 1974-76 के मध्य यहां से 13 परिवारों को विस्थापित करके भिलवानी वनग्राम समूह में बसाया गया। वर्तमान में इस स्थान में काफी अच्छे चारागाह विकसित हो जाने से, काफी संख्या में पर्णभक्षी आते हैं। पानी की प्रचुर मात्रा रहने से कान्हा की तरफ से पहाड़ पार से वन्य-जीव का इधर आवागमन काफी अच्छा रहता है। इस इलाके में बारहसिंगा, चीतल, बायसन, जंगली सुअर, भालू और गिद्ध दिखाई देते हैं।

हर साल बढ़ती है पर्यटक संख्या

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक नियमित रूप से 'कान्हा टाइगर रिज़र्व' पहुंचते हैं। यह सामान्यतः अक्टूबर से 30 जून तक खुला रहा करता है। नेशनल पार्क में प्रवेश के लिए खटिया, किसली, सरही एवं मुक्की 4 गेट हैं। इसी प्रकार मध्यप्रदेश टूरिज़्म सहित अन्य बड़े घरानों के होटल भी हैं। वर्ष 2019-2020 में कोर जोन में 90 हजार 135 देशी, 13 हजार 875 विदेशी और बफर जोन में 13 हजार 928 देशी तथा 305 विदेशी पर्यटकों ने पर्यटन किया। वर्ष 2020-2021 में कोर जोन में डेढ़ लाख से ज्यादा देशी और 109 विदेशी पर्यटक आए। बफर जोन में 19 हजार 395 देशी तथा 6 विदेशी पर्यटकों ने पर्यटन किया। वर्ष 2020-21 में कोर जोन में कुल डेढ़ लाख से ज्यादा तथा बफर जोन में 19 हजार 401 पर्यटक आए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खण्ड मंदसौर

दूरभाष क्रमांक - 07422-256284, फैक्स - 07422-255215
महू नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मंदसौर, E-mail : eephedmas@mp.nic.in

NIT No. 22/2021-22

क्रमांक 2651/व.ले.लि./का.यं./2021 **मंदसौर, दिनांक : 02.09.2021**

निम्नलिखित कार्य की निविदा आमंत्रण सूचना वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

टेंडर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्र.	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2021_PHED_158024_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड भानपुरा समूह क्र.-एक** के ग्रामों की 66 नग **स्कूलों एवं** 41 नग **आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	12612161/-	1. 126122/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**16.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_158028_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड गरोठ समूह क्र.-एक** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं** 40 नग **आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	16.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_158031_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड गरोठ समूह क्र.-दो** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं** 40 नग **आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	16.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_158034_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड गरोठ समूह क्र.-तीन** के ग्रामों की 79 नग **स्कूलों एवं** 50 नग **आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	11677926/-	1. 116779/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	16.09.2021 17.30 तक
2021_PHED_158045_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड गरोठ समूह क्र.-चार** के ग्रामों की 12 नग **स्कूलों एवं** 14 नग **आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	6072522/-	1. 60725/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	16.09.2021 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाइन उक्त वेबसाइट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। **नोट** :- निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाइट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वा.यां.खंड मंदसौर
फोन नं. - 07422232190

जी-16490/45925/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खण्ड मंदसौर

दूरभाष क्रमांक - 07422-256284, फैक्स - 07422-255215
महू नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मंदसौर, E-mail : eephedmas@mp.nic.in

NIT No. 21/2021-22

क्रमांक 2604/व.ले.लि./का.यं./2021 **मंदसौर, दिनांक : 03.09.2021**

निम्नलिखित कार्य की निविदा आमंत्रण सूचना वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

टेंडर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्र.	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2021_PHED_157336_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड सीतामऊ समूह क्र.-एक** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157340_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड सीतामऊ समूह क्र.-दो** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157341_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड सीतामऊ समूह क्र.-तीन** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157342_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड सीतामऊ समूह क्र.-चार** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157347_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड सीतामऊ समूह क्र.-पांच** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157349_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड सीतामऊ समूह क्र.-छः** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों** पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157354_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड सीतामऊ समूह क्र.-सात** के ग्रामों की 21 नग **आंगनवाड़ियों** में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	4904729/-	1. 50000/- 2. प्रथम आमंत्रण	45 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157429_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड मंदसौर समूह क्र.-एक** के ग्रामों की 40 नग **आंगनवाड़ियों** में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157430_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड मंदसौर समूह क्र.-दो** के ग्रामों की 40 नग **स्कूलों** में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157431_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड मंदसौर समूह क्र.-तीन** के ग्रामों की 13 नग **स्कूलों** में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	3036261/-	1. 50000/- 2. प्रथम आमंत्रण	30 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157432_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड मल्हारगढ़ समूह क्र.-एक** के ग्रामों की 40 नग **स्कूल एवं आंगनवाड़ियों** में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	9342341/-	1. 93423/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक
2021_PHED_157433_1	मंदसौर जिले के **विकासखंड मल्हारगढ़ समूह क्र.-दो** के ग्रामों की 43 नग **स्कूल एवं आंगनवाड़ियों** में पेयजल व्यवस्था आदि समस्त कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	10043017/-	1. 100430/- 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	**14.09.2021** 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाइन उक्त वेबसाइट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
नोट :- निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाइट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां.खंड मंदसौर
फोन नं. - 07422232190

जी-16493/45926/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालाघाट
ई-टेंडरिंग निविदा आमंत्रण

बालाघाट जिले के विकासखण्डों के ग्रामों में 150 मि.मी. व्यास के साधारण नलकूप खनन कार्य की मुहरबंद निविदा प्रपत्र "अ 2.10" (प्रतिशत दर) में एम.पी. टेण्डर्स पद्धति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है जो कि एम.पी. टेण्डर्स सिस्टम पोर्टल के **http://mptenders.gov.in** द्वारा निर्धारित शेड्यूल के अनुसार निविदा प्रक्रिया की जावेंगी।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-टेण्डरिंग पद्धति क्रमांक	निविदा क्रमांक/ आमंत्रित दिनांक	कार्य की अनु. लागत (राशि रु. लाख में)	धरोहर राशि (अर्नेस्ट मनी) रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा प्रपत्र क्रय करने की एवं दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	ऑनलाइन खुलने की तिथि	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
2021_PHED_157500_1	67/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन
2021_PHED_157501_1	68/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157502_1	69/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157503_1	70/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157504_1	71/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157505_1	72/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157507_1	73/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157508_1	74/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157509_1	75/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157510_1	76/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157512_1	77/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	
2021_PHED_157513_1	78/ 31.08.2021	19.61	39250/-	2000/-	2 माह	20.09.2021	22.09.2021	

निविदा आमंत्रण सूचना, विस्तृत विवरण एवं Key dates की जानकारी वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

नोट - 1. सभी इच्छुक ठेकेदार ई-टेंडरिंग पोर्टल (**http://mptenders.gov.in**) में पंजीयन करायें।

2. "निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। यह संशोधन केवल **http://mptenders.gov.in** पर ही प्रकाशित किये जयोंगे" निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क क्रेडिट कार्ड, ए.टी.एम. कम डेविट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाइन पर ही क्रय किये जा सकतें हैं। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बालाघाट (म.प्र.)
(07632-241131)

जी-16453/45915/2021

SECTION - 1
NOTICE INVITING TENDER
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
NATIONAL HEALTH MISSION DIVISION REWA

NHM Building Link Road 3, Patrakar Colony, Bhopal (M.P.)

NIT No. 05/2021-22/e-tendering/306 **Dated : 31.08.2021**

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and Firms of repute fulfilling registration criteria (Three Cover System from Sl. No. 1 to 6 & Two Cover System from Sl No. 7 to 9)

S. No.	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit EMD (Rs.)	Tender Cost Rs.	Period of Completion Including Rainy Season
1.	2021_DHS_157461	Construction of 3 No. Sub Health Center Building with CHO Quarter at Village **Khadbada, Louaar-paipkhar and Amirati** Block Sihawal District Sidhi.	131.64	131640/-	12500/-	12 Months
2.	2021_DHS_157462	Construction of 3 No. Sub Health Center Building with CHO Quarter at Village **Hatwa, Ghoghra and Titli** Block Sihawal District Sidhi.	131.64	131640/-	12500/-	12 Months
3.	2021_DHS_157463	Construction of 3 No. Sub Health Center Building with CHO Quarter at Village **Teodhri, Mouhar and Pipariya** Block Amarpatan and Uchehra District Satna.	131.64	131640/-	12500/-	12 Months
4.	2021_DHS_157464	Construction of 3 No. Sub Health Center Building with CHO Quarter at Village **Bijoura, Sohoula and Govindpur** Block Ramnagar District Satna.	131.64	131640/-	12500/-	12 Months
5.	2021_DHS_157465	Construction of 3 No. Sub Health Center Building with CHO Quarter at Village **Chandeiniya, Purwa and Bandha** Block Devsar District Singrouli.	131.64	131640/-	12500/-	12 Months
6.	2021_DHS_157466	Construction of 4 No. Sub Health Center Building with CHO Quarter at Village **Dodki, Jovgarh, Pedra and Barainiya** Block Devsar District Singrouli.	175.52	175520/-	12500/-	15 Months
7.	2021_DHS_157467	Construction of 2 No. Sub Health Center Building with CHO Quarter at Village **Majholi and Amha** Block Devsar District Singrouli.	87.76	87760/-	10000/-	9 Months
8.	2021_DHS_157468	Construction of 2 No. Sub Health Center Building with CHO Quarter at Village **Dhol and Bhitri** Block Sihawal and Rampurnaikin District Sidhi.	87.76	87760/-	10000/-	9 Months
9.	2021_DHS_157469	Water proofing, cement concrete, White washing, colour washing and other maintenance work At 40 Bed medical & surgical ward at District Hospital Shahdol.	22.71	45420/-	5000/-	6 Months
			1031.95			

1. Interested bidders can view the detailed NIT on the website https://mptenders.gov.in. 2. Tender Called on Civil and Electrical Work SOR dated 01.12.2020 with amendment up to NIT Issued date) 3. The Bid Document can be purchased only online from 04.09.2021 10.30 AM to 20.09.2021 17.30 PM. 4. The Earnest Money for should be in favour of State Health Society NHM Bhopal (From Sl. No. 1 to 8). 5. The Earnest Money for should be in favour of Rogi Kalyan Samiti District Shahdol (For Sl. No. 9). 6. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Executive Engineer

G-16457/45917/2021 **National Health Mission, Division Rewa, Bhopal (M.P.)**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
कोठी रोड, सिविल लाईन, सतना

एनआईटी नं. - 26/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पीआईयू/1539 **रीवा, दिनांक : 26.08.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 1. जोनल टेण्डर के माध्यम से पीआईयू सतना द्वारा निर्मित विभिन्न भवनों के अपूर्ण शेष निर्माण कार्यों एवं परफारमेंस गारंटी की अवधि में चल रहे विभिन्न शासकीय भवनों के संधारण का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2021_PWPIU_157583_1	सतना	50.00	50000/-	5000/-	12 माह	हाँ

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 01.09.2021 समय 09.00 से दिनांक 14.09.2021 समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-16509/45929/2021 **लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.), इकाई-सतना (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी (म.प्र.)

सम्राट चौराहा के पास, ई-मेल - ecphedsid@nic.in, फोन नम्बर - 07822-252296

निविदा सूचना क्रमांक 07/नि.प्र./व.ले.लि./का.य./लो.स्वा.यां.वि./21-22 **सीधी, दिनांक : 01.09.2021**

निम्न कार्यों हेतु निविदा का ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16.09.2021 सायं 5.30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 20.09.2021 को 11.00 बजे से 5.30 शाम तक है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

Name of work - Drinking Water Arrangement In School and Aganwadi in various Village of Sidhi District Including Installation of Submersible pump in the existing tubewell, Installation of readymade pump house Providing laying jointing and testing of blue MDPE pipes, installation of polyethylene water tank, fixing Censor, wash basine, providing tap connection complete work including cost of material and labours.

S. N.	Tender ID	Name of Scheme	Block	PAC (Rs. in Lakh)	EMD in Rs.	Cost of Tender	No. of Calls
1.	PHED/EE/157597_1	स्कूल-75	सीधी	186.75	186750/-	12500/-	First Call
2.	PHED/EE/157598_1	स्कूल-75	सीधी	186.75	186750/-	12500/-	First Call
3.	PHED/EE/157600_1	आंगनवाड़ी-75	सीधी	186.75	186750/-	12500/-	First Call
4.	PHED/EE/157601_1	आंगनवाड़ी-75	सीधी	186.75	186750/-	12500/-	First Call
5.	PHED/EE/157602_1	आंगनवाड़ी-75	सीधी	186.75	186750/-	12500/-	First Call
6.	PHED/EE/157603_1	स्कूल-60	सिहावल	149.40	149400/-	12500/-	First Call
7.	PHED/EE/157604_1	स्कूल-60	सिहावल	149.40	149400/-	12500/-	First Call
8.	PHED/EE/157605_1	स्कूल-60	सिहावल	149.40	149400/-	12500/-	First Call
9.	PHED/EE/157606_1	आंगनवाड़ी-60	सिहावल	149.40	149400/-	12500/-	First Call
10.	PHED/EE/157607_1	आंगनवाड़ी-60	सिहावल	149.40	149400/-	12500/-	First Call
11.	PHED/EE/157608_1	आंगनवाड़ी-60	सिहावल	149.40	149400/-	12500/-	First Call
12.	PHED/EE/157609_1	स्कूल-80	मझौली	199.20	199200/-	12500/-	First Call
13.	PHED/EE/157610_1	स्कूल-80	मझौली	199.20	199200/-	12500/-	First Call
14.	PHED/EE/157611_1	आंगनवाड़ी-75	मझौली	186.75	186750/-	12500/-	First Call
15.	PHED/EE/157613_1	आंगनवाड़ी-75	मझौली	186.75	186750/-	12500/-	First Call
16.	PHED/EE/157614_1	आंगनवाड़ी-80	मझौली/कुसमी	199.20	199200/-	12500/-	First Call
17.	PHED/EE/157615_1	स्कूल-75	कुसमी	186.75	186750/-	12500/-	First Call
18.	PHED/EE/157616_1	स्कूल-75	कुसमी	186.75	186750/-	12500/-	First Call
19.	PHED/EE/157618_1	स्कूल-75	कुसमी	186.75	186750/-	12500/-	First Call
20.	PHED/EE/157619_1	स्कूल-50	कुसमी	124.50	124500/-	12500/-	First Call

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग

जी-16486/45924/2021 **खण्ड सीधी (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक-01, होशंगाबाद (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 28/2021-22/e-Tender/Hbad **दिनांक : 25.08.2021**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

स. क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)
1.	2021_PWDRB_156610	हो.बाद	बीटी रिनीवल	होशंगाबाद उपसंभाग के अंतर्गत सेमरी से पथरई मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	प्रथम	33.99
2.	2021_PWDRB_156611	हो.बाद	बीटी रिनीवल	होशंगाबाद उपसंभाग के अंतर्गत बान्द्राभान (तवा पुल) सांगाखेड़ा मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	प्रथम	32.68
3.	2021_PWDRB_156612	हो.बाद	बीटी रिनीवल	होशंगाबाद उपसंभाग के अंतर्गत मुड़ियाखेड़ा सूरजकुंड गुढ़ला मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	प्रथम	64.13
4.	2021_PWDRB_156613	हो.बाद	बीटी रिनीवल	होशंगाबाद उपसंभाग के अंतर्गत ग्रुप ऑफ माइनर सिटी होशंगाबाद मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य। (जिला चिकित्सालय से कलेक्ट्रेट मार्ग)	प्रथम	57.45
5.	2021_PWDRB_156614	हो.बाद	बीटी रिनीवल	होशंगाबाद उपसंभाग के अंतर्गत गूजरवाड़ा कीरपुरा रजौन मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	प्रथम	21.38
6.	2021_PWDRB_156615	हो.बाद	भवन कार्य	सिवनी मालवा उपसंभाग में विधायक निधि से भीलट देव मंदिर के पीछे चबूतरा एवं टीन शेड का निर्माण कार्य।	प्रथम	2.68
7.	2021_PWDRB_156616	हो.बाद	भवन कार्य	सिवनी मालवा उपसंभाग में जेल के रहवासी भवनों में मरम्मत एवं वॉटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट कार्य।	प्रथम	4.13
8.	2021_PWDRB_156617	हो.बाद	भवन कार्य	पिपरिया उपसंभाग के अंतर्गत न्यायालय परिसर सोहागपुर में टीन शेड एवं कार पार्किंग का निर्माण कार्य।	प्रथम	3.92
9.	2021_PWDRB_156618	हो.बाद	सड़क कार्य	सिवनी मालवा उपसंभाग के अंतर्गत अमाड़ा से खटामा मार्ग का निर्माण कार्य।	चतुर्थ	4.46
10.	2021_PWDRB_156619	हो.बाद	निर्माण कार्य	सिवनी मालवा उपसंभाग के अंतर्गत नंदरवाड़ा सोमलवाड़ा मार्ग से सोमलवाड़ा हिरनखेड़ा मार्ग का निर्माण कार्य। (वि.नि.)	तृतीय	5.00
11.	2021_PWDRB_157519	हो.बाद	भवन मरम्मत कार्य	होशंगाबाद उपसंभाग के अंतर्गत जिला चिकित्सालय परिसर होशंगाबाद में जिला विकलांग पुनर्वास केंद्र भवन का मरम्मत कार्य।	प्रथम	4.97
				योग		**234.79**

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 17.09.2021 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्राप्त किए जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-16505/45927/2021 **लो.नि.वि. संभाग, होशंगाबाद**

दूरदर्शन स्थापना दिवस 15 सितंबर

दुनिया के सबसे बड़े लोक प्रसारकों में से एक है सूचना, संदेश और मनोरंजन प्रदान करने वाला दूरदर्शन

लोक प्रसारक यानी पब्लिक ब्रॉडकास्टर चैनल दूरदर्शन (डीडी) सूचना, संदेश और मनोरंजन प्रदान करने के साथ-साथ देश को एक सूत्र में बांधने का काम भी कर रहा है। तमाम चैनलों की भीड़ में दूरदर्शन की पहचान और कार्यशैली अपने आप में विशिष्ट है। आमजन का मनोरंजन करना हो या फिर उन तक सटीक सूचनाओं को पहुंचाना या उनको जागरूक करने का काम हो तीनों ही कार्यों को दूरदर्शन बखूबी अंजाम देता आ रहा है। 15 सितंबर 1959 को दिल्ली में एक छोटे से ट्रांसमीटर के माध्यम से दूरदर्शन की शुरुआत हुई थी, लेकिन आज यह अपनी 62 वर्षों की गौरवमयी यात्रा पूरा करते हुए पीढ़ियों और राष्ट्र को एकसूत्र में बांधते हुए 90 फीसदी आबादी तक अपनी पहुंच बना चुका है। विश्वसनीय गुणवत्तापूर्ण सामग्रियों के प्रसारण के जरिए इसने साबित कर दिया है कि यह एक भारत-श्रेष्ठ भारत के प्रतीकों में से एक है। वर्षों से पीढ़ी दर पीढ़ी अपने दर्शकों का मनोरंजन करते आ रहे दूरदर्शन की विश्वसनीयता ही उसकी यूएसपी है। रॉयटर्स इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ जर्नलिज़्म की डिजिटल रिपोर्ट-2021 के अनुसार लोक प्रसारक आकाशवाणी और दूरदर्शन समाचार के साथ-साथ प्रिंट मीडिया ने श्रोताओं और पाठकों के बीच अपना भरोसा कायम रखा है। ब्रांड ट्रस्ट स्कोर में 73-73 फीसदी भरोसा जीतकर डीडी न्यूज और ऑल इंडिया रेडियो क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

एक नजर इतिहास पर

ब्रेकिंग न्यूज देने की होड़ के दौर में दूरदर्शन ने सटीक, विश्वसनीय और ताजा जानकारी देने की अपनी परंपरा को कायम रखा है।

15 सितंबर 2021 को दूरदर्शन की स्थापना के 62 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी दिन 1959 को दूरदर्शन की शुरुआत प्रायोगिक तौर पर की गई थी। अपना 62 साल का लंबा सफर तय करते हुए दूरदर्शन आज दुनिया के सबसे बड़े लोक प्रसारकों में से एक बन चुका है और राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है, देश की कई पीढ़ियां दूरदर्शन देखकर बड़ी हुई हैं।

15 सितंबर 1959 को दिल्ली के छोटे से ट्रांसमीटर से प्रायोगिक तौर पर इसकी शुरुआत की गई थी, तब दूरदर्शन का नियमित प्रसारण नहीं होता था। 15 अगस्त 1965 से 5 मिनट के नियमित समाचार बुलेटिन की शुरुआत हुई थी। उस समय दूरदर्शन की पहली न्यूज रीडर बनने का गौरव प्रतिमा पुरी को हासिल हुआ था। दूरदर्शन के लोगो के नीचे 'सत्यम् शिवम् सुंदरम्' लिखा रहता है।

अब तक का सफर

दूरदर्शन के नियमित दैनिक प्रसारण की शुरुआत 1965 में आल इंडिया रेडियो के एक अंग के रूप में हुई। 1967 से दूरदर्शन में कृषि दर्शन कार्यक्रम शुरू किया गया जो दर्शकों में काफी लोकप्रिय हुआ। 1972 में दूरदर्शन की प्रसारण सेवा मुम्बई और अमृतसर तक विस्तारित की गई थी। 1975 तक यह देश के सिर्फ 07 शहरों तक ही सीमित था, जो अब देश के दूरदराज के गांवों तक उपलब्ध है। 1 अप्रैल 1976 को दूरदर्शन को ऑल इंडिया रेडियो (AIR) से अलग किया गया था। इसके राष्ट्रीय प्रसारण की शुरुआत 1982 में हुई थी, इसी वर्ष दूरदर्शन का स्वरूप रंगीन हो गया था, इससे पहले वह श्वेत-श्याम यानी ब्लैक एंड व्हाइट में प्रसारित होता था। 1987 में प्रसारित रामायण और 1989 में प्रसारित होने वाले महाभारत धारावाहिक ने दूरदर्शन को नई ऊंचाई प्रदान की थीं।

23 नवंबर 1997 को प्रसार भारती का गठन किया गया और तब से दूरदर्शन का प्रसारण इसके अंतर्गत किया जाने लगा। 2003 में 24 घंटे चलने वाले समाचार चैनल डीडी न्यूज की शुरुआत की गई थी, वहीं 2004 में निःशुल्क डीटीएच सेवा यानी डीडी डायरेक्ट की शुरुआत की गई। 26 मई 2015 को किसान भाइयों के लिए

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

डीडी किसान चैनल शुरू किया गया।

साल 2020 में एक बिलियन डिजिटल व्यूज और 6 बिलियन से अधिक डिजिटल वॉच मिनट के साथ प्रसार भारती के दूरदर्शन और आकाशवाणी के डिजिटल चैनलों ने 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। विभिन्न भारतीय भाषाओं में लगभग 1,500 रेडियो नाटक आकाशवाणी और दूरदर्शन के नेटवर्क पर उपलब्ध हैं, जिन्हें अब डिजिटल बनाकर यू-ट्यूब पर अपलोड किया जा रहा है।

कोरोनाकाल में फिर याद आए दूरदर्शन के 'सुनहरे दिन'

कोविड-19 महामारी के प्रकोप से बचाव के लिए जब मार्च, 2020 में 21 दिनों के लिए देशव्यापी लॉकडाउन लगाया गया था तब लोक सेवा प्रसारक ने 80 के दशक के पौराणिक धारावाहिकों 'रामायण' और 'महाभारत' को पुनः प्रसारित करने का फैसला किया था। यह निर्णय दर्शकों को घर पर आकर्षक मनोरंजन मुहैया कराने के लिए लिया गया था। इसी तरह, सार्वजनिक मांग के आधार पर लोक प्रसारक ने महाभारत और रामायण के साथ-साथ अपने कुछ अन्य प्रसिद्ध धारावाहिकों जैसे शक्तिमान, श्रीमान श्रीमती, चाणक्य, देख भाई देख, बुनियाद, सर्कस और ब्योमकेश बख्शी को भी डीडी नेशनल पर प्रस्तुत किया था। वहीं डीडी भारती पर अलिफ लैला और उपनिषद् गंगा का भी प्रसारण किया गया। इनके प्रसारण के शुरू होते ही सोशल मीडिया पर बड़ी-बड़ी हस्तियों ने इस फैसले की तारीफ की थी।

अप्रैल 2020 में ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल इंडिया (बार्क) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दूरदर्शन ने पुराने क्लासिक कार्यक्रमों को प्रसारित करके लोगों को घर पर खुद को रखने में मदद करने का अपना उद्देश्य हासिल किया था। बार्क के मुताबिक रामायण के पुनः प्रसारण ने 2015 के बाद से एक हिंदी जीईसी शो के लिए उच्चतम रेटिंग हासिल की थी।

'रग रग में गंगा' की दूसरी श्रृंखला का शुभारंभ

'रग रग में गंगा' भारत की सबसे पवित्र नदी गंगा पर आधारित एक यात्रा वृत्तांत है। फरवरी 2019 में दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा शुरू की गई 21-कड़ियों वाली इस श्रृंखला में शक्तिशाली गंगा की 2525 किलोमीटर लंबी यात्रा को उसके उद्गम स्थल गोमुख ग्लेशियर से लेकर गंगासागर, जहां वह बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है, तक कवर किया गया। जाने-माने अभिनेता राजीव खंडेलवाल की उद्घोषणा से लैस इस यात्रा वृत्तांत में गंगा के किनारे बसे सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक महत्व के 20 शहरों को शामिल किया गया था। साथ ही इस नदी के किनारे बसे लोगों से जुड़े विवरणों को कवर करने के क्रम में गंगा की सफाई से जुड़े संदेश, जनता की भागीदारी और इस नदी की सफाई व इसका कायाकल्प करने के लिए एनएमसीजी द्वारा किए जा रहे कार्यों को इस यात्रा वृत्तांत की विषय-वस्तु में प्रस्तुत किया गया। पिछले महीने (अगस्त 2021) ही केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और केंद्रीय जल शक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के साथ 'रग रग में गंगा' की दूसरी श्रृंखला का अनावरण किया है। तब बताया गया कि इस श्रृंखला का शुभारंभ ही अपने आप में पहली श्रृंखला की सफलता का पैमाना है, जिसे लगभग 1.75 करोड़ दर्शकों ने देखा था। 21 अगस्त 2021 से प्रत्येक शनिवार और रविवार को रात 8:30 बजे दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर प्रसारित हो रहे इस कार्यक्रम के 26 एपिसोड दिखाए जाएंगे।

डीडी स्टूडियो

देशभर में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश को मिलाकर कुल 66 स्थानों पर डीडी स्टूडियो स्थापित किए गए हैं।

इंटरनेशनल/ऑल इंडिया चैनल

1. डीडी नेशनल, 2. डीडी न्यूज
3. डीडी रेट्रो, 4. डीडी स्पोर्ट्स
5. डीडी भारती, 6. डीडी उर्दू
7. डीडी किसान

नोट : डीडी नेशनल और डीडी न्यूज चैनल HD में भी उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय चैनल्स

1. डीडी मलयालम, 2. डीडी पोढ़ीगई
3. डीडी उड़िया, 4. डीडी बांग्ला,
5. डीडी अनुप्रभा, 6. डीडी सप्तगिरी,
7. डीडी कन्नड़, 8. डीडी सह्याद्रि,
9. डीडी गिरनार, 10. डीडी उत्तराखंड,
11. डीडी कश्मीर, 12. डीडी नॉर्थ ईस्ट,
13. डीडी पंजाबी, 14. डीडी राजस्थान,
15. डीडी झारखंड, 16. डीडी मध्यप्रदेश,
17. डीडी उत्तरप्रदेश, 18. डीडी बिहार,
19. डीडी यादगिरी, 20. डीडी छत्तीसगढ़।

रीजनल या क्षेत्रीय चैनल्स

1. डीडी हिमाचल प्रदेश, 2. डीडी गोवा, 3. डीडी हरियाणा, 4. डीडी त्रिपुरा, 5. डीडी मिजोरम, 6. डीडी मेघालय, 7. डीडी मणिपुर, 8. डीडी नागालैंड

को ब्रांडेड चैनल (Co-Branded Channel)

- डीडी इंडिया

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान-खेल

1. अर्मांड प्लेंटिस किस खेल में स्वीडन का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) डेकाथलॉन (ब) पोल वॉल्ट
(स) हाई जंप (द) शॉट पुट

2. टोक्यो ओलिंपिक में फुटबॉल में पुरुष वर्ग का स्वर्ण पदक किस देश ने जीता है?
(अ) दक्षिण कोरिया
(ब) स्पेन
(स) ब्राजील
(द) क्रोएशिया

3. इनमें से किस महिला खिलाड़ी ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं?
(अ) डायंड्रा डॉटिन
(ब) सूजी बेट्स
(स) मिताली राज
(द) सोफी डिवाइन

4. मणिका बत्रा किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) टेबल टेनिस
(ब) बैडमिंटन
(स) निशानेबाजी
(द) इनमें से कोई नहीं

5. अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनल मेसी ने कितने अंतर्राष्ट्रीय गोल किए हैं?
(अ) 72 (ब) 74
(स) 75 (द) 76

6. इस वर्ष रॉटरडम ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने थे?
(अ) एंडी मरे
(ब) आंद्रे रूबलेव
(स) गेल मोनफिल्स
(द) डेनिल मेदवेदेव

7. एशियन गेम्स-2018 में इनमें से किस भारतीय निशानेबाज ने स्वर्ण पदक जीता था?
(अ) सौरभ चौधरी
(ब) अभिषेक वर्मा
(स) संजीव राजपूत
(द) मानवजीत सिंह संधू

8. वर्ष 2019 में किस देश ने फीफा वूमेन वर्ल्डकप की मेजबानी की थी?
(अ) जापान (ब) कनाडा
(स) जर्मनी (द) फ्रांस

9. टोक्यो ओलिंपिक में किस भारतीय महिला खिलाड़ी ने रजत पदक जीता है?
(अ) राही सरनोबत
(ब) पी.वी. सिंधु
(स) मीराबाई चानू
(द) हिमा दास

10. लिएंडर पेस ने पुरुष युगल वर्ग में कितने ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं?
(अ) चार (ब) पांच
(स) छह (द) आठ

11. भारत ने वर्ष 2012 में किस खिलाड़ी की कप्तानी में आईसीसी अंडर-19 वर्ल्डकप जीता था?
(अ) के.एल. राहुल
(ब) पृथ्वी शॉ
(स) उन्मुक्त चंद
(द) मयंक अग्रवाल

12. हाल ही में दिवंगत फुटबॉलर गर्ड मूलर किस देश के लिए खेलते थे?
(अ) अमेरिका (ब) जर्मनी
(स) स्विट्जरलैंड (द) कोलंबिया

13. इनमें से किस खिलाड़ी ने वर्ष 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब जीता है?
(अ) एश्ले बार्टी
(ब) सिमोना हालेप
(स) नाओमी ओसाका
(द) सेरेना विलियम्स

14. वर्ष 2032 में किस शहर को ओलिंपिक खेलों की मेजबानी सौंपी गई है?
(अ) ब्रिस्बेन
(ब) म्युनिख
(स) केपटाउन
(द) ब्यूनस आयर्स

15. भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता हैं?
(अ) दिलीप वेंगसरकर
(ब) चेतन शर्मा
(स) सुनील जोशी
(द) मदन लाल

16. इस वर्ष हंगरियन ग्रांप्री फॉर्मूला वन रेस किस खिलाड़ी ने जीती है?
(अ) मैक्स वर्स्टापेन
(ब) लुइस हैमिल्टन
(स) एस्टाबेन ओकेन
(द) सर्जियो पेरेज

17. हाल ही में इनमें से किस श्रीलंकन क्रिकेटर ने संन्यास लेने की घोषणा की है?
(अ) तिलकरत्ने दिलशान
(ब) कुशल परेरा
(स) एंजेलो मैथ्यूज
(द) इसुरू उडाना

18. चीन की होउ यिफान ने कितनी बार वूमेंस वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप जीती हैं?
(अ) तीन बार (ब) चार बार
(स) सात बार (द) आठ बार

19. इनमें से किस खिलाड़ी ने महिलाओं की चार सौ मीटर बाधा दौड़ में वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया है?
(अ) सिडनी मैक्लॉफलिन
(ब) डालिहा मोहम्मद
(स) जेनिइव रसेल
(द) इनमें से कोई नहीं

20. कलारीपयट्टु खेल भारत के किस राज्य में खेला जाता है?
(अ) तमिलनाडु (ब) केरल
(स) तेलंगाना (द) मेघालय

21. इनमें से कौन-सा खिलाड़ी फुटबॉल से संबंधित नहीं हैं?
(अ) थिएगो सिल्वा
(ब) गेरार्ड पिकफोर्ड
(स) मार्क सेल्बी
(द) जोशुआ किमिच

22. टोक्यो ओलिंपिक में किस देश ने मुक्केबाजी में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) उज्बेकिस्तान (ब) अमेरिका
(स) ब्राजील (द) क्यूबा

23. सबसे ज्यादा बार एएफसी एशियन कप टूर्नामेंट किस देश ने जीता है?
(अ) जापान
(ब) दक्षिण कोरिया
(स) कतर
(द) इराक

24. कॉमनवेल्थ गेम्स-2018 में भारत ने कितने कुल कितने पदक जीते थे?
(अ) 46 (ब) 54
(स) 66 (द) 68

25. वर्ष 2004 में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब किस देश ने जीता था?
(अ) जापान
(ब) वेस्टइंडीज
(स) श्रीलंका
(द) ऑस्ट्रेलिया

उत्तर

1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (द), 6. (ब), 7. (अ), 8. (द), 9. (स), 10. (द), 11. (स), 12. (ब), 13. (स), 14. (अ), 15. (ब), 16. (स), 17. (द), 18. (ब), 19. (अ), 20. (ब), 21. (स), 22. (द), 23. (अ), 24. (स), 25. (ब)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

हिन्दी साहित्य और शिक्षण

1. किसी विद्यालय में छात्र, शिक्षक के कार्यों के प्रतिफल कहे जाते हैं। वे ऐसे शिक्षक से सर्वाधिक हानिकारक तरीके से प्रभावित रहते हैं, जो शिक्षक?
(A) छात्रों को स्नेह करते हैं।
(B) छात्रों को पढ़ाने से कतराते हैं।
(C) छात्रों को अनुचित गृहकार्य देते हैं तथा उनसे अपेक्षाएं करते हैं।
(D) संवेगात्मक अस्थिरता एवं दुर्बल चरित्र वाले हैं।
उत्तर - (D) संवेगात्मक अस्थिरता एवं दुर्बल चरित्र वाले हैं।

2. आधुनिक शिक्षाशास्त्रियों के अनुसार छात्रसमिति को निम्नलिखित कार्य नहीं करना चाहिए?
(A) प्रशासन की बागडोर को अपने हाथों में लेना चाहिए
(B) छात्र मनोबल ऊंचा करने वाली विधाएं
(C) पाठ्य-सहगामी क्रियाओं हेतु छात्र संगठन का निर्माण
(D) प्रजातान्त्रिक मूल्यों के अनुरूप नेता का निर्माण
उत्तर - (A) प्रशासन की बागडोर को अपने हाथों में लेना चाहिए

3. 'नेतृत्व' केवल उस व्यक्ति द्वारा प्रदान किया जा सकता है, जिनमें गुण होता है?
(A) सामान्य व्यक्ति जैसा
(B) उच्च आदर्शों का
(C) प्रतिष्ठा का
(D) क्रूरता का
उत्तर - (B) उच्च आदर्शों का

4. यदि आपकी कक्षा में एक छात्र नाखून चबाने का आदी है, तो आप उसके व्यवहार सम्बन्धी निष्कर्ष निकालेंगे?
(A) अत्यधिक ऊर्जा की उत्पत्ति है।
(B) सांवेगिक असन्तुलन का प्रतीक है।
(C) किसी विटामिन विशेष का शरीर में अभाव है।
(D) ग्रन्थियों के स्त्रावों में अनियमितता है।
उत्तर - (B) सांवेगिक असन्तुलन का प्रतीक है।

5. आप अपने छात्रों में श्रम के महत्व को कैसे उत्पन्न करेंगे?
(A) छात्रों को श्रम संबंधी साहित्य पढ़ने को कहेंगे।
(B) छात्रों को श्रम करने के व्यावहारिक अवसर प्रदान करेंगे।
(C) स्वयं भी छात्रों के समक्ष श्रम करके उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।
(D) अपने छात्रों को श्रम के महत्व पर भाषण देंगे।
उत्तर - (C) स्वयं भी छात्रों के समक्ष श्रम करके उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

6. छात्रों में श्रेष्ठ संस्कारों का विकास करना आप क्यों आवश्यक मानते हैं?
(A) संस्कार व्यक्तित्व को संकुचित बना देते हैं।
(B) संस्कार चरित्र निर्माण करते हैं।
(C) मैं संस्कारों पर विश्वास नहीं रखता।
(D) संस्कार व्यक्तित्व का भरण करते हैं।
उत्तर - (B) संस्कार चरित्र निर्माण करते हैं।

7. भारतीय परिवेश में आजकल जिन शिक्षकों की सर्वाधिक आवश्यकता अनुभव की जा रही है, वे हैं?
(A) जो एक आदर्श व्यक्तिगत जीवन के हामी हों
(B) जो भारतीय मूल्यों को छात्रों में भली प्रकार प्रतिस्थापित कर सकें
(C) अलग-अलग प्रकृति एवं उद्देश्यों वाले व्यक्ति
(D) ऐसे व्यक्ति जो काफी प्रौढ़ एवं परिपक्व व्यक्तित्व वाले हों
उत्तर - (B) जो भारतीय मूल्यों को छात्रों में भली प्रकार प्रतिस्थापित कर सकें

8. कक्षा में तिरस्कृत बालक का सम्भावित व्यवहार होगा?
(A) भगोड़ा जैसा
(B) नकारात्मक
(C) उत्साही
(D) क्रोधपूर्ण
उत्तर - (B) नकारात्मक

9. यद्यपि शिक्षण व्यवसाय की सफलता के अनेक कारक होते हैं, फिर भी नीचे दिये हुए कारकों में आप किसे सर्वश्रेष्ठ मानते हैं?
(A) सुन्दर व्यक्तित्व
(B) उच्च सामाजिक पृष्ठभूमि
(C) कम वेतन की क्षतिपूर्ति हेतु अन्य स्त्रोतों की खोज
(D) शिक्षक की मधुरवाणी तथा भाषा पर अधिकार
उत्तर - (D) शिक्षक की मधुरवाणी तथा भाषा पर अधिकार

10. बालकों के व्यवहार परिवर्तन के लिए सर्वाधिक प्रभावकारी पद्धति है?
(A) घर से निष्कासन
(B) मधुर परामर्श
(C) शरीरिक परामर्श
(D) पुरस्कार
उत्तर - (D) पुरस्कार

11. हिन्दी का प्रथम कवि राहुल सांकृत्यायन किसे मानते हैं?
(A) पुष्पदन्त
(B) सरहपा
(C) शालि भद्रसूरि
(D) मुंज कवि
उत्तर - (B) सरहपा

12. पाहुड़ दोहा किसकी रचना है?
(A) राजशेखर
(B) हेमचन्द्र
(C) राम सिंह
(D) जगनिक
उत्तर - (C) राम सिंह

13. इनमें से अवधी भाषा की प्रचीनतम् कृति कौनसी है?
(A) रामचरित मानस
(B) पद्मावत
(C) चित्रावली
(D) चंदायन
उत्तर - (D) चंदायन

14. इनमें से कौनसी कृति तुलसीदास जी की नहीं है?
(A) कविता वली
(B) अनुराग बांसुरी
(C) गीता वली
(D) दोहा वली
उत्तर - (B) अनुराग बांसुरी

15. भारत में थियोसोफिकल सोसायटी का प्रचारक कौन था?
(A) महात्मा गांधी
(B) मिस्टर ह्यूम
(C) एनी बेसेन्ट
(D) सिस्टर निवेदिता
उत्तर - (C) एनी बेसेन्ट

16. रामप्रसाद निरंजनी की रचना इनमें से कौनसी है?
(A) प्रेम सागर
(B) भाषा योग वशिष्ट
(C) प्रबोध चन्द्रोदय
(D) भाग्यवती
उत्तर - (B) भाषा योग वशिष्ट

17. राजा लक्ष्मण किस हिन्दी के पक्षधर थे?
(A) उर्दू मिश्रित हिन्दी
(B) संस्कृतनिष्ठ हिन्दी
(C) हिन्दुस्तानी
(D) ब्रजभाषा
उत्तर - (B) संस्कृतनिष्ठ हिन्दी

18. इनमें से असत्य कथन छांटिए?
(A) छत्तीसगढ़ी - बिलासपुर, रायपुर दुर्ग की बोली है
(B) विद्यापति भोजपुर के कवि हैं
(C) हरियाणवी का एक नाम बांगरू है
(D) बुंदेली का क्षेत्र झांसी - ललितपुर है
उत्तर - (B) विद्यापति भोजपुर के कवि हैं

19. खड़ी बोली हिन्दी का विकास किस भाषा से हुआ?
(A) संस्कृत
(B) प्राकृत
(C) ब्रज भाषा
(D) अपभ्रंश
उत्तर - (D) अपभ्रंश

20. अपभ्रंश का विकास किस भाषा से हुआ?
(A) संस्कृत
(B) पालि
(C) प्राकृत
(D) अवहत्थ
उत्तर - (C) प्राकृत

21. अपभ्रंश के भाषिक एवं व्याकरणिक रूप का विवेचन किसने किया?
(A) ज्योतिश्वर ठाकुर
(B) दामोदर
(C) भोज
(D) हेमचन्द्र
उत्तर - (D) हेमचन्द्र

22. "इन गामन में छोरिन के पीहर ऐं" यह किस बोली का वाक्य है?
(A) अवधी
(B) ब्रज भाषा
(C) हरियाणवी
(D) कन्नौजी
उत्तर - (B) ब्रज भाषा

23 . राज भाषा आयोग का गठन कब हुआ?
(A) 1950 ई.
(B) 1955 ई.
(C) 1960 ई.
(D) 1976 ई.
उत्तर - (B) 1955 ई.

24 . अष्टयाम के रचयिता कौन हैं?
(A) नन्ददास
(B) नामादास
(C) चतुर्भुजदास
(D) सूरदास
उत्तर - (B) नामादास

25 . पालि किस धर्म की भाषा है?
(A) वैदिक धर्म
(B) बौद्ध धर्म
(C) जैन धर्म
(D) सिक्ख धर्म
उत्तर - (B) बौद्ध धर्म

26. अपभ्रंश काल में बोल-चाल की भाषा का नाम क्या था?
(A) हिन्दी (B) अपहठ
(C) देश भाषा (D) अपहत्थ
उत्तर - (C) देश भाषा

27. पहाड़ी भाषा का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है?
(A) मागधी (B) अर्द्धमागधी
(C) ब्राचड़ (D) खस
उत्तर - (D) खस

28. अपभ्रंश के नागर, उपनागर एवं ब्राचड़ भेद किसने किए हैं?
(A) हेमचन्द्र
(B) विद्यापति
(C) लक्ष्मीधर
(D) मार्कण्डेय
उत्तर - (D) मार्कण्डेय

29. इनमें से कौनसी रचना अपभ्रंश का व्याकरण है?
(A) वर्ण रत्नाकर
(B) पाहुड़ दोहा
(C) शब्दानुशासन
(D) उक्ति व्यक्ति प्रकाश
उत्तर - (C) शब्दानुशासन

30. चैतन्य महाप्रभु का संबंध इनमें से किस सम्प्रदाय से था?
(A) शुद्धाद्वैत वाद
(B) सखी सम्प्रदाय
(C) गौड़ीय सम्प्रदाय
(D) रुद्र सम्प्रदाय
उत्तर - (C) गौड़ीय सम्प्रदाय

31. इनमें से कौनसी कृति रामभक्ति शाखा से संबंधित नहीं है?
(A) भरत मिलाप
(B) हनुमन्नाटक
(C) चित्रावली
(D) रामाष्टयाम
उत्तर - (C) चित्रावली

32. 1540 ई. में अवधी भाषा के किस महाकाव्य की रचना हुई?
(A) रामचरित मानस
(B) पद्मावत
(C) कृष्णायन
(D) मृगावती
उत्तर - (B) पद्मावत (मलिक-मुहम्मद जायसी)

33. 'न' किस वर्ग का व्यंजन है?
(A) ओष्ट्य (B) तालव्य
(C) दंत्य (D) उष्ण
उत्तर - (B) तालव्य

34. इनमें से मानक शुद्ध रूप कौनसा नहीं है?
(A) ग्यारह (B) तिरेचन
(C) उनामी (D) उनचाम
उत्तर - (B) तिरेचन (सही रूप है तिरवन)

35. इनमें से खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य कौनसा है?
(A) पृथ्वीराज रासो
(B) प्रिय प्रवास
(C) साकेत
(D) कामायनी
उत्तर - (B) प्रिय प्रवाम (अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध)

36. बम्बई हिन्दी विद्यापीठ की स्थापना कब हुई?
(A) 1940 ई. (B) 1938 ई.
(C) 1930 ई. (D) 1950 ई.
उत्तर - (B) 1938 ई.

37. हिन्दी शब्द सागर की भूमिका के रूप में किस ग्रन्थ की रचना हुई थी?
(A) हिन्दी साहित्य का इतिहास
(B) शब्दानुशासन
(C) अष्टयाम
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (A) हिन्दी साहित्य का इतिहास

38. इनमें जन संचार का माध्यम कौन नहीं है?
(A) टेलीविजन
(B) रेडियो
(C) इंटरनेट
(D) टेलीफोन
उत्तर - (D) टेलीफोन

39. किस बोली की प्रधान प्रवृत्ति औकारान्त शब्द है?
(A) खड़ी बोली
(B) ब्रज भाषा
(C) अवधी
(D) कन्नौजी
उत्तर - (B) ब्रज भाषा

40. संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव कब पास किया?
(A) 14 सितंबर, 1950
(B) 26 जनवरी, 1950
(C) 14 सितम्बर, 1949
(D) 15 अगस्त, 1947
उत्तर - (C) 14 सितम्बर, 1949

41. किसका संबंध कलकत्ता के फोर्ट विलियम कॉलेज से नहीं था?
(A) सदल मिश्रा
(B) इंशा अल्ला खां
(C) लल्लू लाल
(D) लक्ष्मण सिंह
उत्तर - (D) लक्ष्मण सिंह

42. हिन्दी का पहला साप्ताहिक पत्र किसे माना जाता है?
(A) प्रजामित्र
(B) उदन्त मार्तण्ड
(C) प्रजा हितैषी
(D) चांद
उत्तर - (B) उदन्त मार्तण्ड

43. इनमें से कौनसा व्यंजन मूल व्यंजन नहीं है?
(A) क्ष (B) घ
(C) ड़ (D) ज
उत्तर - (A) क्ष

44. कौनसा व्यंजन मूर्धन्य वर्ग का है?
(A) च (B) ढ़
(C) श (D) घ
उत्तर - (B) ढ़

- डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

औद्योगिक क्षेत्रों में लगाए जाएं सोलर पैनल

इन्दौर, औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित इकाईयों के रूफटॉप पर सोलर पैनल से विद्युत उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इन्दौर में सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा के मुख्य आतिथ्य में कार्यशाला सम्पन्न हुई।

कार्यशाला में प्रबंध संचालक ऊर्जा विकास निगम श्री विवेक पोरवाल ने औद्योगिक इकाईयों के रूफटॉप पर सोलर पैनल से विद्युत उत्पादन के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया, लागत आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्लस्टर में सोलर पैनल लगाने से अधिक फायदे हैं। सोलर पैनल लगाने के लिये तकनीकी, वित्तीय एवं अन्य मदद भी मुहैया करायी जायेगी। कार्यशाला में जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। बताया गया कि घरेलू और कमर्शियल दोनों तरह के प्लांट पर नेट मीटरिंग की सुविधा शुरू की गयी है। बिजली कम्पनी ने नेट मीटर उपलब्ध करवाने शुरू कर दिए हैं। यह सबके हित में है। बिजली की डिमांड कम होने से लोड घटेगा और बेहतर सप्लाई मिलेगी। कट और फॉल्ट कम होंगे। सोलर वाली बिजली सरकार को भी बेच सकेंगे। साथ ही सोलर प्लांट से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड कम होगा।

रूफटॉप फोटोवोल्टिक (पीवी) सोलर पैनल से बिजली पैदा करने वाला पावर स्टेशन है जो किसी भी आवासीय या व्यावसायिक इमारत की छत पर स्थापित किया जा सकता है। रूफटॉप सोलर सिस्टम बिजली ना होने या पावर ओवरलोडिंग के समय उपभोक्ता की ऊर्जा निर्भरता को बढ़ावा देता है। बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के लिए रूफटॉप सोलर सिस्टम जैसी नवीकरणीय प्रौद्योगिकी को उपभोक्ताओं के बीच बढ़ावा मिलना चाहिए। औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया गया कि वे क्लस्टर में अपने-अपने क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर पैनल लगवायें।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में हैं अनेक पाठ्यक्रम

बारहवीं कक्षा के बाद विभिन्न क्षेत्रों में बना सकते हैं कॅरियर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (इग्नू) आज देश में गुणवत्तापूर्ण तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है। इग्नू द्वारा न केवल देश में बल्कि अन्य कई देशों में भी एक विशाल नेटवर्क स्थापित किया गया है। इग्नू के द्वारा संचालित पाठ्यक्रम कई ऐसे विषयों पर भी हैं जो कि परंपरागत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नहीं किये जा रहे हैं। इनमें डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और जागरूकता स्तर के अनेक पाठ्यक्रम शामिल हैं। ये सभी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को शैक्षिक आवश्यकताओं के संबंध में गहन सर्वेक्षण के आधार पर विकसित किए गये हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में कॅरियर के अवसर

इग्नू द्वारा बारहवीं (10+2) के बाद विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में अवसर देने के लिए अनेक कार्यक्रम विकसित किये गये हैं, जो डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र या जागरूकता स्तर के हैं। ये सभी पाठ्यक्रम न केवल आपको रोज़गार की नयी सम्भावनायें तलाशने में मदद करेंगे बल्कि अल्पावधि कार्यक्रमों के द्वारा आप अपनी क्षमता वृद्धि भी कर सकते हैं। इग्नू द्वारा संचालित बैचलर डिग्री प्रोग्राम, यूजीसी द्वारा शुरू की गई च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) का पालन करते हैं। आप अपनी दक्षता को बढ़ाने के लिए किसी अन्य डिग्री/डिप्लोमा स्तर के कार्यक्रम के साथ-साथ सर्टिफिकेट, जागरूकता या प्रशंसा स्तर के शैक्षिक कार्यक्रम को भी साथ-साथ कर सकते हैं।

इग्नू के कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी, नियमों और विनियमों के लिए आपको शैक्षणिक चक्र जुलाई 2021 का प्रॉस्पेक्टस देखना चाहिए। यह प्रॉस्पेक्टस इग्नू की वेबसाइट पर निः शुल्क उपलब्ध है। वेब लिंक इस प्रकार है: www.ignou.ac.in//userfiles/Common-Prospectus-English.pdf

किसी भी कार्यक्रम के एक भाग के लिए भी करा सकते हैं नामांकन

अपने नियमित कार्यक्रमों के अलावा, विश्वविद्यालय आपको किसी भी कार्यक्रम के एक छोटे भाग के लिए भी नामांकन करने का एक विकल्प प्रदान करता है। इस योजना के तहत किसी एक पाठ्यक्रम या सीमित संख्या में पाठ्यक्रमों के लिए भी पंजीकरण कराया जा सकता है, जो अधिकतम 16 क्रेडिट का होगा। इस योजना के नियम इस प्रकार हैं :

- योजना के तहत पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण की पात्रता वही होगी जो प्रवेश के लिए पात्रता होगी।
- इस योजना को प्रवेश के दोनों चक्रों में लागू किया जाएगा। पाठ्यक्रम विशेष का उस प्रवेश चक्र संचालित होना आवश्यक है।
- सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के सभी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण खुला होगा। अनुसंधान डिग्री कार्यक्रमों और जागरूकता/प्रशंसा स्तर के कार्यक्रमों के तहत संचालित पाठ्यक्रमों में यह लागू नहीं होगा।
- एक संयोजन में पेश किए गए पाठ्यक्रमों को छात्र द्वारा एक साथ लेना होगा। एक बार चुने गए पाठ्यक्रम को छात्र द्वारा बदला नहीं जाएगा।
- पंजीकृत पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रमों) को पूरा करने के लिए न्यूनतम और अधिकतम अवधि क्रमशः छह महीने और दो वर्ष होगी।
- योजना के तहत पंजीकृत छात्रों के लिए अलग से कोई काउंसलिंग या लैब-वर्क शेड्यूल नहीं होगा। योजना के तहत पंजीकृत छात्रों को सलाह दी जाएगी कि वे थ्योरी/प्रैक्टिकल काउंसलिंग सत्रों की अनुसूची जानने और तदनुसार सत्रों में भाग लेने के लिए आवंटित अध्ययन केंद्र के संपर्क में रहें।
- इस योजना के तहत पंजीकरण कराने वाले उम्मीदवारों को चुने गए पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर निर्धारित सभी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।
- चुने गए पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले उम्मीदवारों को पाठ्यक्रम के समापन का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा जिसमें निरंतर/टर्म-एंड मूल्यांकन में प्राप्त स्कोर और अर्जित क्रेडिट का उल्लेख किया जाएगा।
- इस योजना के तहत प्रभार्य शुल्क इस प्रकार होगा : प्रत्येक पाठ्यक्रम का क्रेडिट वेटेज कोर्स शुल्क 4 क्रेडिट तक रु. 1000/- 4 क्रेडिट से अधिक रु. 2000/- शुल्क की गणना प्रति कोर्स की जाएगी, न कि कुल संख्या के आधार पर लिए गए क्रेडिट के अनुसार। पाठ्यक्रम शुल्क से आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा सकेगा। पाठ्यक्रम शुल्क के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर निर्धारित पंजीकरण शुल्क प्रभार्य होगा। एक बार भुगतान किया गया शुल्क गैर-वापसी योग्य या गैर-समायोज्य होगा। विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर अधिसूचित परीक्षा शुल्क, पाठ्यक्रम शुल्क और पंजीकरण शुल्क के अतिरिक्त लिया जाएगा।

इन कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है :

कार्यक्रम का स्तर	विभिन्न क्षेत्र जिनमें कार्यक्रम उपलब्ध हैं
तीन साल की अवधि के डिग्री कार्यक्रम	कला, वाणिज्य, विज्ञान, कंप्यूटर , पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, पर्यटन अध्ययन, सामाजिक कार्य, व्यवसाय प्रशासन
एक वर्ष की अवधि के डिप्लोमा कार्यक्रम	"प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा", "पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा", "पंचायत स्तर प्रशासन और विकास", इवेंट मैनेजमेंट, पर्यटन अध्ययन, रचनात्मक लेखन, उर्दू, "फलों और सब्जियों से मूल्यवर्धित उत्पाद", डेयरी प्रौद्योगिकी, मांस प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, बागवानी, "महिला सशक्तिकरण और विकास", "एचआईवी और पारिवारिक शिक्षा", "बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग", "आधुनिक कार्यालय अभ्यास", पैरा कानूनी अभ्यास, एक्वाकल्चर, खुदरा बिक्री, जर्मन शिक्षण, नर्सिंग प्रशासन, क्रिटिकल केयर नर्सिंग, रंगमंच कला, मूल्य शिक्षा।
छह महीने की अवधि के प्रमाण पत्र स्तर के कार्यक्रम	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण अध्ययन, शांति अध्ययन और संघर्ष प्रबंधन, खाद्य और पोषण, पोषण और बाल देखभाल, ग्रामीण विकास, मार्गदर्शन, सूचना प्रौद्योगिकी, मोबाइल एप डेवलपमेंट, दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी का शिक्षण, ग्रामीण विकास, कार्यात्मक अंग्रेजी, उर्दू, मानवाधिकार, उपभोक्ता संरक्षण, सहयोग, सहकारी कानून और व्यापार कानून, मानव तस्करी रोकथाम, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून, गैर सरकारी संगठन प्रबंधन, व्यावसायिक कौशल, संचार और आईटी कौशल, सूचना सुरक्षा, फैशन डिजाइन, पर्यटन अध्ययन, प्रयोगशाला तकनीक, प्राथमिक विद्यालय गणित का शिक्षण, एचआईवी और पारिवारिक शिक्षा, सामाजिक कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली, जनजातीय अध्ययन, रेशम के कीड़ों का पालन, जैविक खेती, जल संचयन और प्रबंधन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, विदेशी भाषाएं जैसे, अरबी, फ्रेंच, रूसी, जापानी, कोरियाई, स्पेनिश, जर्मन, फारसी, प्राथमिक चिकित्सा, योग, स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन, नवजात शिशु और शिशु नर्सिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य नर्सिंग, घर आधारित स्वास्थ्य देखभाल, सामुदायिक स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य और परामर्श, दृश्य कला, रंगमंच कला, हिंदुस्तानी संगीत, कर्नाटक संगीत, भरतनाट्यम्, ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, बिजली वितरण में योग्यता, मूल्य शिक्षा, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक रेडियो, लिंग, कृषि और सतत् विकास।
जागरूकता स्तर के कार्यक्रम	डेयरी फार्मिंग, पर्यावरण, जनसंख्या और सतत् विकास।

उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तों के अधीन इग्नू के एक कार्यक्रम में प्रवेश लेकर योजना के तहत अर्जित क्रेडिट के हस्तांतरण की दी जाएगी अनुमति :

- उस विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर अधिसूचित सभी शर्तों का पालन करना।
- योजना के तहत अर्जित क्रेडिट का अधिकतम 50% संबंधित कार्यक्रम में प्रवेश लेने के समय दिया जाएगा।
- परियोजना या इंटर्नशिप के लिए अर्जित क्रेडिट को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।
- एक नियामक प्राधिकरण के दायरे में आने वाले शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए योजना के तहत अर्जित क्रेडिट का हस्तांतरण संबंधित नियामक प्राधिकरण के नियमों और विनियमों द्वारा शासित होगा।
- किसी कार्यक्रम में प्रवेश लेने के बाद अपेक्षित शुल्क के साथ आवेदन करने पर पाठ्यक्रम के क्रेडिट ट्रांसफर की अनुमति होगी।
- क्रेडिट ट्रांसफर केवल उस कार्यक्रम के ही पाठ्यक्रमों में दिया जाएगा। यदि योजना के तहत पूर्ण पाठ्यक्रम को संशोधित किया जाता है, तो क्रेडिट हस्तांतरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- योजना के तहत अर्जित क्रेडिट का अन्य संस्थानों के साथ सहयोग/समझौता ज्ञापन के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित एक अकादमिक कार्यक्रम में स्थानांतरण, सहयोग/एमओयू की शर्तों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।
- क्रेडिट ट्रांसफर के लिए यूजीसी के नियम लागू होंगे।
- सीआरसीएस के लिए आवेदन विश्वविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर किया जा सकता है

किस प्रकार ले सकते हैं प्रवेश

प्रवेश लेने के लिए, आपको इग्नू वेबसाइट पर जाकर दिए गए लिंक पर क्लिक करना होगा। इग्नू की विवरणिका वेबसाइट पर निःशुल्क उपलब्ध है। आप हमारे ई-ज्ञान कोष पर विस्तृत पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम सामग्री, ऑडियो-विजुअल सामग्री आदि भी देख सकते हैं। आप इन्हें देखकर अपने प्रवेश के सम्बंध में निर्णय ले सकते हैं। क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारी आपको सभी कार्य दिवसों में प्रवेश पूर्व परामर्श देने के लिए उपलब्ध रहेंगे। मध्यप्रदेश राज्य में हमारे दो क्षेत्रीय केंद्र हैं। पहला 12 - अरेरा हिल्स, भोपाल और दूसरा आरडीवीवी, जबलपुर में। इसके अलावा राज्यभर में फैले हमारे अध्ययन केंद्रों का नेटवर्क छात्रों को सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है। क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों का संपर्क विवरण इग्नू की वेब साइट पर भी उपलब्ध है।

- डॉ. यू.सी. पाण्डेय
क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू, भोपाल (म.प्र.)

मछुआरों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता और छात्रवृत्ति की राशि में हुई वृद्धि

भोपाल, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने महासंघ की 25वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम छोर तक के व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसके लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। मछुआ समाज मुख्य रूप से मत्स्य पालन और आखेट का कार्य करते हुए जीवन-यापन कर रहा है इनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिए ही मत्स्य महासंघ का स्थापना की गई थी। लड़कियों के विवाह के लिए 'मीनाक्षी कन्या विवाह' जाल-नाव सहित अन्य आर्थिक संबल प्रदान करने वाली योजना' मत्स्य महासंघ संचालित कर रहा है।

श्री सिलावट ने कहा कि सहकारिता के उद्देश्य पर आधारित यह मत्स्य महासंघ सबका विकास, सबका साथ, और सबके विश्वास की अवधारणा पर काम कर रहा है। श्री सिलावट ने मछुआ महासंघ की महासभा में गंभीर बीमारी के लिए आर्थिक सहायता राशि को बढ़ाकर 40 हजार से 50 हजार, तकनीकी शिक्षा छात्रवृत्ति योजना में 20 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपये और मछुआ सोसाइटी के सदस्यों में किसी की मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता राशि 7500 से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दी है।

साधारण सभा में निर्णय लिया गया कि मेजर कॉर्प और अन्य प्रजाति की मछली पकड़ने पर 32 रुपये किलो के स्थान पर अब 34 रुपये किलो और अन्य छोटी मछलियों को पकड़ने पर 19 रुपये प्रति किलो के स्थान पर 20 रुपये प्रति किलो मत्स्याखेट की दर निर्धारित कर दी है। इसके साथ ही मछुआ समिति की मांग पर सभी मछुआरों को लाइफ जैकेट उपलब्ध कराने के संबंध में श्री सिलावट ने निर्देश दिए हैं।

श्री सिलावट ने संचालक मत्स्य विकास और मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक को निर्देश दिए कि सभी मछुआरों के क्रेडिट कार्ड दिसंबर तक बन जाने चाहिए, जिससे बैंकों से जीरो ब्याज दर पर ऋण राशि उपलब्ध हो।

महासभा की बैठक में मंत्री ने सभी मछुआ सोसायटी के अध्यक्षों को माला पहनाकर और बुके देकर सम्मानित किया। उन्होंने संभाग स्तर पर भी क्षेत्रीय बैठकों का आयोजन करने तथा समिति में महिला सदस्यों की भागीदारी के निर्देश दिए हैं।

साधारण सभा में मत्स्य महासंघ द्वारा प्रस्तुत 56 करोड़ रुपये की आय और 36 करोड़ रुपये के व्यय का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। प्रदेश के 27 जिलों के जलाशय में मछुआ समिति क्रियाशील हैं। इस वर्ष 445 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 20 करोड़ रुपये की राशि मछुआरों को प्रदान की गई है। मत्स्य महासंघ में 216 और विभाग में 2 हजार मछुआ समिति कार्यरत हैं।

एक जिला-एक उत्पाद योजना

छह जिलों में लघु वनोपज संग्रहण के लिए बना एक्शन प्लान

भोपाल, वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि मध्यप्रदेश में 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना में लघु वनोपज संग्रहण के लिए 6 जिलों के लिए एक्शन प्लान बनाया गया है। इसमें अलीराजपुर, सिंगरौली, उमरिया, बैतूल, मण्डला और अनूपपुर जिले शामिल हैं।

डॉ. शाह ने बताया कि अलीराजपुर में महुआ फूल और सफेद मूसली की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होने से विशेष प्रयास कर विपणन और प्रसंस्करण के लिए 2 वन धन केंद्र में मशीन स्थापित की जायेंगी। सिंगरौली जिले में महुआ फूल के प्रसंस्करण में 7 वन धन केंद्रों का उपयोग किया जायेगा।

उमरिया जिले में महुआ फूलों के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए स्थापित 6 वन धन केंद्र के जरिए महुआ लड्डू, बिस्किट और केक बनाने के साथ महुआ बीज से तेल निकालने की योजना तैयार की गई है। स्थानीय वृक्षारोपण योजना में 6 स्थानों पर महुआ के पौधों का रोपण भी कराया गया है।

प्रसंस्करण एवं विपणन के लिये वन धन विकास केंद्र होंगे स्थापित

डॉ. शाह ने बताया कि बैतूल जिले में महुआ फूल और अचार गुठली के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए वन धन विकास केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इसी तरह किसानों को भी निजी भूमि पर औषधीय पौधों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षित कराया जाएगा। इन केंद्रों पर तैयार उत्पाद स्थानीय बाजार, ट्राइफेड और संजीवनी केंद्रों के माध्यम से विक्रय कराया जाएगा।

वन मंत्री ने बताया कि मण्डला जिले में आंवला, अर्जुन छाल, शहद और महुआ के प्रसंस्करण की योजना तैयार की गई है। अनूपपुर जिले में गुलबकावली के संरक्षण एवं उत्पादन के लिए एक्शन प्लान के तहत पौधा-रोपण सहित विशेष प्रयास किये जायेंगे। इससे स्थानीय ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सकेगी।

खेल चर्चा

भारत ने मैत्री मैच में नेपाल को 2-1 से हराया

काठमांडू, भारत और नेपाल के बीच काठमांडू में खेले गये दूसरे फ्रुटबॉल मैत्री मैच में भारत ने 2-1 से जीत दर्ज की है। भारत के लिये फारुख चौधरी तथा सुनील छेत्री ने गोल किये, वहीं नेपाल के लिये तेज तमांग ने एक गोल किया। मैच के पहले हॉफ में दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया। दोनों टीमों ने कई प्रयास किये, लेकिन पहला हॉफ गोल रहित रहा। भारतीय टीम ने दूसरे हॉफ से ठीक पहले विपिन सिंह की जगह फारुख को मैदान में उतारा। फारुख ने मैच के 62वें मिनट में गोल कर इस निर्णय को सही साबित किया। इसके बाद सुनील छेत्री ने 80वें मिनट में शानदार मैदानी गोल कर भारतीय टीम की बढ़त 2-0 कर दी। हालांकि तेज तमांग ने 87वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इससे पहले भारत और नेपाल के बीच पहला मैत्री मैच 1-1 से बराबर रहा था।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती डच ग्रांप्री

जेंडबूर्ट, रेडबुल के कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन का फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप में जीत का सफर जारी है। वर्स्टापेन ने अब डच ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस का खिताब अपने नाम कर लिया है। वर्स्टापेन ने डच ग्रांप्री में 72 लैप की रेस को एक घंटा 30 मिनट और 5.395 सेकेंड में पूरा किया। मर्सिडीज के लुईस हैमिल्टन और वाल्टेरी बोटास ने वर्स्टापेन को कड़ी टक्कर दी, इसके बावजूद वर्स्टापेन रेस जीतने में कामयाब रहे। हैमिल्टन रेस में दूसरे तथा वोटास तीसरे स्थान पर रहे। इनके अलावा पियरे गेस्ली ने चौथा तथा चार्ल्स लेकलर्क ने पांचवां स्थान हासिल किया। इस वर्ष फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप में वर्स्टापेन अब तक सात रेस जीत चुके हैं। इसके साथ ही वर्स्टापेन ने ड्राइवर स्टैंडिंग में 224.5 अंक लेकर पहला स्थान कायम रखा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1985 के बाद पहली बार नीदरलैंड्स में फॉर्मूला-वन रेस आयोजित की गई है।

पाकिस्तान के मुख्य कोच मिस्बाह ने दिया इस्तीफा

इस्लामाबाद, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिस्बाह उल हक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मिस्बाह के अलावा टीम के गेंदबाजी कोच वकार यूनुस ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट में काफी दिनों से मिस्बाह और पीसीबी के बीच टकराव की खबरें आ रही थीं। हाल ही में पीसीबी ने आगामी आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्व कप के लिये 15 सदस्यीय पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की घोषणा की थी। इसके बाद दोनों कोच ने तुरंत इस्तीफा दे दिया है। मिस्बाह और यूनुस वर्ष 2019 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कोचिंग से जुड़े थे, अभी इन दोनों कोच के कार्यकाल का एक वर्ष शेष है। मिस्बाह और यूनुस के पद छोड़ने के बाद पीसीबी ने सकलैन मुश्ताक और अब्दुल रज्जाक को अंतरिम कोच के रूप में टीम प्रबंधन में शामिल किया है।

टोक्यो पैरालिंपिक-2021

भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अर्जित किये 19 पदक

टोक्यो, जापान में पैरालिंपिक खेलों का समापन हो गया है। भारत टोक्यो ओलिंपिक की तरह टोक्यो पैरालिंपिक में भी यादगार प्रदर्शन किया है। भारतीय दल ने टोक्यो पैरालिंपिक में 5 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य सहित 19 पदक अपने नाम किये। यह पैरालिंपिक खेलों के इतिहास में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले भारत ने रियो पैरालिंपिक में दो स्वर्ण सहित चार पदक जीते थे।

बैडमिंटन में मिले दो स्वर्ण पदक

पैरालिंपिक खेलों में भारत के शटलरों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस स्पर्धा में भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। भारत ने पैरालिंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार बैडमिंटन में पदत जीते हैं। भारत के प्रमोद भगत ने पुरुष एकल वर्ग की एसएल-3 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भगत ने स्पर्धा के फाइनल में डेनियल बेथल को 21-14, 21-17 से हराया। इस स्पर्धा में भारत के ही मनोज सरकार ने कांस्य पदक हासिल किया।

इसके अलावा भारत के कृष्णा नागर ने पुरुष एकल वर्ग की एसएच-6 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। नागर ने स्पर्धा के फाइनल में हांगकांग के चु मैन केई को कड़े मुकाबले में 21-17, 16-21, 21-17 से हराया। भारत के ही सुहास एल यथिराज ने पुरुष एकल वर्ग की एसएल-4 स्पर्धा में रजत पदक जीता। सुहास को स्पर्धा के फाइनल में फ्रांस के लुकास माजुर के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

मनीष ने निशानेबाजी में जीता स्वर्ण पदक

मनीष नरवाल ने इस पैरालिंपिक में भारत को निशानेबाजी में दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। मनीष ने 50 मीटर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में यह पदक जीता। इस स्पर्धा में मनीष ने अपने हमवतन सिंहराज अढाना को हराया। अढाना ने रजत पदक हासिल किया, वहीं रूस के सर्गेई मालीवेश ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा भारत की अवनि लखेरा ने महिलाओं की आर-8, 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन एसएच-1 स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। अवनि पैरालिंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई है।

एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन

भारत ने टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में एथलेटिक्स में भी यादगार प्रदर्शन किया है। भारतीय खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स में एक स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित आठ पदक जीते हैं। भारत के लिये सुमित अंतिल ने पुरुष भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता। निषाद कुमार ने ऊंची कूद, योगेश कथूनिया ने चक्का फेंक, देवेन्द्र झाझड़िया ने भाला फेंक, मरियप्पन थंगावेलू और प्रवीण कुमार ने ऊंची कूद की स्पर्धाओं में भारत को रजत पदक दिलाये।

इंग्लैंड में वन-डे और ट्वेंटी-20 सीरीज खेलेगा भारत

लंदन, इंग्लैंड वर्ष 2022 में भारत के खिलाफ वन-डे और ट्वेंटी-20 सीरीज की मेजबानी करेगा। यह जानकारी इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने दी। बोर्ड ने वर्ष 2022 के घरेलू सत्र की घोषणा की। वन-डे और ट्वेंटी-20 सीरीज के दौरान तीन-तीन मैच खेले जायेंगे। ईसीबी ने बताया कि घरेलू सत्र की शुरुआत 2 जून, 2022 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरे की शुरुआत एक जुलाई को पहले ट्वेंटी-20 मैच से होगी। सीरीज का दूसरा मैच 3 तथा तीसरा मैच 6 जुलाई को होगा। इसके बाद 9, 12 और 14 जुलाई को वन-डे मैच खेले जायेंगे।

श्रीलंका ने जीती वन-डे सीरीज

कोलंबो, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली गई तीन मैचों की वन-डे सीरीज को श्रीलंका ने 2-1 से अपने नाम किया है। श्रीलंका ने सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका को 78 रन से हराया। मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 9 विकेट खोकर 203 रन बनाये। श्रीलंका के लिये चरिथ असलंका ने सर्वाधिक 47 रन बनाये। स्पिनर्स के लिये मददगार पिच पर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज असहाय नजर आये। दक्षिण अफ्रीका की टीम 30 ओवरों में महज 125 रनों पर ऑलआउट हो गई। अपना पदार्पण वन-डे मैच खेल रहे श्रीलंकाई स्पिनर महीश तीकशाना ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुये 37 रन देकर 4 विकेट लिये।

भारत ने ओवल टेस्ट में इंग्लैंड को 157 रनों से हराया

लंदन, भारत ने गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ओवल टेस्ट में 157 रनों से जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ भारत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे हो गया है।

चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इंग्लिश गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुये भारत की पहली पारी 191 रनों पर समेट दी। भारत के लिये शार्दुल ठाकुर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाये। इसके जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत भी खराब रही। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड के 5 विकेट महज 62 रन पर झटक दिये। इसके बाद ओली पोप (81) ने जॉनी बेयरस्टो (37), मोइन अली (35) और क्रिस वोक्स (50) के साथ मिलकर इंग्लैंड को 290 रन तक पहुंचाया और 99 रनों की बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। रोहित शर्मा ने के.एल. राहुल (46) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिये 83 रन की साझेदारी की। पारी के दौरान रोहित ने अपने टेस्ट कॅरियर का आठवां शतक बनाया। रोहित ने 127 रनों की पारी खेली। इसके बाद भारत ने चेतेश्वर पुजारा (61), ऋषभ पंत (50) और शार्दुल ठाकुर (60) की अर्धशतकीय पारियों के बदौलत दूसरी पारी में 466 रन बनाये। रोहित शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

जीत के लिये मिले 368 रनों के लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड ने सधी हुई शुरुआत करते हुये पहले विकेट के लिये 100 रन जोड़े। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज रोरी बर्न्स ने 50 तथा हसीब हमीद ने 63 रनों की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद इंग्लिश पारी ढह गई। इंग्लैंड की टीम 210 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

रोनाल्डो बने सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय गोल करने वाले फुटबॉलर

लिस्बन, पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रोनाल्डो अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप क्वालिफायर में आयरलैंड के खिलाफ मैच में यह उपलब्धि हासिल की।

रोनाल्डो के अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 111 गोल हो गये हैं। उन्होंने सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय गोल करने के मामले में ईरान के पूर्व फुटबॉलर अली देई का रिकॉर्ड तोड़ा। अली देई के नाम 109 अंतर्राष्ट्रीय गोल दर्ज है। रोनाल्डो ने इस वर्ष यूरो कप के दौरान अली देई के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की थी। यूरो कप में पुर्तगाल की टीम राउंड-16 में बेल्जियम के हाथों हार कर बाहर हो गयी थी, इसलिये रोनाल्डो को यह विश्व रिकॉर्ड तोड़ने में दो महीना ज्यादा लग गये। रोनाल्डो यूरो कप के

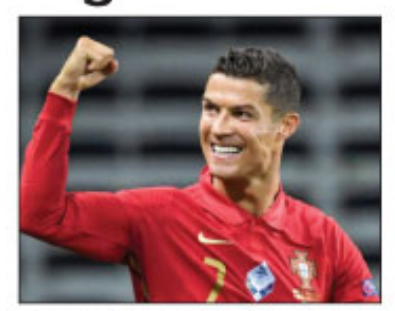

दौरान बेहतरीन फॉर्म में थे और उस टूर्नामेंट में रोनाल्डो ने 5 गोल किये थे।

रोनाल्डो ने आयरलैंड के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालिफायर में दो गोल किये। रोनाल्डो ने मैच के अंतिम समय में दोनों गोल कर टीम को 2-1 से जीत दिलायी। रोनाल्डो ने मैच के 89वें मिनट और इंजरी टाइम में गोल किये। रोनाल्डो ने ये दोनों गोल हेडर के जरिये किये। मैच में जॉन ईगन ने 45वें मिनट में आयरलैंड के लिये गोल किया था।

आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्व कप

भारतीय टीम में अश्विन की वापसी

मुंबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित होने वाले ट्वेंटी-20 विश्व कप के लिये 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है। वहीं शिखर धवन, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिल सकी। विराट कोहली टीम का नेतृत्व करेंगे, वहीं रोहित शर्मा टीम के उपकप्तान होंगे।

रविचंद्रन अश्विन ने अपने चयन से सभी को काफी हैरान किया। अश्विन की 4 वर्ष बाद ट्वेंटी-20 में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी मैच 9 जुलाई, 2017 को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। वेस्टइंडीज के इसी दौरे में अश्विन ने अपना आखिरी वन-डे मैच भी खेला था। अश्विन तो लिमिटेड ओवर वाले मैच से दूर रहे हैं, लेकिन वे भारतीय टेस्ट टीम के नियमित सदस्य हैं। वहीं अक्षर ने भी पिछले 4 वर्ष में सिर्फ ट्वेंटी-20 मैच खेले हैं।

सूर्य कुमार यादव और राहुल चाहर को मिला मौका

लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले सूर्य कुमार यादव और लेग स्पिनर राहुल चाहर को टीम का हिस्सा बनाया गया है। सूर्य कुमार ने चार ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस दौरान 169.51 के स्ट्राइक रेट के साथ 139 रन बनाये हैं। तीन पारियों में यादव दो फिफ्टी लगा चुके हैं। वहीं, राहुल चाहर ने भी पांच ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में सात विकेट लिये हैं। वे टीम में इकलौते कलाई के स्पिनर हैं।

मेंटर की भूमिका में नजर आयेंगे धोनी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की टीम में वापसी हो रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें टी-20 विश्व कप के लिये बतौर मेंटर नियुक्त किया है। धोनी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ायेंगे और टीम को रणनीति बनाने में मदद करेंगे। धोनी ने 15 अगस्त, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था।

भारतीय टीम - विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उपकप्तान), के.एल. राहुल, सूर्य कुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, राहुल चाहर, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, वरुण चक्रवर्ती, ऋषभ पंत और ईशान किशन।

स्टैंड बाई खिलाड़ी - श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर।

राष्ट्रमंडल खेलों से हट सकती हैं भारतीय हॉकी टीमें

नई दिल्ली, अगले वर्ष इंग्लैंड के बर्मिंघम में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें अपना नाम वापस ले सकती हैं। भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष नरेन्द्र बत्रा ने कहा कि दोनों हॉकी टीमों के राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने पर संशय है, क्योंकि वर्ष 2022 में एशियाई खेल भी आयोजित होने हैं, जो कि पेरिस ओलिंपिक के लिये क्वालिफायर हैं। ऐसे में भारतीय टीमें ओलिंपिक में क्वालिफाई करने का अवसर नहीं गंवाना चाहेंगी। भारत की दोनों टीमें एशियाई खेलों की तैयारी के लिये राष्ट्रमंडल खेलों से हट सकती हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से 8 अगस्त 2022 तक आयोजित होने हैं, इसके 35 दिन बाद 10 सितम्बर से 25 सितम्बर, 2022 तक एशियाई खेल आयोजित होंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

॥ भारत-जर्मन कार्यशाला ॥

वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इसके क्रियान्वयन पर चर्चा की

भारत और जर्मनी के वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने एक संयुक्त आभासी कार्यशाला में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -एआई) से संबंधित पारस्परिक हित के पांच चयनित विषयगत क्षेत्रों और इसके कार्यान्वयन पर चर्चा की। दीर्घकालिक विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य देखरेख, स्वायत रोबोटिक्स, विश्वसनीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं गणितीय संस्थान जैसे क्षेत्रों में भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (इंडो-जर्मन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी सेंटर-आईजीएसटीसी) द्वारा जर्मन फेडरल मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (बीएमबीएफ) और भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर 6 और 7 सितंबर को आयोजित कार्यशाला में विचार-विमर्श किया गया।

शिक्षक पर्व

शिक्षा के क्षेत्र में नए बदलाव न केवल नीति आधारित हैं बल्कि भागीदारी आधारित भी हैं : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षक पर्व के पहले सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने

- **स्कूल क्वालिटी असेसमेंट एंड एश्योरेंस फ्रेमवर्क (एस.क्यू.ए.ए.एफ) को प्रारंभ किया गया। यह पाठ्यक्रम, शिक्षा शास्त्र, मूल्यांकन, बुनियादी ढांचे, समावेशी प्रथाओं और शासन प्रक्रिया जैसे आयामों में एक सामान्य वैज्ञानिक ढांचे की अनुपस्थिति की कमी को दूर करेगा। एसक्यूएएएफइस असमानता को दूर करने में भी मदद करेगा।**
- **प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के शिक्षक न केवल किसी वैश्विक मानक पर खरे उतरते हैं, बल्कि उनके पास अपनी विशेष पूंजी भी होती है। उनकी यह विशेष पूंजी उनके भीतर के भारतीय संस्कार हैं।**
- **प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हमारे देश में शिक्षक और बच्चों के बीच केवल पेशेवर संबंध नहीं होते, बल्कि एक पारिवारिक रिश्ता होता है और यह रिश्ता जीवन भर के लिए होता है।**

भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोश, बोलने वाली किताबें, सीबीएसई की स्कूल गुणवत्ता आश्वासन और आकलन रूपरेखा, निपुण भारत के लिए 'निष्ठा' शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम और विद्यांजलि पोर्टल का भी शुभारंभ किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कठिन समय में देश के छात्रों के भविष्य के प्रति शिक्षकों के योगदान की सराहना की। श्री मोदी ने कहा कि आज शिक्षक पर्व के अवसर पर कई नई योजनाएं शुरू की गई हैं। ये महत्वपूर्ण भी हैं, क्योंकि देश इस समय आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और आजादी के 100 साल बाद भारत कैसा होगा, इसके लिए नए संकल्प ले रहा है। प्रधानमंत्री ने महामारी की चुनौती का सामना करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और पूरे शैक्षणिक समुदाय की प्रशंसा की और उनसे कठिन समय का मुकाबला करने के लिए विकसित की गयी क्षमताओं को और आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'यदि हम परिवर्तन के दौर में हैं, तो सौभाग्य से हमारे पास आधुनिक और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण और उसके क्रियान्वयन में हर स्तर पर शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और शिक्षकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने सभी से इस भागीदारी को एक नए स्तर पर ले जाने और इसमें समाज को भी शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में ये बदलाव न केवल नीति आधारित हैं बल्कि भागीदारी आधारित भी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के साथ 'सबका प्रयास' के देश के संकल्प के लिए 'विद्यांजलि 2.0' एक मंच की तरह है। इसके लिए समाज में हमारे निजी क्षेत्र को आगे आना होगा और सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देना होगा।

॥ भारतीय रेलवे के नए एसी इकोनॉमी कोच ॥

प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस में सेवाएं शुरू

भारतीय रेलवे हमेशा से बेहतर यात्री अनुकूल सुविधाओं के साथ कोच विकसित करके अपने यात्रियों की सुविधाजनक यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय रेलवे की इस विकास यात्रा में नया शामिल होने वाला एसी थ्री टियर इकनॉमी क्लास कोच है। नए कोच ने अपनी सेवा देना शुरू कर दिया है। पहली बार इस कोच को ट्रेन नंबर 02403 प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस में जोड़ा गया है। 3 एसी कोच की 72 बर्थ की तुलना में नए एसी इकनॉमी कोच में 83 बर्थ हैं। इसके साथ ही इस कोच का किराया 3एसी कोच से 8 फीसदी कम है। जल्द ही दो और ट्रेनों, ट्रेन नंबर 02429/02430 नई दिल्ली-लखनऊ एसी स्पेशल और ट्रेन नंबर 02229/02230 लखनऊ मेल में इस नए 3एसी इकनॉमी कोच को जोड़ा जाएगा। शुरुआती तौर पर कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री में निर्मित 50 नए इकनॉमी कोच विभिन्न क्षेत्रों में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार हैं।

- **इस कोच में प्रवेश और एक व्हील चेयर पर दिव्यांगों के अनुकूल शौचालय के प्रावधान किए गए हैं, जो कि एक नई पहल है।**
- **प्रत्येक बर्थ के लिए व्यक्तिगत रीडिंग लाइट और यूएसबी चार्जिंग पॉइंट दिए गए हैं।**
- **मध्य और ऊपरी बर्थ तक पहुंचने के लिए सीढ़ी को एक नए एर्गोनॉमिक के रूप में उन्नत डिजाइन भी प्रदान किया गया है। मध्य और ऊपरी बर्थ में सिर से ऊपर का हिस्सा भी पहले से बढ़ा हुआ है।**

= सिंगापुर-भारत =

द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास 'सिम्बेक्स' का 28वां संस्करण संपन्न

सिंगापुर और भारत की नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास (सिम्बेक्स) का 28वां संस्करण 02 से 04 सितंबर 2021 तक आयोजित किया गया था। भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस रण-विजय ने जहाज से उड़ने वाले एक हेलीकॉप्टर, पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस किल्टन और गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस कोरा तथा एक पी8आई लंबी दूरी के समुद्री निगरानी विमान के साथ किया था। वहीं रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर नेवी- आरएसएन की तरफ से इस नौसैन्य अभ्यास में एक विशिष्ट श्रेणी का युद्धपोत, आरएसएस स्टीडफ़ास्ट, एक एस-70बी नौसैन्य हेलीकॉप्टर, एक विक्ट्री क्लास मिसाइल पोत, आरएसएस विगौर, एक आर्चर श्रेणी की पनडुब्बी और एक फॉक्कर- 50 समुद्री निगरानी विमान ने हिस्सा लिया। सिंगापुर गणराज्य की वायु सेना (आरएसएएफ) के चार एफ-16 लड़ाकू विमानों ने भी वायु रक्षा अभ्यास के दौरान इसमें भाग लिया।

- **वर्ष 1994 में शुरू किया गया सिम्बेक्स अभ्यास किसी भी विदेशी नौसेना के साथ भारतीय नौसेना का सबसे लंबा चलने वाला निर्बाध द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास है।**
- **सिम्बेक्स का इस वर्ष का संस्करण एक विशेष अवसर भी है, क्योंकि यह नौसैन्य अभ्यास भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किये जा रहे समारोहों के दौरान ही किया गया है। सिम्बेक्स-2021 की सफलता आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय साझेदारी को ज़्यादा मजबूत करने के लिए दोनों पक्षों के आपसी संकल्प का एक और उदहारण है।**

● लिथुआनिया-चीन ●

दोनों देशों ने अपने राजदूतों को बुलाया

चीन ने लिथुआनिया से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है और लिथुआनिया से कहा है कि वो चीन से अपने राजदूत को वापस बुला ले, इसके बाद लिथुआनिया ने चीन से अपने राजदूत को बुला लिया। चीन की नाराजगी ताइवान को लेकर लिथुआनिया के फैसले से है, दरअसल लिथुआनिया ने ताइवान को अपने देश की राजधानी विलिनियस में ताइवान के नाम से एक प्रतिनिधि दफ्तर खोलने की अनुमति दी थी। ताइवान और लिथुआनिया ने जुलाई में इस कार्यालय को खोलने पर सहमति जतायी थी। चीन के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में लिथुआनिया के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि चीन के लगातार कहने के बावजूद ऐसा किया है। यह भी कहा गया कि लिथुआनिया ने चीन के साथ कूटनीतिक संबंधों की भावना का उल्लंघन किया है। लिथुआनिया ने चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कमतर करने की कोशिश की है।

भारत-अमेरिका

मानव रहित विमानों के संबंध में परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किये

भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्रालयों ने मानव रहित विमानों (एयर-लॉन्च्ड अनमैन्ड एरियल व्हीकल-एएलयूएवी) के संबंध में एक परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। उल्लेखनीय है कि मानव रहित विमानों में ड्रोन आदि शामिल हैं। यह समझौता रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (डीटीटीआई) के हवाले से संयुक्त वायु प्रणाली कार्य समूह के तहत 30 जुलाई, 2021 को किया गया था। भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्रालयों के बीच हुये अनुसंधान, विकास, परीक्षण और मूल्यांकन (आरडीटी-एंड-ई) समझौता-ज्ञापन के दायरे में एएलयूएवी को रखा गया है। यह समझौता रक्षा उपकरणों को मिलकर विकसित करने की दिशा में दोनों देशों के बीच रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को और गहन बनाने की एक महत्त्वपूर्ण पहल है। इसके तहत एएलयूएवी प्रोटोटाइप का डिजाइन तैयार किया जायेगा और उसका विकास, परीक्षण तथा मूल्यांकन किया जायेगा। डीआरडीओ में स्थित वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) और एएफआरएल के तहत एयरोस्पेस सिस्टम्स डायरेक्टोरेट, भारतीय और अमेरिकी वायु सेना इस परियोजना-समझौते को क्रियान्वित करने वाले मुख्य संगठन हैं। भारतीय वायु सेना की तरफ से उप वायु सेना प्रमुख (योजना) एयर वाइस मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी तथा अमेरिकी वायु सेना की तरफ से एयर फोर्स सेक्योरिटी असिस्टेंस एंड कोऑपरेशन डायरेक्टोरेट के निदेशक ब्रिगेडियर जनरल ब्रायन आर. ब्रकबॉवर ने हस्ताक्षर किये। उल्लेखनीय है कि दोनों अधिकारी डीटीटीआई के तहत गठित संयुक्त कार्य समूह के सह-अध्यक्ष हैं।

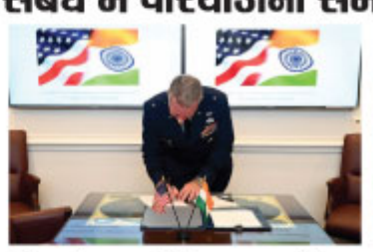

- **रक्षा प्रौद्योगिकी एवं व्यापार पहल के अंतर्गत भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्रालयों के बीच परियोजना समझौते पर हुए हस्ताक्षर।**
- **इस समझौता ज्ञापन पर सबसे पहले जनवरी 2006 में हस्ताक्षर किये गये थे और जनवरी 2015 को उसका नवीनीकरण किया गया था।**
- **भारत और अमेरिका के बीच रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम।**
- **परियोजना समझौते में अमेरिका की एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेट्री (एएफआरएल), भारतीय वायु सेना और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के बीच सहयोग का खाका शामिल किया गया है।**

इंडिया@75

दुनियाभर के 75 भारतीय मिशनों और दूतावासों में स्थापित किए जाएंगे आत्मनिर्भर कॉर्नर

ट्राईफेड 90 दिन में दुनियाभर में स्थित 75 भारतीय मिशनों और दूतावासों में आत्मनिर्भर भारत कॉर्नर स्थापित करेगा। पहले आत्मनिर्भर भारत कॉर्नर का उद्घाटन 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बैंकॉक (थाईलैंड) स्थित भारतीय दूतावास में राजदूत श्रीमती सुचित्रा दुरई और सेवानिवृत्त राजदूत श्री आर. स्वामीनाथन द्वारा किया गया है। प्राकृतिक और जैविक उत्पादों के अलावा जीआई टैग जनजातीय कला और शिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए यह कॉर्नर एक विशेष स्थान होगा। जनजातीय उत्पादों की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित करने वाले कैटलॉग और ब्रोशर भी मिशनों और दूतावासों को भेजे गए हैं। 75 देशों में जमैका, आयरलैंड, तुर्की, केन्या, मंगोलिया, इज़राइल, फिनलैंड, फ्रांस, कनाडा, सिंगापुर, रूस, अमेरिका, इंडोनेशिया, ग्रीस और साइप्रस शामिल हैं। ट्राईफेड द्वारा इनमें से प्रत्येक मिशन में जनजातीय उत्पादों को भेजा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ट्राईफेड भारत में स्थापित विदेशी देशों के 75 दूतावासों में भी एक-एक आत्मनिर्भर कॉर्नर स्थापित करेगा। इस प्रोत्साहन के साथ यह आशा की जताई जा रही है कि इन अद्वितीय उत्पादों को एक बड़ा बाजार मिलेगा और 'वोकल फॉर लोकल, बाय ट्राइबल' का बड़ा दृष्टिकोण प्राप्त किया जा सकता है, जो कि स्थाई आय सृजन और देश के जनजातीय लोगों के रोज़गार के क्षेत्रों में वास्तव में परिवर्तनकारी होगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।